नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 19

सोमवार, 22 से 28 जून 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

स्वच्छ यमुना अभियान में जुटे जनप्रतिनिधि और नागरिक 03

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: कांग्रेस की सुप्रीम कोर्ट जांच सहित 3 बड़ी मांगें 08

NCR समाचार

आयरलैंड की गेंदबाजी हमसे कहीं अधिक बेहतर थी : अभिषेक 10

कितना सही है नाश्ते में दही लेना 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

एग्स फ्रीज कराने पर आकांक्षा रंजन का खुलासा 12

एक नजर

भारत का पाकिस्तान को करारा जवाब, आतंकवाद को पनाह देने वाले दूसरों पर ना उठाएं उंगली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने कराची में पाकिस्तान रेंजर्स के कैंप पर आतंकवादी हमले को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि आतंकवाद को पालने वाले देश को दूसरे पर अंगुली उठाने से पहले अपनी गिरेबान में झांकना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में मीडिया के प्रश्नों के उत्तर में रविवार को कहा, 'हमने कराची में हाल ही में हुई घटना के संबंध में भारत के विरुद्ध निराधार आरोप लगाने वाली पाकिस्तान की रिपोर्टें देखी हैं। हम इन आरोपों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं। दूसरों पर अंगुली उठाने के बजाय, पाकिस्तान को अपने भीतर झाँकना चाहिए, अपने क्षेत्र में मौजूद आतंकवादी ढाँचे के विरुद्ध विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए तथा राज्य की नीति के एक साधन के रूप में आतंकवाद पर निर्भर रहने की अपनी प्रवृत्ति का परित्याग करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस हमले में पाकिस्तान के चार रेंजर्स के मारे जाने की खबर है।

अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता का भूकंप, दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर तक महसूस हुए झटके

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान में शनिवार शाम आए तेज भूकंप के झटकों से भारत के कई उत्तरी हिस्से भी हिल उठे। रिक्टर स्केल पर 6.2 तीव्रता वाले इस भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ दिल्ली-एनसीआर में भी महसूस किया गया। हालांकि शुरूआती जानकारी के अनुसार अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना सामने नहीं आई है। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदूकुश पर्वतीय क्षेत्र में रहा। नेशनल जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के मुताबिक यह झटका शाम करीब 6 बजकर 4 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र पूर्वोत्तर अफगानिस्तान में कालाफगान से लगभग 81 किलोमीटर दूर जमीन के भीतर करीब 215 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। गहरे केंद्र के कारण भूकंप के झटके अफगानिस्तान से बाहर भारत के उत्तरी क्षेत्रों तक महसूस किए गए। प्रशासनिक और आपदा प्रबंधन एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

समुद्र से आसमान तक भारत बन रहा है आत्मनिर्भर : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत समुद्र से लेकर आसमान तक रक्षा क्षेत्र में तेजी से अधिक सुरक्षित तथा आत्मनिर्भर बन रहा है और स्वदेशी तकनीक तथा विनिर्माण के दम पर देश नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी से प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के 135 वीं कड़ी में कहा कि 2026 का आधा हिस्सा बीतने को है और इन छह महीनों में देश ने सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन पर हर देशवासी को गर्व है। उन्होंने कहा कि हाल ही में कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय नौसेना के बेड़े में आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को शामिल किया गया। इन युद्धपोतों का डिजाइन और निर्माण पूरी तरह स्वदेशी है। श्री मोदी ने कहा कि जून में ही विमानन क्षेत्र में भी बड़ी सफलता मिली है। मेक इन इंडिया के तहत निर्मित सी-295 विमान ने अपनी पहली उड़ान पूरी की है और ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। इससे एमएसएमई और एयरोस्पेस क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प और सशक्त होगा।

राम मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं की आस्था से किया खिलवाड़ : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से जुड़े मामलों में शुरू से ही अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते रहे हैं, लेकिन अब चढ़ावे और चंदे की चोरी का खुलासा होने से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर गंभीर आघात हुआ है। कांग्रेस प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के लिए गठित ट्रस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पसंदीदा लोगों को शामिल किया गया। ट्रस्ट ने वित्तीय जांच-पड़ताल के लिए एजेंसियां नियुक्त की थीं, जिन्होंने कई सुझाव दिये, लेकिन ट्रस्ट ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। उनका कहना था कि जब कथित चोरी के मामलों का खुलासा होने लगा और मंदिर के कैश काउंटिंग एजेंट महिपाल सिंह ने कई तथ्य सार्वजनिक किये तो उन्हें पद से हटा दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद जैसे-जैसे और खुलासे होने लगे, मंदिर परिसर से सीसीटीवी कैमरे हटा दिये गये और उनकी रिकॉर्डिंग डिलीट कर दी गई।

भारत-सेशेल्स के बीच कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर

विक्टोरिया, एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कई एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। भारत और सेशेल्स ने कृषि, एक्जिम बैंक, बाहरी अंतरिक्ष में खोज और नए सेशेल्स नेशनल हॉस्पिटल पर चर्चा के लिए ज्ञापन समझौता (एमओयू) एक्सचेंज किया।

पीएम मोदी ने कहा, डॉ. पैट्रिक हर्मिनी, दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल और मीडिया के साथियों का धन्यवाद। हमारे इस महत्वपूर्ण स्वागत और आतिथ्य सत्कार के लिए मैं राष्ट्रपति हार्मिनी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं। उनके द्वारा गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन से सम्मानित किया जाना मेरे लिए और 140 करोड़ भारतवासियों के लिए हर्ष का विषय है। मैं इस सम्मान को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हुए उन सभी देशों को समर्पित करता हूं, जो क्लाइमेट चेंज की चुनौती से लड़ रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण को भावी पीढ़ियों के प्रति अपना दायित्व मानते हैं।

गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन सेशेल्स गणराज्य द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया गया एक सर्वोच्च नागरिक और पर्यावरण सम्मान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी यात्रा ऐसे ऐतिहासिक अवसर पर हो रही है, जब सेशेल्स अपनी आजादी के

150 वर्ष पूरे कर रहा है। हम भारत-सेशेल्स राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इन 50 वर्षों की यात्रा में हमने मित्रता को विश्वास में, विश्वास को सहयोग में और सहयोग को जनकल्याण में बदला है।

उन्होंने कहा कि हिंद महासागर ने सदियों से भारत और सेशेल्स के संबंधों को सींचा है। इसकी लहरों ने हमारे बीच व्यापार, संस्कृति और मानवीय संबंधों को निरंतर पोषित किया है। हम विश्वास करते हैं कि हिंद महासागर हमारा साझा घर है और इसकी सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि हमारी साझा जिम्मेदारी है। यही भावना हमारे महासागर विजन का आधार है। इस साल फरवरी में राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी की भारत यात्रा के दौरान जारी किए गए संयुक्त विजन से हमारी भावी साझेदारी का ब्लूप्रिंट तैयार हुआ है। इस पर आगे बढ़ते हुए हर क्षेत्र में हमारा सहयोग मजबूत हो रहा है।

उन्होंने कहा, आज हमने हमारे आर्थिक सहयोग को और अधिक लचीला बनाने पर चर्चा की। हम दोनों देशों के उद्योगों के नए अवसरों की तलाश जारी रखेंगे। भारत और सेशेल्स के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा। इससे हमारा व्यापार तो बढ़ेगा ही, इसके साथ-साथ पूर्वी अफ्रीकी और हिंद महासागर क्षेत्र के साथ संबंधों को भी बल मिलेगा। हमारा विश्वास है कि डिजिटल तकनीक दोनों देशों की दूरी को कम करने का प्रभावी माध्यम है। हम डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में भारत के सफल अनुभवों को सेशेल्स के साथ साझा करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें खुशी है कि आज यूपीआई को सेशेल्स में लागू करने के लिए एमओयू किया जा रहा है। विकास साझेदारी हमारे संबंधों की मजबूत पहचान रही है। भारत हमेशा की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को केंद्र में रखकर आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रपति के भारत दौरे के दौरान हमने 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी। इसके अंतर्गत सोशल हाउसिंग, ट्रांसपोर्ट, स्किलिंग, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में काम किया जा रहा है। सेशेल्स के मनावीय संसाधनों विकास में सहयोग भारत की विशेष प्राथमिकता रही है। मुझे खुशी है कि हम सेशेल्स के सिविल सर्वेंट्स की ट्रेनिंग में योगदान दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज प्रोफेशनल और टेक्निकल सेंटर की वर्चुअल ग्राउंड ब्रेकिंग भी की जा रही है। हमारा विश्वास है कि यह सेंटर सेशेल्स की युवाओं के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी साझेदारी समय की कसौटी पर खड़ी उतरी है। कोविड के मुस्किल समय में वैक्सीन की आपूर्ति से हमने एक मित्र के रूप में अपना दायित्व निभाया।

पीएम मोदी ने कहा, आज जनऔषधि पर किए गए एमओयू से सेशेल्स के लोगों को क्वालिटी और उनके पहुंच तक दवाई उपलब्ध कराने में सहयोग मिलेगा। हम कैपेसिटी बिल्डिंग और ट्रेनिंग के जरिए सेशेल्स के मेडिकल केयर को और सशक्त बनाने का प्रयास करेंगे। ऊर्जा और क्लाइमेट एक्शन में भी हमारा सहयोग निरंतर आगे बढ़ रहा है। हम ग्रीन हाइड्रोजन सहित क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में सहयोग जारी रखेंगे। हम ओसियन ऑब्जर्वेशन, मरीन साइंस और कोस्टल मेनेजमेंट के भारत की विशेशज्ञत सेशेल्स के साथ साझा करेंगे।

उन्होंने कहा कि स्पेस के क्षेत्र में हम मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। इस विषय पर दोनों देशों में एमओयू किया गया। भारत और सेशेल्स की रक्षा और सुरक्षा एक-दूसरे से अभिन्न हैं। हम इस दिशा में अपना करीबी सहयोग जारी रखेंगे। भारत सेशेल्स संबंधों की असली शक्ति हमारे लोगों के जुड़ाव हैं। हमारी आज की चचाओं से यह संबंध और मजबूत होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए हम संस्थागत रूप से आगे बढ़ेंगे। सेशेल्स में योग और भारतीय फिल्म उद्योग की लोकप्रियाता हमारे सांस्कृतिक जुड़ाव को दशार्ती हैं। इसी भावना के साथ हम दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने का प्रयास जारी रखेंगे। मेरी सेशेल्स की यात्रा का संदेश स्पष्ट है कि भारत ऐसे हिंद महासागर की कल्पना करता है, जहां समुद्री सुरक्षा के साथ आर्थिक समृद्धि भी बढ़े, जहां हमारी साझेदारी आकार नहीं आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित हो। जहां हम हर देश के पास-पास नहीं, साथ-साथ चलें। हमारे संबंधों के पिछले 50 साल गहरे विश्वास और साझा प्रगति के रहे हैं। आने वाले 50 साल इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और साझा संप्रभुता के होंगे। मैं एकबार फिर भारत के प्रति आपकी मित्रता और हमारे संबंधों के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त करता हूं। आप सबका धन्यवाद।

हर सांसद अपने क्षेत्र में लगाए एक पेड़ मां के नाम और करे उसका संरक्षण : ओम बिरला

कोटा, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कोटा के दादाबाड़ी स्थित रंडेल पार्क में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने न केवल वृक्षारोपण किया, बल्कि उपस्थित लोगों और जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को अपनाने का आह्वान भी किया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज दुनिया कई गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे समय में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने का आह्वान अत्यंत महत्वपूर्ण है। हर सांसद की जिम्मेदारी है कि वह अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में जनता को जागरूक करे और पर्यावरण संरक्षण को एक जन-आंदोलन का रूप दे। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष होने के नाते भी यह उनकी जिम्मेदारी बनती है कि वे सभी सांसदों से आग्रह करें कि वे अपने क्षेत्रों में लोगों को स्वच्छता और हरियाली के प्रति प्रेरित करें। यदि जनता सक्रिय रूप से जुड़ती है तो हर संसदीय क्षेत्र को हरा-भरा और स्वच्छ बनाया जा सकता है। कोटा शहर के विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि 'कोटा वह शहर होगा जहां सबसे अच्छे खेल मैदान होंगे। उन्होंने रंडेल पार्क कोटा में सिंथेटिक ट्रैक और आधुनिक खेल मैदान विकसित करने की योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर को केवल स्मार्ट सिटी के रूप में ही नहीं, बल्कि स्वच्छ और बेहतर जीवन स्तर वाले शहर के रूप में विकसित करना लक्ष्य है। कोटा की गलियों और कॉलोनियों को भी और अधिक बेहतर बनाने की दिशा में लगातार काम किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को भावनात्मक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मां के नाम एक पौधा लगाना चाहिए और उसका संरक्षण भी करना चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा ने ट्रस्ट से दिया इस्तीफा

- राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था

अयोध्या/नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित गड़बड़ी की जांच के बीच शुक्रवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

राम मंदिर के लिए मिले दान में 7 करोड़ रुपए से ज्यादा की हेराफेरी के आरोप के बाद मंदिर प्रशासन में हो रहे बदलावों के तहत इन इस्तीफों को एक अहम कदम माना जा रहा है। हालांकि वे सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं थे, लेकिन बढ़ती जांच के बीच उनके फैसलों को नैतिक जिम्मेदारी लेने के तौर पर देखा जा रहा है।

राम मंदिर के चंदा चोरी मामले ने पूरे देश में एक बहस छेड़ दी है, जिससे मंदिर प्रशासन में लोगों का भरोसा डगमगा गया है।

एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम को दान के लेन-देन में गड़बड़ी मिली, जिसके बाद आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया।

हालांकि चंपत राय और अनिल मिश्रा पर सीधे तौर पर कोई आरोप नहीं था, लेकिन अपनी लीडरशिप भूमिकाओं के कारण वे इस विवाद के केंद्र में आ गए।

दोनों ने मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके और राम मंदिर की पवित्रता बनी रहे। 80 साल के चंपत राय उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में पैदा हुए थे और सार्वजनिक जीवन में आने से पहले केमिस्ट्री के प्रोफेसर थे। वह कम उम्र में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) से जुड़ गए थे और बाद में 1980 में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) में शामिल हो गए। राम मंदिर के लिए दशकों तक चले संघर्ष में वे एक अहम चेहरा थे। इमरजेंसी के दौरान उन्होंने 18 महीने जेल में बिताए, जिससे उस मकसद के लिए काम करने का उनका संकल्प और मजबूत हुआ जिसमें वे यकीन रखते थे।

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फरवरी 2020 में 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' बनाया गया और चंपत राय को इसका जनरल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया। कहा जाता है कि वे मंदिर के निर्माण, प्रशासन और दान के मैनेजमेंट की देखरेख कर रहे थे।

वहीं अनिल मिश्रा 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के ट्रस्टी थे, जिनका काम अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और मैनेजमेंट की देखरेख करना था। उनकी भूमिका मुख्य रूप से प्रशासनिक थी। वे दान के लेन-देन और संगठन से जुड़े कामों समेत मंदिर के कामकाज की देखरेख के लिए दूसरे ट्रस्टियों के साथ मिलकर काम करते थे।

भीषण गर्मी की चपेट में फ्रांस

हीटवेव के दौरान 1,000 लोगों की मौत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में इस हफ्ते भीषण गर्मी के कारण अस्पतालों और आपातकालीन सेवाओं पर अधिक बेहद बढ़ गया है और 24 जून से अब तक देश में करीब 1,000 लोगों की मौतें हुई है। देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पार पहुंच जाने से इमरजेंसी कॉल में बेतहाशा बढ़ोतरी हो गयी है। पब्लिक हेल्थ फ्रांस ने रविवार को बयान जारी कर बताया कि बुधवार (24 जून) से अब तक देश में सामान्य दिनों के मुकाबले करीब 1,000 से अधिक अतिरिक्त मौतें दर्ज की गयी हैं। एजेंसी के अनुसार, इस आपदा का सबसे ज्यादा असर उन इलाकों में देखा गया जो रेड हीट अलर्ट पर थे। इनमें इले-डी-फ्रांस, नुवेल-अकिटेन, ब्रिटनी, सेंटर-वैल डी लॉयर, नॉमंर्डी और पेस डी ला लॉयर शामिल हैं। इनमें से करीब 85 प्रतिशत मौतें 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों की हुई हैं।

इस हफ्ते फ्रांस के 30 से अधिक विभागों में रेड हीट अलर्ट लागू रहा। बुधवार को सबसे गर्म दिन के रूप में

दर्ज किया गया था, जब 24 घंटे का औसत तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।

पेरिस में आपातकालीन सेवाओं पर बढ़ते बोझ को कम करने के लिए प्रशासन ने साप्ताहिक अवकाश पर सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर रोक लगा दी थी। यही नहीं, शनिवार को होने वाले पेरिस प्राइड मार्च को भी आगे के लिए टाल दिया गया है। गर्मी के चलते एफिल टॉवर और लौवरे म्यूजियम जैसी मशहूर जगहों को भी तय समय से पहले बंद किया जा रहा है।

चिलचिलाती धूप और गर्मी से राहत पाने के लिए पूरे हफ्ते लोग पार्कों और नहरों के किनारे इकट्ठा होते रहे। लेकिन प्रशासन ने बिना निगरानी वाली जगहों पर तैरने के खतरों को लेकर सख्त हिदायत जारी की है। गर्मी का यह प्रचंड रूप इस समय पूरे यूरोप में देखा जा रहा है। ब्रिटेन में भी शुक्रवार का दिन सबसे गर्म दिन रहा, जहां सफोल्क के सेंटन डाउनहैम गांव में तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा स्पेन और जर्मनी में भी पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है।

समुद्र से आसमान तक भारत बन रहा है आत्मनिर्भर : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत समुद्र से लेकर आसमान तक रक्षा क्षेत्र में तेजी से अधिक सुरक्षित तथा आत्मनिर्भर बन रहा है और स्वदेशी तकनीक तथा विनिर्माण के दम पर देश नयी उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी से प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के 135 वीं कड़ी में कहा कि 2026 का आधा हिस्सा बीतने को है और इन छह महीनों में देश ने सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन पर हर देशवासी को गर्व है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय नौसेना के बेड़े में आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को शामिल किया गया। इन युद्धपोतों का डिजाइन और निर्माण पूरी तरह स्वदेशी है। श्री मोदी ने कहा कि जून में ही विमानन क्षेत्र में भी बड़ी सफलता मिली है। 'मेक इन इंडिया' के तहत निर्मित सी-295 विमान ने अपनी पहली उड़ान पूरी की है और ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

11 दिन से बिजली गुल, नांवा-बारड़ा के किसान सिंचाई और पेयजल संकट से जूझ रहे

मेनपाल

हरियाणा: ऊंट गाड़ी व टैंकर से पीने का पानी खरीदने को मजबूर हुए ग्रामीण बिजली आपूर्ति बंद होने से बिजली संचालित व्यवस्था ठप सतनाली। गांव नांवा और बारड़ा के किसान पिछले 11 दिनों से बिजली व पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। किसानों को फसल सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है और दूसरी ओर से खेतों के पास या खेतों में रहने वाले लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। अधिकारियों को इसकी शिकायत दी गई हैए लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। बता दें कि गत दिनों आए अंधड़ से गांव नांवा और बारड़ा में कृषि कनेक्शन की लाइन का पोल टूट गया और इससे ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त हो गया। अब घटना को 11 दिन बीत चुके हैं और अधिकारियों की ओर से मौका भी जांचा गया है। बिजली निगम अधिकारियों की ओर से अभी तक कार्य नहीं करवाया गया है और किसानों की परेशानी बढ़ चुकी है। बिजली आपूर्ति नहीं होने से फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। लगातार बढ़ती गर्मी और खेतों में पानी की जरूरत के बीच बिजली की कमी किसानों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। खेतों और पास में रहने वाले लोगों को पीने का पानी टेंकर से खरीदना पड़ रहा है। पेयजल के लिए भी लोग तरस रहे हैं। इसके लिए अधिकारियों को शिकायत दी गई हैए लेकिन अभी तक समाधान नहीं हो पाया है।

जानिये किसानों की परेशानी खेतों में खड़ी फसलों को समय पर पानी नहीं मिल पाने से नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। बिजली आने का कोई निश्चित समय नहीं जिससे परेशानी कम होने का नाम ही नहीं ले रही। बिजली नहीं आने से पीने के पानी के लिए भी तरसना पड़ रहा है। पंकज बारड़ा पशुओं के लिए ग्वारए बाजरा बोया हुआ है और अब पानी के अभाव में हरा चारा भी खराब होने की कगार पर पहुंच गया है। खरीफ फसलों की बुवाई का समय चल रहा है। ऐसे में पर्याप्त बिजली नहीं मिलने से खेतों की तैयारी और सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

अनिल बारड़ा किसानों को डीजल इंजन का सहारा लेना पड़ रहा है और इससे खेती की लागत बढ़ रही है। कई बार अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गयाए लेकिन अभी तक स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। बिजली नहीं मिलने से कृषि कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। अमित बारड़ा प्रशासन और बिजली विभाग से जल्द समाधान की मांग की जा रही है। यदि समय पर बिजली उपलब्ध नहीं करवाई गई तो फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। किसान मिलकर निगम के खिलाफ मोर्चा खोलने को विवश होंगे।

केतन हत्याकांडः पुलिस कस्टडी में आरोपी को हथकड़ी लगाने को लेकर उठे सवाल

कुणाल तेवतिया

पुणे: केतन हत्याकांड मामले में पुलिस कार्रवाई के दौरान अब आरोपी की कस्टडी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक नया सवाल चर्चा में आ गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों और चचाओं के बाद लोग सवाल उठा रहे हैं कि पुलिस हिरासत में एक आरोपी चेतन के हाथों में हथकड़ी दिखाई दी, जबकि सिया के हाथों में हथकड़ी नहीं नजर आई। इसको लेकर आम लोगों के बीच कई तरह की चचाएं चल रही हैं। लोगों का सवाल है कि जब दोनों आरोपी एक ही मामले से जुड़े हैं तो दोनों के साथ सुरक्षा प्रक्रिया अलग-अलग क्यों दिखाई दे रही है। वहीं, पुलिस व्यवस्था और कानूनी प्रक्रिया को लेकर भी लोगों में जानकारी लेने की उत्सुकता बढ़ गई है।

कानूनी प्रावधानों के अनुसार पुलिस हर आरोपी को स्वतः हथकड़ी नहीं लगाती। हथकड़ी का इस्तेमाल आरोपी की स्थिति, सुरक्षा कारणों, भागने की संभावना, पुलिसकर्मियों और आम लोगों की सुरक्षा जैसे पहलुओं को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। पुलिस अधिकारियों द्वारा परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लिया जाता है। केतन हत्याकांड पहले से ही लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है और मामले में सामने आ रहे नए पहलुओं के बीच अब आरोपी की कस्टडी प्रक्रिया भी सवालों के घेरे में आ गई है। लोग चाहते हैं कि पुलिस इस विषय पर स्पष्ट जानकारी दे, ताकि किसी तरह की भ्रम की स्थिति न रहे। फिलहाल मामले में पुलिस की ओर से आधिकारिक स्पष्टीकरण का इंतजार है। जांच आगे बढ़ने के साथ ही हत्याकांड से जुड़े अन्य तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है। वहीं, पुलिस प्रशासन का कहना है कि पूरी कार्रवाई कानून और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जा रही है।

डीएम की चौपाल में सुनी गई जनसमस्याएं, योजनाओं का लाभ पहुंचाने के दिए निर्देश

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: सिद्धार्थनगर नगर पंचायत बढ़नी चाफा में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में "नगर की समस्या, नगर में समाधान" चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आमजन की समस्याएं सुनी गईं और विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेंद्र प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह भी मौजूद रहे। चौपाल में जिलाधिकारी ने नगरवासियों से सीधे संवाद कर सरकारी योजनाओं की जानकारी ली और पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड, पेंशन, राशन कार्ड, किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने को कहा।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, वरासत, प्रमाण-पत्र और अन्य जनसमस्याओं का समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जिलाधिकारी ने नगरवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत बनने के बाद क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिली है और लोगों को आवास समेत कई योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने बताया कि विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है और मौके पर ही समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी और पूर्व विधायक ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया।

चिल्हिया पुलिस ने देशी शराब दुकान चोरी का किया खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: शोहरतगढ़ अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत शोहरतगढ़ सर्किल के क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण एवं थाना चिल्हिया के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता के प्रभावी नेतृत्व में पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए गौरा बाजार स्थित देशी शराब की दुकान में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण कर एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई एक पेटी देशी शराब, स्कैनर/पास मशीन तथा एक हजार रुपये नकद भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 21 जून 2026 की रात गौरा बाजार स्थित देशी शराब की दुकान का ताला तोड़कर तीन पेटी देशी शराब और एक स्कैनर/पास मशीन चोरी कर ली गई थी। मामले में थाना

चिल्हिया पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम को घटना के शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए गए थे। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी की सतत निगरानी में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता ने विशेष टीम गठित कर जांच तेज कर दी। इसी क्रम में 24/25 जून की रात उपनिरीक्षक सुधाकर राय और उनकी टीम गौरा बाजार क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की घटना में शामिल व्यक्ति मंझरिया और गौरा बाजार के बीच पुलिया के पास चोरी की शराब लेकर जा रहा है।

सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सिकंदर पुत्र स्वर्गीय दुख्खी निवासी गौरा बाजार, थाना चिल्हिया बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पेटी देशी शराब (बंटी बबली), एक स्कैनर/पास मशीन और 1000 रुपये नकद बरामद हुए। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने ही 21 जून की रात शराब की दुकान का ताला तोड़कर चोरी की थी। उसने बताया कि चोरी की गई दो पेटी शराब राहगीरों को बेच दी थी और बरामद नकदी उसी बिक्री की रकम है।

वह शेष बची शराब को बेचने जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत हुआ है। क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी के प्रभावी पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता के कुशल नेतृत्व में चिल्हिया पुलिस लगातार अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

एक नजर

विशेष लोक अदालत को लेकर बैठक, अधिक मामलों के निस्तारण पर दिए जोर

लिखित पंत/उत्तराखंड: गंगोलीहाट के राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार न्यायालय सिविल जज, गंगोलीहाट में एक महत्वपूर्ण प्री-बैठक आयोजित की गई। यह बैठक आगामी 18 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत एनआई एक्ट को सफल बनाने के उद्देश्य से बुलाई गई थी। बैठक की अध्यक्षता सिविल जज रजनीश मोहन ने की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिवक्तागणों के साथ अधिक से अधिक वादों के त्वरित और सफल निस्तारण को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर बार अध्यक्ष जे०एस० महरा, सचिव एम०एस० रावल, ठाकुर सिंह डसीला आदि अधिवक्तागण मौजूद रहे। इसके साथ ही कोतवाली गंगोलीहाट के प्रभारी निरीक्षक कैलाश चन्द्र जोशी, न्यायालय के पेशकार संजय कुमार पाठक, वरिष्ठ सहायक राजेन्द्र सिंह ऐर एवं कोर्ट मोहरिर मनोज भट्ट भी बैठक में उपस्थित रहे।

विद्यालय की जमीन पर कब्जा करने का आरोप, ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार

संजय कुमार वर्मा/बिहार: कौआकोल में प्रखंड क्षेत्र के नावाडीह गांव स्थित बरवाडीह महादलित टोला में संचालित नवसृजित प्राथमिक विद्यालय की जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीण रामबालक चौधरी के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने हस्ताक्षरयुक्त आवेदन अंचलाधिकारी एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने आवेदन में बताया है कि बरवाडीह महादलित टोला में नवसृजित प्राथमिक विद्यालय संचालित है,जहां महादलित समुदाय के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। आरोप है कि गांव के ही ग्रामीण डाक सेवक महेंद्र प्रसाद यादव के द्वारा विद्यालय की जमीन पर मिट्टी भराई कर अवैध तरीके से कब्जा किया जा रहा है। इस घटना को लेकर अनुसूचित समुदाय के लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई,तो विद्यालय आने-जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही जमीन की स्थिति बदलने से विद्यालय परिसर में जलजमाव की समस्या उत्पन्न होने का खतरा बना रहेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर विद्यालय की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा दोषी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

अंबिका दरबार में 18 से 22 जून तक होगा नवकुंडीय महायज्ञ व प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव

लिखित पंत/उत्तराखंड: गंगोलीहाटक्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल आदि शक्ति अंबिका दरबार, कोठेरा में आगामी 18 जून से 22 जून तक भव्य नवकुंडीय महायज्ञ एवं शिव-शक्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान को लेकर पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल है।जानकारी के अनुसार, इस आयोजन में उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के गर्भगृह से प्रेरित आदिदेव भोलेनाथ त्रिनेत्रधारी की दिव्य मूर्ति को महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग स्वरूप में प्रतिष्ठित किया जाएगा।

आयोजन समिति के अनुसार पूर्व अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग से सेवानिवृत्त हरीश कोठारी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 18 जून को प्रातः 9 बजे भव्य कलश यात्रा एवं गणेश पूजन के साथ होगा। इसके पश्चात प्रतिदिन सायंकाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। 19 जून को प्रातः अरणी मंथन तथा सायं 3 बजे विशेष हवन, जबकि 20 और 21 जून को प्रातःकालीन पूजन-अर्चन एवं सायंकालीन हवन व कीर्तन कार्यक्रम आयोजित होंगे। 22 जून को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायज्ञ की पूणार्हुति की जाएगी, जिसके साथ ही भगवान त्रिनेत्रधारी का विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान सम्पन्न होगा। इस महायज्ञ के लिए हरिद्वार से आए वैदिक विद्वानों की टोली भी शामिल होगी।

रॉबिन दिवाकर का एयरफोर्स में हुआ चयन, नगरवासियों ने किया सम्मान

नरेंदर

उत्तर प्रदेश: नगर पंचायत चंदौस के वार्ड नंबर-2 निवासी एवं समाजसेवी प्रमोद दिवाकर के पुत्र रॉबिन दिवाकर के भारतीय वायुसेना एयरफोर्स में चयन होने पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। इस उपलब्धि पर नगर पंचायत चंदौस के लोगों एवं समाज के गणमान्य नागरिकों ने रॉबिन दिवाकर का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रॉबिन दिवाकर ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर भारतीय वायुसेना में स्थान हासिल कर न केवल अपने माता-पिता का, बल्कि पूरे गांव, नगर पंचायत चंदौस और समाज का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है और यह साबित करती है कि दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

स्वागत समारोह में श्री राम सेना संगठन हरिगढ़ के जिलाध्यक्ष योगेश कुमार केडी भैया, डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति चंदौस के अध्यक्ष लालाराम दिवाकर, नगर अध्यक्ष डॉ. डी.एस. भारती, सभासद सौरभ, मलखान सिंह वाल्मीकि, महेन्द्र सिंह डीलर, रामजी लाल फोटो वाले, ओमवीर, ऋषिपाल सिंह, मुनेश बाबू, भूरा सिंह, अजय कुमार, राजू केजरीवाल, सुखबीर सिंह, टेकचंद, अमीन साहब वाल्मीकि, राजेश कुमार, सुशील कुमार, प्रमोद कुमार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने रॉबिन दिवाकर को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह सफलता क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी देश सेवा के लिए प्रेरित करेगी।

झातला तालाब के सौंदर्यीकरण की मांग

धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा और गांव को मिलेगी नई पहचान

ख्वाजा हुसैन

मध्य प्रदेश: भेरूनाथ महाराज की पावन नगरी झातला अपनी धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है। यहां स्थित भव्य भेरूनाथ मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यदि ग्राम पंचायत झातला के तालाब का आधुनिक और आकर्षक सौंदर्यीकरण किया जाए तो यह स्थान धार्मिक पर्यटन का नया केंद्र बन सकता है। वर्तमान में तालाब अपनी उपेक्षा के कारण अपेक्षित आकर्षण नहीं बना पा रहा है, लेकिन यदि इसके चारों ओर सुंदर गार्डन, आकर्षक लाइटिंग, फव्वारे, बैठने की व्यवस्था, पैदल पथ, हरियाली और धार्मिक थीम पर आधारित विकास कार्य किए जाएं तो यह तालाब गांव की नई पहचान बन सकता है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि भेरूनाथ मंदिर और विकसित तालाब का संगम झातला को जिले के प्रमुख धार्मिक

एवं पर्यटन स्थलों में शामिल कर सकता है। श्रद्धालु मंदिर दर्शन के साथ-साथ तालाब परिसर में समय व्यतीत कर सकेंगे, जिससे गांव में सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

ग्रामीणों ने कहा कि जिस प्रकार अन्य स्थानों पर तालाबों का सौंदर्यीकरण कर उन्हें आकर्षण का केंद्र बनाया गया है, उसी प्रकार झातला का तालाब भी विकसित हो सकता है। इससे गांव की सुंदरता बढ़ेगी, पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भी वृद्धि होगी। भेरूनाथ की पावन नगरी झातला में यदि तालाब का सौंदर्यीकरण किया जाए तो यह केवल एक विकास कार्य नहीं, बल्कि गांव की धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला कदम होगा।"

ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से मांग की है कि तालाब के सौंदर्यीकरण की योजना बनाकर शीघ्र कार्य शुरू किया जाए, ताकि झातला का नाम क्षेत्र के आदर्श और सुंदर गांवों में शामिल हो सके।

नई ड्रेस देखने पहुंचे युवक की हत्या, डैम से मिला शव

कुणाल तेवतिया

बिहार: क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक युवक अपनी कथित गर्लफ्रेंड से मिलने और उसकी नई ड्रेस देखने के लिए गया था। इसके बाद वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने युवक के घर नहीं लौटने पर उसकी तलाश शुरू की और पुलिस में गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस को युवक का शव एक डैम से बरामद हुआ, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत होने पर विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है। पुलिस मृतक के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल्स, घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभी तक हत्या के कारण और आरोपियों के संबंध में पुलिस ने कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मामले से जुड़ी किसी भी प्रकार की भ्रामक अफवाहों पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा रखें। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।२

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मां विंध्यवासिनी धाम में की पूजा-अर्चना, प्रदेश की खुशहाली की कामना

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक शुक्रवार को विश्वप्रसिद्ध मां विंध्यवासिनी धाम पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, जनकल्याण एवं सर्वांगीण विकास की कामना की। मंदिर के प्रमुख श्रृंगारिया पंडित शिव जी महाराज एवं पंडित रतन मोहन मिश्र ने शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उपमुख्यमंत्री का अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके बाद दोनों पुरोहितों ने उन्हें गर्भगृह में ले जाकर मां विंध्यवासिनी का विधिवत दर्शन-पूजन कराया। उपमुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में स्थित अन्य देवी-देवताओं के भी दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

दर्शन-पूजन के उपरांत बृजेश पाठक ने उत्तर प्रदेश तथा देशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना करते हुए प्रदेश के चौमुखी विकास एवं जनकल्याण के लिए मां विंध्यवासिनी से आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर मंदिर के तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक रीति-रिवाजों के साथ उनका स्वागत किया। वहीं स्थानीय भाजपा एवं अपना दल (एस) के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने भी उपमुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। दर्शन के बाद उपमुख्यमंत्री ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

स्वच्छ यमुना अभियान में जुटे जनप्रतिनिधि और नागरिक

स्वच्छ यमुना अभियान में सक्रिय दिखे त्रिलोकपुरी विधायक रविकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में यमुना को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने के उद्देश्य से चिल्ला गांव स्थित यमुना तट पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, स्वयंसेवकों, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर श्रमदान किया। त्रिलोकपुरी विधायक रविकांत ने अभियान में सहभागिता करते हुए कहा कि स्वच्छ यमुना और समृद्ध दिल्ली ही सभी का संकल्प है। उन्होंने कहा कि यमुना केवल एक नदी नहीं, बल्कि देश की आस्था, संस्कृति और सभ्यता की जीवनधारा है। इसलिए इसकी स्वच्छता केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व भी है। रविकांत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए स्वच्छता संबंधी संकल्पों को जनभागीदारी के माध्यम से साकार किया जा सकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे न स्वयं गंदगी करें और न ही किसी अन्य को ऐसा करने दें, ताकि यमुना को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषणमुक्त बनाया जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि यमुना दिल्ली की स्मृति, संस्कृति और जीवनधारा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार यमुना को निर्मल बनाने के लिए वैज्ञानिक, स्थायी और व्यापक स्तर पर निरंतर कार्य कर रही है तथा स्वच्छ घाट इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। रेखा गुप्ता ने अभियान से जुड़े सभी स्वयंसेवकों और नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए दिल्ली के प्रत्येक परिवार से यमुना स्वच्छता अभियान से जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ यमुना उपलब्ध कराना वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी और विरासत दोनों है। इस अवसर पर पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट अमोल श्रीवास्तव, त्रिलोकपुरी विधानसभा प्रभारी सुनील गुप्ता, विधानसभा संयोजक जीतेन्द्र डेडा, विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अभियान के दौरान उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से यमुना की स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लेते हुए कहा कि स्वच्छ यमुना से ही स्वस्थ दिल्ली और सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

'मन की बात' कार्यक्रम सुनने पहुंचे त्रिलोकपुरी विधायक रविकांत, प्रधानमंत्री के विचारों को बताया प्रेरणादायी

नई दिल्ली, एजेंसी। त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक 3 में पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश कश्यप के निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में त्रिलोकपुरी विधायक रविकांत ने कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ भाग लिया। इस अवसर पर त्रिलोकपुरी मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार सुंदर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत सभी ने सहभोज में भी सहभागिता की। विधायक रविकांत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी विचार समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए निरंतर प्रेरित करता है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सामरिक, तकनीकी और सांस्कृतिक उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है और इसी माह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित स्वदेशी दीर्घ दूरी भू-आक्रमण प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण किया गया है। प्रधानमंत्री ने विमानन क्षेत्र में देश की उपलब्धियों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि 'मेड इन इंडिया' अभियान के अंतर्गत निर्मित सी-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी की है। वर्तमान में ऐसे 40 विमान देश में ही तैयार किए जा रहे हैं। योग के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख

यमुना तट पर चला सामूहिक स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार की नमामि गंगे योजना और यमुना टास्क फोर्स ने फ्रेंड्स ऑफ यमुना फाउंडेशन के स्वच्छता प्रमुख परविंदर मिश्रा की अध्यक्षता में यमुना तट पर मां यमुना सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान यमुना को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए जनजागरण भी किया गया।

इस अवसर पर यमुना टास्क फोर्स के सूबेदार महेंद्र रमोला ने कहा कि जनभागीदारी के बिना यमुना को स्वच्छ और निर्मल नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने दिल्लीवासियों से इस अभियान में सहयोग करने का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही यमुना को उसके प्राचीन स्वरूप में लौटाया जा सकता है। यमुना बाबा अशोक उपाध्याय ने कहा कि पूजा-पाठ के नाम पर यमुना में डाली जाने वाली सामग्री भी प्रदूषण का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने लोगों से अपील की कि धार्मिक आस्था के नाम पर ऐसी वस्तुएं यमुना में प्रवाहित न करें, जिससे नदी प्रदूषित होती हो। स्वच्छता प्रमुख एवं यमुना सेवक परविंदर मिश्रा ने कहा कि यमुना दिल्लीवासियों की जीवनदायिनी है, क्योंकि राजधानी के पेयजल का बड़ा हिस्सा यमुना से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि गलत नीतियों और लोगों की असावधानी के कारण यमुना लगातार प्रदूषित हो रही है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को यमुना के प्रति संवेदनशील बनाना और नदी को प्रदूषित होने से बचाने के लिए जागरूक करना है। पूर्वी दिल्ली आपदा प्रहरी की अध्यक्ष सीमा शर्मा ने कहा कि सरकार को नदियों से संबंधित नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए, जिससे देश की नदियां पुनः स्वच्छ और निर्मल बन सकें। विक्टोरियश फाउंडेशन से राघव चौधरी ने विशेष रूप से युवाओं से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही मां यमुना को निर्मल बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री जी के संकल्प को धरती पर उतारने को प्रतिबद्ध है दिल्ली सरकार: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को राजधानी के विभिन्न स्थानों पर आयोजित तीन विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में शामिल हुईं। यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन, विकास और जनकल्याण के 12 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने विकास और जनहितैषी योजनाओं में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बिना किसी अवकाश के निरंतर राष्ट्रसेवा करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर एक नई और सुदृढ़ पहचान दिलाई है।

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग विधानसभा स्थित पीतमपुरा, शकूरबस्ती विधानसभा के वेस्ट एन्क्लेव और मुस्तफाबाद विधानसभा के महालक्ष्मी विहार में भी विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में भागीदारी की। पीतमपुरा में उन्होंने जनप्रतिनिधियों, कार्यकताओं और भारी संख्या में उपस्थित नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री जी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का भी श्रवण किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सम्मेलनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश डिजिटल इंडिया, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, रेलवे, एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट, रक्षा उत्पादन, पारदर्शी शासन और डीबीटी जैसे अनेक क्षेत्रों में भी अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है।

विकसित भारत प्रबुद्ध सम्मेलन में विकसित राष्ट्र के संकल्प पर हुआ मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कुंडली विधानसभा क्षेत्र में "विकसित भारत प्रबुद्ध सम्मेलन" का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया।

न्यू अशोक नगर के निगम पार्षद संजीव सिंह ने सम्मेलन में सहभागिता करते हुए कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह आयोजन एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों का कार्यकाल सेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित रहा है, जिसके परिणामस्वरूप देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विकसित भारत के निर्माण में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता को आवश्यक बताते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया।

संत कबीर दास जी के नाम पर प्रतियोगिताएं एवं पुरस्कार शुरू करेगी दिल्ली सरकार : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। संत कबीर दास जी के प्रकटोत्सव के अवसर पर दिल्ली सरकार के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा एक भव्य राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर भारत सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा, दिल्ली सरकार के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह, विधायक श्रीमती नीलम पहलवान सहित जनप्रतिनिधि, संत समाज, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, विद्वान, वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली भारत की विविधता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को आत्मसात करते हुए दिल्ली सरकार बिना किसी भेदभाव के समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है तथा जनसेवा को ही अपना सर्वोच्च दायित्व मानती है। संत कबीर दास जी के प्रकटोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री ने उनके जीवन और विचारों को सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का कालजयी संदेश बताते हुए कहा कि आज भी उनके दोहे और शिक्षाएँ समाज को सही दिशा प्रदान करती हैं।

बुराड़ी प्रीमियर लीग में पहुंचे देवेन्द्र यादव, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने करावल नगर जिला कांग्रेस की ओर से आयोजित बुराड़ी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर खिलाड़ियों और युवाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देवेन्द्र यादव ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ये अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवनशैली का भी संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ना समाज और देश के बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा युवाओं की प्रतिभा को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के पक्ष में रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी पार्टी खेलों तथा सामाजिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने और अपने कौशल को निरंतर निखारने का आह्वान किया।

दिल्ली में सजी उत्तराखंडी लोकभाषा पाठशाला

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखण्ड लोक भाषा साहित्य मंच एवं डीपीएमआई के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन लोकभाषा पाठशाला में प्रवासी उत्तराखण्डी परिवारों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पाठशाला का उद्देश्य नई पीढ़ी को गढ़वाली, कुमाऊनी और जौनसारी जैसी मातृभाषाओं से जोड़कर उनकी सांस्कृतिक एवं बौद्धिक समझ को समृद्ध करना है। दिल्ली के बुराड़ी स्थित शास्त्री पार्क एक्सटेंशन में आयोजित पाठशाला में रविवार को भीषण गर्मी और उमस के बावजूद बच्चों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। बच्चों ने लोकभाषाओं को सीखने, बोलने और उनसे जुड़े सांस्कृतिक ज्ञान को आत्मसात करने में विशेष रुचि दिखाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भैरव दत्त पंचोली, भोजराज भट्ट और उमराव सिंह नेगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन केंद्र प्रमुख गिरीश सत्यवली ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी एवं लोकगायक कृपाल उप्रेती तथा वरिष्ठ साहित्यकार कन्हैया प्रसाद पसबोला की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर कृपाल उप्रेती ने लोकगीतों के माध्यम से बच्चों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया, जबकि कन्हैया प्रसाद पसबोला ने साहित्य और रोचक प्रस्तुतियों के जरिए बच्चों को लोकभाषा और सामान्य ज्ञान से अवगत कराया।

'मन की बात' राष्ट्र निर्माण के लिए जनभागीदारी का सशक्त माध्यम : प्रवेश वाही

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने रविवार को रोहिणी सेक्टर-8 स्थित वरिष्ठ नागरिक केंद्र में नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण का सामूहिक रूप से श्रवण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत प्रवेश वाही ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को जोड़ने वाला एक जनआंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने प्रेरणादायी विचारों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन, जनभागीदारी, सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों का निरंतर मार्गदर्शन कर रहे हैं। महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार प्रत्येक नागरिक को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, सामाजिक उत्तरदायित्व, नवाचार और सामुदायिक सहभागिता जैसे विषय विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एक नजर

दिल्ली मेट्रो को वैश्विक सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम को सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। निगम को अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक परिवहन संघ द्वारा परिचालन उत्कृष्टता श्रेणी में उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दिल्ली मेट्रो को यह सम्मान यात्रियों के लिए विकसित की गई स्मार्ट घर-से-गंतव्य यात्रा सेवा के लिए प्रदान किया गया है। इस सेवा के माध्यम से यात्रियों को प्रथम और अंतिम पड़ाव संपर्क, वास्तविक समय की जानकारी तथा निर्बाध टिकट व्यवस्था जैसी सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध हो रही हैं। निगम का कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित 'सारथी' अनुप्रयोग यात्रियों को पूरी यात्रा की योजना बनाने और एकीकृत किराया भुगतान की सुविधा प्रदान करता है, जिससे यात्रा अधिक सरल और सुविधाजनक बनी है। यह सम्मान समारोह 23 जून को बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में आयोजित किया गया, जहां निदेशक परिचालन एवं सेवाएं डॉ. अमित कुमार जैन तथा अतिरिक्त महाप्रबंधक परिचालन रजनीश राणा ने पुरस्कार प्राप्त किया।

आईपी यूनिवर्सिटी के एमपीओ प्रोग्राम की ऑफलाइन काउंसलिंग 1 जुलाई को

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपी यूनिवर्सिटी के एमपीओ प्रोग्राम में दाखिले के लिए पहली ऑफलाइन काउंसलिंग 1 जुलाई को द्वारका कैंपस में आयोजित की जाएगी। उसी दिन आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के उपरांत मेरिट के आधार पर सीटों का भीआवंटन कर दिया जाएगा। इस प्रोग्राम के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा के सभी सफल उम्मीदवार इस काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। काउंसलिंग के दिन यूनिवर्सिटी कुलसचिव के नाम से निर्गत 96 हजार रुपये का बैंक ड्राफ्ट, चार पासपोर्ट आकार के फोटो, सीईटी का एडमिट कार्ड और रैंक कार्ड, ऑनलाइन भरा हुआ फार्म,जन्म तिथि का प्रमाण पत्र, इत्यादि साथ लाना हैं। अन्यथा 109 कोड वाले इस प्रोग्राम की काउंसलिंग के बाद आवंटित सीट 7 जुलाई तक निरस्त किए जा सकते हैं। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी से संबद्ध आईएसआईसी इंस्टिट्यूट में 8 सीटें उपलब्ध है। इस काउंसलिंग में भाग लेने के इच्छुक सभी आवेदक इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://www.ipu.ac.in और http://www.ipu.admissions.nic.in देख सकते हैं।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 3.2 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने इसकी जानकारी दी। मौसम विभाग ने बादल छाए रहने और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। इसी के साथ अधिकतम तापमान करीब 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। सुबह साढ़े आठ सापेक्ष आर्द्रता 56 प्रतिशत दर्ज की गई।

समीर ऐप के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 157 दर्ज किया गया जो मध्यम श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के मानकों के मुताबिक, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर माना जाता है।

चारों निहंग सिंहों को मिली जमानत, दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने जताया आभार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली जिले के कर्णप्रयाग में गिरफ्तार किए गए चारों निहंग सिंहों को जमानत मिल गई है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने इसे सामूहिक प्रयासों की सफलता बताते हुए सहयोग करने वाली संगत और सभी संबंधित पक्षों का आभार व्यक्त किया। जमानत मिलने के बाद जगदीप सिंह काहलों चारों निहंग सिंहों को साथ लेकर ऐतिहासिक गुरुद्वारा पांवटा साहिब में नतमस्तक हुए। इस दौरान भाई अजयपाल सिंह, भाई जशनप्रीत सिंह और भाई सतविंदर सिंह उनके साथ उपस्थित रहे, जबकि भाई मनप्रीत सिंह ऋषिकेश स्थित चिकित्सालय में उपचाराधीन हैं। हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने मामले की कानूनी पैरवी शुरू कर दी थी। कमेटी का एक प्रतिनिधिमंडल उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ से भी मिला था तथा निहंग सिंहों की शीघ्र रिहाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों का समाधान सामूहिक प्रयासों और समाज की एकजुटता से ही संभव है। कमेटी भविष्य में भी सिख समाज के किसी भी सदस्य के साथ अन्याय या भेदभाव की स्थिति में मजबूती से उसके साथ खड़ी रहेगी। कमेटी पदाधिकारियों ने इस मामले के समाधान में सहयोग देने के लिए उत्तराखंड सरकार, पुलिस प्रशासन, देहरादून और हरिद्वार की संगत सहित सभी सहयोगियों का धन्यवाद व्यक्त किया। गुरुद्वारा पांवटा साहिब पहुंचने पर निहंग सिंह संप्रदाय के प्रतिनिधियों ने भी उनका स्वागत किया।

नितिन नवीन के साथ हर्ष मल्होत्रा ने सुना प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 135वें संस्करण को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारियों तथा पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यालय के कर्मचारियों के साथ सुना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख एवं सांसद अनिल बलूनी तथा सह मीडिया प्रमुख संजय मयूख भी उपस्थित रहे। वहीं, राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद तरुण चुघ ने ईस्ट पटेल नगर में स्थानीय नागरिकों, आवासीय कल्याण संघ के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ कार्यक्रम सुना। सांसद मनोज तिवारी ने नवीन शाहदरा में विधायक जितेन्द्र महाजन एवं जिला अध्यक्ष मास्टर विनोद के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की, जबकि सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने एक विशेष आयोजन में गणमान्य लोगों के साथ 'मन की बात' सुनी। संगठन महामंत्री पवन राणा, सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, वीरेन्द्र सचदेवा, सतीश उपाध्याय तथा राजन तिवारी सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने भी विभिन्न स्थानों पर कार्यकताओं एवं नागरिकों के साथ कार्यक्रम सुना।

बसपा का बढ़ता जनाधार, अयोध्या में दर्जनों साथियों ने थामा बहुजन समाज पार्टी का दामन

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेशः बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांगठनिक विस्तार और कारवां को आज उस समय बड़ी मजबूती मिली, जब धार्मिक और राजनैतिक नगरी अयोध्या में दर्जनों सामाजिक कार्यकताओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की आज दिनांक 25 जून 2026 को अयोध्या स्थित निजी आवास पर आयोजित एक विशेष सांगठनिक बैठक के दौरान यह महत्वपूर्ण सदस्यता अभियान संपन्न हुआ यह पूरा कार्यक्रम जनपद अयोध्या के सम्मानित वरिष्ठ साथी श्री वंशराज पाल जी एवं श्री मनतराम जी (प्रधान) की संयुक्त अगुवाई में आयोजित किया गया, जिनके

नेतृत्व में दर्जनों साथियों ने बसपा परिवार में शामिल होने का निर्णय लिया।

इस गरिमामयी अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों से आए प्रमुख चेहरों–श्री दीपांशु जी, सूफियान जी, मोहम्मद कलाम जी, मोहम्मद मुस्लिम जी, मोहम्मद रिहान जी एवं मोहम्मद चांद हुसैन जी सहित अनेक साथियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी की सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय की नीतियों और बसपा की विचारधारा में अपनी गहरी आस्था व्यक्त की सभी नवागंतुक साथियों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करते हुए समाज की मजबूती के लिए काम करने का संकल्प लिया। पार्टी में शामिल हुए सभी सम्मानित साथियों का बहुजन समाज पार्टी परिवार में माल्यार्पण कर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया इस अवसर पर वरिष्ठ साथियों ने आशा व्यक्त की कि ये सभी नए साथी बहुजन समाज के मान-सम्मान, सामाजिक न्याय, हक-अधिकारों की रक्षा और आपसी भाईचारे के मिशन को गांव-गांव तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक दीपक ने की बैठक, पुलिस-व्यापारी समन्वय होगा और मजबूत

मेनपाल

हरियाणाः पुलिस अधीक्षक दीपक ने सिटी थाना क्षेत्र के व्यापारियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक का उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं को सुनना, उनकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर चर्चा करना तथा पुलिस-व्यापारी समन्वय को और मजबूत बनाना रहा। बैठक के दौरान व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक दीपक का सम्मान कर उनका स्वागत किया तथा पुलिस द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों को पुलिस प्रशासन के समक्ष रखा, जिन्हें पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता से सुना। पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा पुलिस की

प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की समस्या या आपात स्थिति में पुलिस द्वारा सहयोग एवं

सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और व्यापारियों के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय से अपराध नियंत्रण तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सकता है।

बैठक के दौरान व्यापारियों ने भी पुलिस प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया तथा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए मिलकर कार्य करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें पुलिस अधिकारियों एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों ने आपसी सहयोग और विश्वास को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

BSP को मिला शाक्य समाज का साथ, अभियान को मिली मजबूती

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेशः इटावा के बहुजन समाज पार्टी BSP की जनहितैषी नीतियों और सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय की विचारधारा से प्रेरित होकर इटावा में पार्टी का कुनबा और मजबूत हो गया है। शाक्य समाज के दिग्गज नेता और पूर्व बीडीसी (BDC) सदस्य श्यामवीर शाक्य जी ने अपने अनेक साथियों के साथ बहुजन समाज पार्टी का दामन थाम लिया हैपार्टी कार्यालय पर आयोजित एक सादे और गरिमापूर्ण समारोह में शाक्य समाज के कई अन्य प्रमुख लोगों ने भी बहुजन समाज पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की।

वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दिलाई सदस्यता

पार्टी में शामिल हुए सभी नए साथियों का बसपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया इस दौरान मुख्य रूप से भाईचारा कमेटी, इरढ जिला इटावा के श्री प्रबल प्रताप शाक्य जी जिला संयोजक, ओबीसी और श्री बी. पी. सिंह जाटव जी जिला संयोजक उपस्थित रहे, जिन्होंने सभी को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

25 हजार के इनामी आरोपी सुरकेश शर्मा समेत तीन हुए गिरफ्तार, लंबे समय से था फरार

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः बरेली थाना भमोरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये के इनामी और लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी सुरकेश शर्मा को उसके दो साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर संगठित गिरोह बनाकर अवैध वसूली, धमकी और अन्य गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। पुलिस के मुताबिक ग्राम चांदपुर निवासी अंकुर मिश्रा उर्फ प्रभात मिश्रा ने 18 जून को थाना भमोरा में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि सुरकेश शर्मा और उसके साथी लोगों को डराकर अवैध वसूली करते हैं। आरोप है कि आरोपियों ने वादी को फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर तीन लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। रकम नहीं देने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था। इस मामले में थाना भमोरा में मुकदमा संख्या 277/26 दर्ज किया गया था। शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरकेश शर्मा, उसकी पत्नी कृतिका शर्मा और साथी ओमवीर को गिरफ्तार कर

लिया।

पुलिस के अनुसार सुरकेश शर्मा वर्ष 2023 में दर्ज एक गंभीर मामले, जिसमें सामूहिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट की धाराएं शामिल थीं, में करीब तीन वर्षों से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर पहले 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था, जिसे बाद में बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दिया गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ न्यायालय से उद्घोषणा और कुर्की के आदेश भी जारी हो चुके थे, लेकिन वह लगातार गिरफ्तारी से बचता रहा। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास, धमकी, मारपीट और महिला उत्पीड़न समेत कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। उसके आपराधिक इतिहास को देखते हुए हाल ही में उसकी हिस्ट्रीशीट भी खोली गई थी। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक नजर

जावद में विपक्ष की सक्रिय आवाज बने पंकज तिवारी, जनहित के मुद्दों पर लगातार मुखर

ख्वाजा हुसैन/मध्य प्रदेशः जावद तहसील में कांग्रेस नेता पंकज तिवारी लगातार जनहित के मुद्दों को लेकर सक्रिय नजर आ रहे हैं। क्षेत्र में किसी सरपंच की समस्या हो, जनपद अध्यक्ष का मामला हो, किसी राजनीतिक दल क कार्यकर्ता की परेशानी हो या फिर आम नागरिक की शिकायत–पंकज तिवारी हर वर्ग की आवाज उठाने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि जावद क्षेत्र में विपक्ष की भूमिका जिस मजबूती और सक्रियता से निभाई जानी चाहिए, वह भूमिका वर्तमान समय में पंकज तिवारी निभाते दिखाई दे रहे हैं। जनसमस्याओं को प्रशासन के सामने उठाना, पीड़ितों के साथ खड़ा रहना और उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ना उनकी कार्यशैली की पहचान बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पंकज तिवारी बिना किसी भेदभाव के हर जरूरतमंद की मदद के लिए आगे आते हैं और जनहित के मुद्दों पर लगातार आवाज बुलंद कर रहे हैं। इसी कारण वे क्षेत्र में एक सक्रिय और संघर्षशील जननेता के रूप में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।

नंदगंज में राजस्व टीम पर पथराव मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

रामकेश विश्वकर्मा/उत्तर प्रदेशः राजस्व विभाग की टीम गुरुवार को पोखरी पर हुए अतिक्रमण को हटाने और लगाए गए पिलरों को उखाड़ने की कार्रवाई करने पहुंची थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए राजस्व टीम पर पथराव कर दिया। घटना में लेखपाल अनिल प्रजापति ईंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने छह नामजद और 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने वाराणसी हाईवे स्थित सहेड़ी कट के पास से मामले में नामजद पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वीरेंद्र बिंद, मोनू बिंद पुत्र रमेश बिंद, राजू बिंद पुत्र मुसाफिर बिंद तथा उपेंद्र बिंद और जामवंत बिंद पुत्र प्रभुनाथ बिंद, निवासी सहेड़ी के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष अतुल मिश्र ने बताया कि लेखपाल से मारपीट और राजस्व टीम पर पथराव के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। गाजीपुर में राजस्व और पुलिस विभाग शासन प्रशासन के आदेशों का अनुपालन बहुत ही सब तरीके से कर रहे हैं।

टी.एस. कॉलेज हिसुआ में नए विभागाध्यक्ष नियुक्त, डॉ. सुनील दुबे और डॉ. पियूष मणि त्रिपाठी को मिली जिम्मेदारी

संजय कुमार वर्मा/बिहारः मगध विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई टी.एस. कॉलेज हिसुआ में हिंदी एवं राजनीति विज्ञान विभाग के नए विभागाध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पवन कुमार शर्मा ने बुधवार को अधिसूचना जारी कर हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक सह एनसीसी पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार दुबे को हिंदी विभाग का विभागाध्यक्ष तथा राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. पियूष मणि त्रिपाठी को राजनीति विज्ञान विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया। बताया गया कि मगध विश्वविद्यालय, बोधगया द्वारा जारी अधिसूचना के तहत राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश पासवान का प्रतिनियुक्ति राजकीय डिग्री महाविद्यालय, काशीचक तथा हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. परमानंद राम का प्रतिनियुक्ति राजकीय डिग्री महाविद्यालय, बथानी में किए जाने के बाद यह नई नियुक्तियां की गई हैं। प्राचार्य प्रो. पवन कुमार शर्मा ने दोनों नव-नियुक्त विभागाध्यक्षों को बधाई देते हुए छात्रहित में ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। नियुक्ति के बाद महाविद्यालय के वितेक्षक डॉ. स्वर्गेश कुमार, वरीय शिक्षक डॉ. भोला शंकर कुमार सहित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने दोनों विभागाध्यक्षों को शुभकामनाएं दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद की शान में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में AIMM ने एसएसपी बरेली को सौंपा ज्ञापन

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस पार्टी (AIMM) ने नाजिया इलाही खान द्वारा पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शान में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली को ज्ञापन सौंपकर तत्काल एफआईआर दर्ज करने एवं कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री मुख्तार अहमद की ओर से सौंपा गया। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि किसी भी धर्म के पूजनीय व्यक्तित्वों के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग समाज में तनाव एवं अशांति पैदा कर सकता है। इसलिए ऐसे मामलों में प्रशासन को निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए।

धार्मिक भावनाओं का सम्मान जरूरीः एडवोकेट वसी अहमद ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट वसी अहमद ने कहा कि भारत सभी धर्मों और

आस्थाओं का सम्मान करने वाला देश है। किसी भी धर्म के महापुरुषों अथवा धार्मिक व्यक्तित्वों के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करना सामाजिक सौहार्द के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। प्रशासन को मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कानून के अनुसार हो तत्काल कार्रवाईः मुख्तार अहमद प्रदेश संगठन मंत्री मुख्तार अहमद ने कहा कि नाजिया इलाही खान द्वारा की गई टिप्पणी से मुस्लिम समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि प्रकरण में तत्काल एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि समाज में शांति और भाईचारा बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट वसी अहमद, प्रदेश संगठन मंत्री मुख्तार अहमद, जिला अध्यक्ष अतीक करम इदरीसी, विधानसभा फरीदपुर प्रत्याशी दीपेश भारती, मंडल प्रवक्ता एवं जिला महासचिव एडवोकेट अकील उद्दीन सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम बेनीपुर में विधायक विवेक वर्मा का ग्रामीणों ने किया स्वागत

भरत मौर्य

उत्तर प्रदेशः ब्रेकिंग न्यूज पीलीभीत उत्तर प्रदेश तहसील बीसलपुर ग्राम बेनीपुर मैं विवेक वर्मा विधायक जी का जनता ने स्वागत किया है। और रात्रि बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में फूल माला से अधिकारियों का स्वागत किया गया है और अधिकारी ने बताया कि अपनी आवाज उठाओ और सरकार से अपना हक मांगने में कोई भी समस्या नहीं है। कुछ समस्याएं ऐसे भी हैं की ब्लैक बरखेड़ा में प्रधानों की सचिव मिला भगत कम होता है और सरकारी अधिकारी कहते हैं सरकार से लाभ लीजिए सरकार आप सबकी है। गरीबों से कोई बात नहीं करना चाहता मदद करना नहीं चाहता है।

विद्युत विभाग अधिकारी क्षेत्र में लाइट की समस्या है। कभी भी समय से लाइट नहीं आती। ग्रामीण लोगों का कहना है। बच्चों वाला राशन नहीं आता है दो तीन महीने हो जाते हैं । समय से कोई कार्य नहीं होता है। हर प्रधान अपने छल कपट से कार्य करते हैं।

हाफिजनगर बन्नाही के प्राचीन शिव मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद का आनंद

भरत मौर्य

उत्तर प्रदेशः पीलीभीत जनपद के हाफिजनगर बन्नाही स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ लिया। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। भक्तजन पूरे उत्साह के साथ भंडारे की सेवा में जुटे रहे। कोई प्रसाद वितरण कर रहा था तो कोई श्रद्धालुओं के बैठने और पानी की व्यवस्था संभाल रहा था। मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था, जिससे धार्मिक आयोजन की भव्यता और बढ़ गई। दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान भोलेनाथ की भक्ति में लीन श्रद्धालु झूमते नजर आए। प्रसाद वितरण के दौरान भक्तों में विशेष उत्साह देखने

को मिला। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, भाईचारा और एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि शिव मंदिर की प्राचीन मान्यता होने के कारण यहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की प्रार्थना करते हैं। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला पंचायत सदस्य राम प्रताप गंगवार और लाल गंगवार भी मौजूद रहे। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं का सम्मान करते हुए आयोजन की सफलता पर शुभकामनाएं दीं। राम प्रताप गंगवार ने कहा कि यह विशाल भंडारा भगवान महादेव की कृपा से आयोजित हो रहा है और इस प्राचीन शिव मंदिर की धार्मिक मान्यता क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और लोगों की आस्था इस मंदिर से गहराई से जुड़ी हुई है। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग, श्रद्धालु एवं युवा मौजूद रहे। पूरे आयोजन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

क्रेन की टक्कर से रुद्रेश्वर महादेव मंदिर क्षतिग्रस्त, घटना के बाद श्रद्धालुओं में दिखा आक्रोश

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः मिजार्पुर में जनपद के विंध्याचल थाना क्षेत्र स्थित अमरावती चौराहा से विंध्याचल धाम जाने वाले मार्ग पर शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। करीब 12:30 बजे एक क्रेन को बैक करते समय चालक की कथित लापरवाही से रुद्रेश्वर महादेव मंदिर की दीवार में जोरदार टक्कर लग गई, जिससे मंदिर का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय मंदिर के भीतर तीन बच्चे पूजा कर रहे थे। अचानक तेज धमाके की आवाज सुनकर बच्चे घबराकर बाहर की ओर भागे और सदमे के कारण बेहोश हो गए। राहत की बात यह रही कि मंदिर में स्थापित भगवान शिव सहित सभी देवी-देवताओं की मूर्तियां पूरी तरह सुरक्षित रहीं तथा इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि

क्रेन चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। चालक की पहचान सुचित सिंह पुत्र गुलाब सिंह, निवासी देवरी दुबार कलां, थाना लालगंज, जनपद मिजार्पुर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी नगर एवं विंध्याचल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर क्रेन और चालक को हिरासत में लेते हुए अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। मंदिर क्षतिग्रस्त होने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। लोगों ने दोषी चालक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा रुद्रेश्वर महादेव मंदिर के शीघ्र पुनर्निर्माण की मांग उठाई। उनका कहना है कि यह मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है, इसलिए इसकी मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर कराई जानी चाहिए। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी नगर ने लोगों को आश्वस्त किया कि मंदिर के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू कराई जाएगी। पुलिस प्रशासन स्थानीय नागरिकों से लगातार संवाद बनाए हुए है और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

जरूरतमंदों के इलाज और मकान की व्यवस्था कराएगी सरकार : सीएम योगी

लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

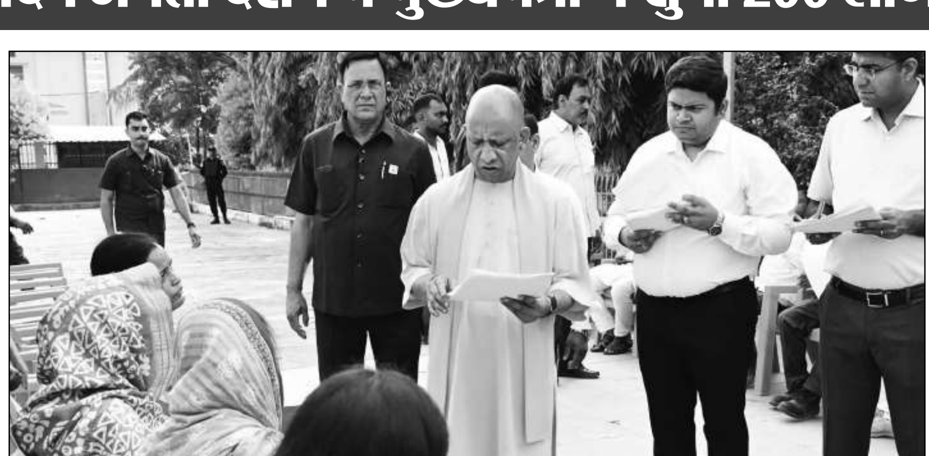

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय भरोसा दिया।

साथ ही कहा कि जरूरतमंदों के इलाज और मकान की व्यवस्था सरकार कराएगी। गोरखनाथ मंदिर में शनिवार सुबह आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और प्रभावी होना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं पर संवेदनशीलता दिखाएं। जनता दर्शन में एक महिला ने सीएम योगी से कहा कि उनके पास रहने के लिए अपना मकान नहीं है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। एम्स दिल्ली में इलाज करा रही महिला को सीएम ने राहत कोष से आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। एक अन्य महिला की इलाज संबंधी समस्या सुनने के बाद उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके इलाज की व्यवस्था गोरखपुर एम्स या बीआरडी मेडिकल कॉलेज में की जाए।

विनीत राय हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई, साजिश के आरोपी रविशंकर पांडे को किया गिरफ्तार

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः जनपद गाजीपुर के चर्चित विनीत राय हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या की साजिश से जुड़े एक अहम आरोपी रविशंकर उर्फ रविशेखर पांडे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रविशंकर इस मामले के मुख्य आरोपी शंकर पांडे का पिता है। पुलिस के मुताबिक जांच में उसके खिलाफ साक्ष्य मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। कोतवाली थाना में दर्ज मुकदमा संख्या 0365/2026 की विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने गुरुवार को 56 वर्षीय रविशंकर पांडे को गाजीपुर रेलवे स्टेशन के पूर्वी छोर से गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जारही है। पुलिस का मानना है कि उससे मिली जानकारी के आधार पर हत्या की साजिश और उससे जुड़े अन्य फरार आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 29 मई 2026 को हुई विनीत राय की हत्या के बाद से लगातार आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में रविशंकर पांडे का नाम भी जांच में सामने आया। उसकी गिरफ्तारी को इस हाई-प्रोफाइल हत्याकांड की जांच में महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है।

15 साल काट चुका है जेल

जांच में यह भी सामने आया है कि रविशंकर पांडे का आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक वह पश्चिम बंगाल की दमदम सेंट्रल जेल में एनडीपीएसएक्ट के तहत 15 वर्ष की सजा काट चुका है। जनवरी 2024 में जेल से रिहा होने के बाद अब उसका नाम विनीत राय हत्याकांड में सामने आया है। कोतवाली प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मामले की आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है। और शासन प्रशासन के आदेशों का अनुपालन कर रही है गाजीपुर की पुलिस आए दिन अपराधियों को पकड़ा जा रहा है

जीआई टैग से बनारस के लौंगलता को मिली नई पहचान, डिमांड के साथ बढ़े रोजगार के अवसर

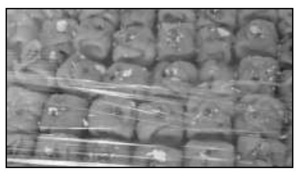

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार की एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) और जीआई टैग पहल का सकारात्मक प्रभाव अब बनारस की पारंपरिक मिठाई लौंगलता के कारोबार पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। जीआई टैग मिलने के बाद इस पारंपरिक मिठाई को नई पहचान मिली है, जिससे इसकी मांग लगातार बढ़ रही है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में भी इजाफा हुआ है। लौंगलता व्यवसाय से जुड़े अमोद कुमार सिंह ने बताया कि सरकार की पहल से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिल रही है। उन्होंने कहा कि ओडीओपी योजना के तहत प्रत्येक जिले की पारंपरिक और विशिष्ट पहचान को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसमें वाराणसी की प्रसिद्ध लौंगलता भी शामिल है। इससे छोटे व्यापारियों और कारीगरों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशासन समय-समय पर प्रशिक्षण शिविर और गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम आयोजित करता है, जिससे उत्पाद की गुणवत्ता और पैकेजिंग में निरंतर सुधार हो रहा है। एक उत्कृष्ट गुणवत्ता की लौंगलता तैयार करने में लगभग सात से आठ कारीगरों की मेहनत लगती है। वर्तमान में उनकी दुकान पर प्रतिदिन करीब 100 से 150 किलोग्राम लौंगलता की बिक्री हो रही है, जिससे कई परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। अमोद कुमार सिंह ने कहा कि सरकार की योजनाओं ने छोटे कारोबारियों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। उनका मानना है कि जीआई टैग और ओडीओपी जैसी पहल से बनारस की पारंपरिक मिठाइयों को नई पहचान मिली है, जिससे कारोबार में लगातार वृद्धि हो रही है और स्थानीय कारीगरों को स्थायी रोजगार भी मिल रहा है।

ग्रेटर नोएडा में मोबाइल चोरी गिरोह का भंडाफोड़

50 लाख रुपये के 100 iQ00 फोन बरामद

नरेंदर

उत्तर प्रदेशः थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के 100 आईक्यूओओ (iQOO) मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई जा रही है, बरामद किए हैं। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त फर्जी नंबर प्लेट लगी महिंद्रा पिकअप गाड़ी तथा अवैध शस्त्र भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी संगठित तरीके से मोबाइल फोन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। गिरोह चोरी किए गए महंगे मोबाइल फोन को विभिन्न राज्यों में कम कीमत पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाता था। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उनके कब्जे से बड़ी संख्या में मोबाइल फोन बरामद किए, जिससे कई चोरी की घटनाओं के खुलासे की संभावना जताई जा रही है।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी वारदात को अंजाम देने के लिए फर्जी नंबर प्लेट लगी महिंद्रा पिकअप का इस्तेमाल करते थे, ताकि पुलिस और अन्य एजेंसियों की नजर से बच सकें। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर सीज कर दिया है। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से अवैध हथियार भी बरामद हुए हैं, जिसके संबंध में अलग से कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना नॉलेज पार्क पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। साथ ही बरामद मोबाइल फोन के वास्तविक मालिकों की पहचान कर उन्हें वापस दिलाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह का अभियान जारी रहेगा ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सके और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

एक नजर

महिला आरक्षण लागू कराने के लिए कांग्रेस चलाएगी पोस्टकार्ड अभियान

शाहजहांपुर, एजेंसी। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुधा प्रसाद ने कहा कि केंद्र सरकार महिला आरक्षण लागू करने में देरी कर रही है। इसे लागू कराने के लिए महिला कांग्रेस पोस्टकार्ड अभियान चलाएगी। इस दौरान राष्ट्रीय सचिव ने कार्यकताओं को अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया। कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए डॉ.सुधा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर प्रत्येक जिले में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर महिलाओं को जागरूक किया जाएगा। डॉ. प्रसाद ने कहा कि यदि सरकार जल्द महिला आरक्षण लागू नहीं करती है तो देशभर की महिलाएं सड़क पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेंगी। सीटों की संख्या बढ़ाने या परिसीमन का बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने नीट का पेपर लीक होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं से देश का युवा वर्ग हतोत्साहित हो रहा है। जिलाध्यक्ष अर्चना कटारिया ने कहा कि पोस्टकार्ड अभियान में भी जिले की बड़ी भागीदारी रहेगी। इस मौके पर तनवीर सफदर खां, फुरकान अहमद कुरैशी आदि मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में युवक पर हमला, केस दर्ज

गोरखपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के ग्राम धर्मपुर टोला भौराबारी में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार नामजद समेत 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित मंजीत सहानी के अनुसार, शुक्रवार रात दुकान बंद करने के बाद वह पुलिया के पास बैठा था। तभी बैदुल्ला अंसारी, अजय गौड़, अनीश गौड़, अश्वनी उर्फ विक्की और 10 अज्ञात लोग लाठी-डंडों से लैस होकर पहुंचे और हमला कर दिया। मारपीट में वह घायल हो गया। ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

थाना समाधान दिवस में 319 शिकायतें पहुंचीं, कई मामलों का मौके पर निस्तारण

मीरजापुर, एजेंसी। शासन के निर्देश पर शनिवार को जनपद के सभी थानों में थाना समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस और राजस्व अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया। शेष प्रकरणों के समाधान के लिए पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों को मौके पर भेजा गया। मंडलायुक्त राजेश प्रकाश और पुलिस उपमहानिरीक्षक पूनम ने कोतवाली देहात में, जबकि जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार एवं पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने कछवां थाने में जनसुनवाई कर अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावा विभिन्न उप जिलाधिकारियों और नायब तहसीलदारों ने भी संबंधित थानों पर पहुंचकर शिकायतों की सुनवाई की। जनपद के 18 थानों में कुल 319 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 51 मामलों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सर्वाधिक 66 शिकायतें जिगना थाने में प्राप्त हुईं, जबकि कछवां में 30, कोतवाली देहात में 27, लालगंज में 25 और अहरौरा व संतनगर में 18-18 प्रार्थना पत्र मिले। शेष मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

पंजीकरण मॉड्यूल के विरोध में वकीलों का आंदोलन 16वें दिन भी जारी

जलालाबाद, एजेंसी। बार एसोसिएशन, दस्तावेज लेखक संघ एवं स्टाम्प विक्रेता संघ ने पंजीकरण विभाग के प्रस्तावित मॉड्यूल के क्रियान्वयन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। अधिवक्ता संगठनों का कहना है कि इस व्यवस्था को लागू करने से पहले सभी संबंधित पक्षों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाना आवश्यक है। अधिवक्ताओं का कहना है कि पंजीकरण व्यवस्था सीधे तौर पर नागरिकों के संपत्ति अधिकारों और न्याय तक पहुंच से जुड़ी है। ऐसे में बिना पर्याप्त तैयारी और व्यवहारिक समाधान के नई व्यवस्था लागू करना जनहित में नहीं होगा। संगठनों ने मांग की है कि अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, स्टाम्प विक्रेताओं तथा अन्य हितधारकों के साथ चर्चा कर एक सर्वमान्य और व्यावहारिक व्यवस्था तैयार की जाए। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र विचार नहीं किया गया तो चरणबद्ध आंदोलन, धरना-प्रदर्शन, कार्य बहिष्कार तथा अन्य लोकतांत्रिक विरोध कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे।

उत्तर प्रदेश में पीएनजी कनेक्शन विस्तार अभियान तेज

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल ईंधन को बढ़ावा देने के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन विस्तार अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता हर घर तक आधुनिक गैस सुविधा पहुंचाने की है, जिसके तहत सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। 24 जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के 43 गैस वितरण क्षेत्रों में 1,60,121 घरेलू पीएनजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित 16,23,163 कनेक्शनों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 9.86 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई है। सरकार का लक्ष्य वर्ष के दौरान लाखों नए परिवारों को पाइप्ड नेचुरल गैस से जोड़ना है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा का दायरा और अधिक बढ़ सके। राज्य सरकार का मानना है कि पीएनजी केवल एक गैस कनेक्शन नहीं बल्कि लोगों के जीवन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पाइप्ड गैस सुविधा मिलने से उपभोक्ताओं को बार-बार गैस सिलेंडर भरवाने की आवश्यकता नहीं होती, गैस की निरंतर आपूर्ति बनी रहती है तथा रिसाव की स्थिति में आधुनिक सुरक्षा प्रणाली भी उपलब्ध रहती है। रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में गैस वितरण कंपनियों ने लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कार्य किया है। प्रयागराज, मेरठ, लखनऊ, मुरादाबाद, मथुरा, गोरखपुर, फिरोजाबाद, मुजफ्फरनगर, वाराणसी, अलीगढ़, बुलंदशहर, औरैया, गौतम बुद्ध नगर तथा शाहजहांपुर सहित अनेक जिलों में कनेक्शन जारी करने का अभियान लगातार जारी है।

विभिन्न कंपनियां जैसे आईओसी- अडानी गैस, टोरेंट गैस, ग्रीन गैस लिमिटेड, गेल गैस, गेल इंडिया, आईजीएल और एचपीसीएल अपने-अपने क्षेत्रों में नेटवर्क विस्तार और नए उपभोक्ताओं को जोड़ने का कार्य कर रही हैं। योगी सरकार द्वारा प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने के पीछे पर्यावरण संरक्षण भी एक प्रमुख उद्देश्य है।

गुड़-रोटी खिलाकर मुख्यमंत्री योगी ने की गोसेवा

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह जनता दर्शन लगाकर जनसेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा में भी रमे रहे। उन्होंने स्नेहिल थपकी देकर गायों-गोवंश को खूब दुलारा। गुड़-रोटी खिलाया और गोशाला के कार्यकताओं को गोवंश के समुचित देखभाल के निर्देश दिए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार की सुबह मुख्यमंत्री योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या में शामिल रहती है। शनिवार सुबह भी मुख्यमंत्री, मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में मुख्यमंत्री योगी ने गोवंश के माथे पर हाथ फेरा, थपकी देकर दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। गोसेवा के दौरान गोशाला परिसर में विचरण कर रहे मोरों पर भी मुख्यमंत्री ने स्नेह बरसाया।

लखनऊ : क्षेत्रीय मिनिस्टिरियल कर्मचारी संघ चकबंदी विभाग की बैठक सम्पन्न

लखनऊ, एजेंसी। प्रादेशिक क्षेत्रीय मिनिस्टिरियल कर्मचारी संघ चकबंदी विभाग की बैठक पुस्तकालय हॉल गांधी भवन कैसरबाग लखनऊ में शनिवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार सक्सेना व संचालन संघ के महामंत्री रविकुमार ने की। बैठक में मुख्य रूप से नियमावली 2014 के अनुसार, जनपदीय कार्यालयों में प्रधान सहायक व प्रशासनिक अधिकारी के पद शासन स्तर से शीघ्र कार्रवाई कराए जाने पर बल दिया गया। साथ ही गृह जनपद से दूर तैनात कर्मचारियों को उनके गृह जनपद में स्थानांतरण किये जाने और यदि गृह जनपद संभव न हो सके तो गृह मंडल के अंदर आवश्यक रूप से स्थानांतरण किया जाए तथा वर्तमान कार्यकारिणी को आगे भी गतिमान रखने पर बल दिया गया। इसके आलावा जनपद कौशाम्बी में माह मई का वेतन व वार्षिक प्रविष्टि वर्ष 2025-26 की दिलाये जाने की बात रखी गयी, जिससे पदोन्नति व एसीपी मिलने में कोई समस्या न उत्पन्न हो, तथा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर ऐसा शासनादेश जारी कराने का अनुरोध किया जाए, जिसमें प्रत्येक जनपद के बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी प्रत्येक माह के अंत में इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें कि उनके जनपद में किसी भी कर्मचारी की कोई समस्या किसी भी पटल पर शेष नहीं है। जनपद इटावा के कनिष्ठ सहायक प्रमोद कुमार की समस्याओं के निस्तारण कराने पर सहमति प्रदान की गयी। बैठक में मुख्य रूप से नियमावली 2014 के अनुसार, जनपदीय कार्यालयों में प्रधान सहायक व प्रशासनिक अधिकारी के पद शासन स्तर से शीघ्र कार्रवाई कराए जाने पर बल दिया गया।

पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ की अपमानजनक टिप्पणी से पसमांदा मुसलमानों में आक्रोश

पुलिस आयुक्त को पत्रक सौंपकर कार्रवाई की मांग की

वाराणसी, एजेंसी। मुस्लिम महिला नाजिया इलाही खान की ओर से पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से राष्ट्रीय पसमांदा सेवा समिति के सदस्यों में रोष है। संगठन की ओर से शनिवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल को पत्रक सौंपकर महिला के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। चेताया कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वाराणसी से शुरू हुआ यह आंदोलन देशव्यापी रूप धारण करेगा। राष्ट्रीय पसमांदा सेवा समिति की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि नाजिया इलाही खान की ओर से जानबूझकर सोशल मीडिया के जरिये पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ अपमानजनक और गुस्ताखी भरी टिप्पणी की गई। इसके जरिये देश-दुनिया के करोड़ों मुसलमानों की भावनाओं को आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि नाजिया खान के इस कृत्य से पसमांदा समाज की माताओं-बहनों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इसको लेकर समाज में गहरा आक्रोश है। उन्होंने कहा कि हम कानून और शांति में विश्वास रखते हैं, इसलिए प्रशासन से मांग करते हैं कि भारतीय न्याय संहिता के तहत सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाए।

मरम्मत कार्य के दौरान करंट से संविदा लाइनमैन की मौत, परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का लगाया आरोप

वाराणसी, एजेंसी। शहर के पांडेघाट गली स्थित मकान संख्या डी-23/1 के पास विद्युत लाइन की मरम्मत के दौरान करंट लगने से बिजली विभाग के एक संविदा लाइनमैन की मौत हो गई। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल कर्मचारी को तत्काल उपचार के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। भारत कुमार (पुत्र कल्लू प्रसाद) मूल रूप से हरपुर, भैरवनाथ गांव के निवासी थे और संविदा पर भदैनी पावर हाउस में लाइनमैन के पद पर कार्यरत थे। बताया गया कि भारत कुमार लो-टेंशन (एलटी) लाइन पर मरम्मत का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक लाइन में करंट प्रवाहित हो गया, जिससे वह उसकी चपेट में आ गए और खंभे से नीचे गिर पड़े।

घटना के तुरंत बाद उन्हें गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ट्रॉमा सेंटर की मोर्चरी में भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

काँपी धरती, टूटी ज़िंदगियाँ

प्रकृति जब अपना रौद्र रूप दिखाती है, तब वह मनुष्य की तकनीकी उपलब्धियों, आर्थिक प्रगति और प्रशासनिक दावों की वास्तविक परीक्षा लेती है। वेनेजुएला में आए शक्तिशाली भूकंप ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि कुछ ही क्षणों में वर्षों की मेहनत, सपने और सुरक्षित जीवन का भ्रम मलबे में बदल सकता है। धरती के कुछ सेकंड के कंपन ने न केवल इमारतों को गिराया, बल्कि हजारों परिवारों की उम्मीदों, आजीविकाओं और भविष्य को भी गहरे संकट में डाल दिया।

भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएँ केवल भूगर्भीय घटनाएँ नहीं होतीं; वे किसी राष्ट्र की तैयारी, शासन-व्यवस्था, सामाजिक संरचना और मानवीय संवेदनशीलता की भी परीक्षा होती हैं। मलबे में दबे लोगों की पुकार, अपने परिजनों को खोजते परिवार, अस्पतालों में उपचार की प्रतीक्षा करते घायल, राहत शिविरों में अस्थायी जीवन और भय के साये में बीतती रातें यह बताती हैं कि आपदा का वास्तविक दर्द आँकड़ों से कहीं अधिक गहरा होता है।

वेनेजुएला पहले से ही आर्थिक चुनौतियों, संसाधनों की कमी और प्रशासनिक दबावों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में आई यह प्राकृतिक आपदा केवल भौतिक विनाश तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं, संचार व्यवस्था, परिवहन, बिजली, पेयजल और राहत प्रणाली पर भी अतिरिक्त बोझ डालती है। यही कारण है कि किसी भी आपदा का प्रभाव उस समाज में अधिक व्यापक होता है, जहाँ बुनियादी ढाँचा पहले से ही कमजोर हो।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आपदाएँ सभी लोगों को समान रूप से प्रभावित नहीं करतीं। सुरक्षित और मजबूत भवनों में रहने वाले लोग अपेक्षाकृत कम नुकसान झेलते हैं, जबकि कमजोर निर्माण, अनियोजित बस्तियाँ और सीमित संसाधनों वाले परिवार सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। गरीब, श्रमिक, महिलाएँ, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग नागरिक आपदा की सबसे बड़ी कीमत चुकाते हैं। इसलिए प्राकृतिक आपदा धीरे-धीरे सामाजिक और आर्थिक असमानता का भी चेहरा बन जाती है।

यहीं से शहरी नियोजन का महत्व सामने आता है। यदि शहरों का विकास वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप हो, भवनों का निर्माण भूकंपरोधी तकनीकों से किया जाए, खुले सुरक्षित स्थान उपलब्ध हों, आपातकालीन निकासी मार्ग विकसित किए जाएँ और अस्पतालों को आपदा-तैयार बनाया जाए, तो जान-माल की हानि को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दुर्भाग्य से अनेक देशों में भवन निर्माण नियमों की अनदेखी, अवैध निर्माण और कमजोर निगरानी ऐसी त्रासदियों को और भयावह बना देते हैं।

भूकंप के बाद के शुरूआती 72 घंटे सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यही वह समय होता है जब मलबे में दबे लोगों को जीवित निकालने की संभावना सबसे अधिक रहती है। इसलिए राहत एवं बचाव कार्यों की गति, समन्वय और दक्षता ही अनेक लोगों के जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। बचाव दल, चिकित्सक, अग्निशमन कर्मी, सेना, स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठन इस कठिन समय में आशा की सबसे बड़ी किरण बनते हैं। राहत कार्य केवल भोजन और दवाइयाँ पहुँचाने तक सीमित नहीं होते। अस्थायी आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता व्यवस्था, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, बच्चों की सुरक्षा, महिलाओं की आवश्यकताओं तथा संचार सेवाओं की बहाली भी समान रूप से आवश्यक होती है। किसी भी आपदा का वास्तविक पुनर्वास तभी संभव होता है जब प्रभावित लोगों को केवल जीवित रहने का सहारा ही नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीवन फिर से शुरू करने का अवसर भी मिले। ऐसी त्रासदियाँ शासन की विश्वसनीयता की भी परीक्षा लेती हैं। जनता यह देखती है कि संकट की घड़ी में सरकार कितनी शीघ्र, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से कार्य करती है।

अग्नि-जाल में बदलते शहरी भवन

भारत में मिश्रित-उपयोग वाले भवनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक ही भवन में नीचे दुकानें, ऊपर कार्यालय, उसके ऊपर कोचिंग संस्थान और सबसे ऊपर आवास होना अब सामान्य बात है। यह व्यवस्था आर्थिक दृष्टि से लाभकारी अवश्य प्रतीत होती है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत जोखिमपूर्ण है। ऐसे भवनों में ज्वलनशील सामग्री, विद्युत उपकरण, गैस सिलेंडर, बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति और सीमित निकास मार्ग आग लगने की स्थिति में उसे विनाशकारी बना देते हैं। यदि भवन मूल रूप से आवासीय उद्देश्य के लिए निर्मित हो और बाद में बिना संरचनात्मक परिवर्तन के व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपयोग में लाया जाए, तो खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अनियोजित शहरीकरण इस समस्या की सबसे बड़ी जड़ है। भारत के अधिकांश शहर बिना दीर्घकालिक मास्टर प्लान के फैलते गए। आबादी बढ़ती गई, लेकिन सड़कें नहीं बढ़ीं, भवन ऊँचे होते गए, परंतु अग्निशमन सेवाओं की क्षमता उसी अनुपात में विकसित नहीं हुई। अनेक पुराने बाजारों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अग्निशमन वाहन तक प्रवेश नहीं कर पाते।

– डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज विश्व के सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाले देशों में शामिल है। आर्थिक विकास, औद्योगीकरण, सेवा क्षेत्र के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर निरंतर हो रहे पलायन ने भारतीय शहरों का स्वरूप तेजी से बदला है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक बहुमंजिला इमारतें, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, कोचिंग संस्थान, होटल, अस्पताल और मिश्रित-उपयोग (Mixed-Use) वाले भवन विकास के नए प्रतीक बनकर उभरे हैं। किंतु इस विकास के पीछे एक गंभीर सच्चाई भी छिपी है–शहरी नियोजन की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और प्रशासनिक शिथिलता। परिणामस्वरूप, आज अनेक शहरी भवन आर्थिक प्रगति के केंद्र होने के साथ-साथ संभावित "अग्नि-जाल" भी बनते जा रहे हैं।

हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई अग्नि-दुर्घटनाओं ने इस संकट की भयावहता को उजागर किया है। दिल्ली के कोचिंग संस्थानों, सूरत के कोचिंग सेंटर, कोलकाता के होटल, हैदराबाद की व्यावसायिक इमारतों, मुंबई के अस्पतालों और अनेक बाजारों में लगी आग ने सैकड़ों परिवारों को असमय शोक में डुबो दिया। अधिकांश घटनाओं में एक जैसी कमियाँ सामने आईं–भवनों का अनधिकृत उपयोग, अग्नि-सुरक्षा उपकरणों का अभाव, बंद या अवरुद्ध आपातकालीन निकास, संकरी सड़कें, अवैध पार्किंग और नियमों के पालन में गंभीर लापरवाही। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या किसी एक भवन, किसी एक शहर या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हमारे पूरे शहरी विकास मॉडल की है।

भारत में मिश्रित-उपयोग वाले भवनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक ही भवन में नीचे दुकानें, ऊपर कार्यालय, उसके ऊपर कोचिंग संस्थान और सबसे ऊपर आवास होना अब सामान्य बात है। यह व्यवस्था आर्थिक दृष्टि से लाभकारी अवश्य प्रतीत होती है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत जोखिमपूर्ण है। ऐसे भवनों में ज्वलनशील सामग्री, विद्युत उपकरण, गैस सिलेंडर, बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति और सीमित निकास मार्ग आग लगने की स्थिति में उसे विनाशकारी बना देते हैं। यदि भवन मूल रूप से आवासीय उद्देश्य के लिए निर्मित हो और बाद में बिना संरचनात्मक परिवर्तन के व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपयोग में लाया जाए, तो खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

अनियोजित शहरीकरण इस समस्या की सबसे बड़ी जड़ है। भारत के अधिकांश शहर बिना दीर्घकालिक मास्टर प्लान के फैलते गए। आबादी बढ़ती गई, लेकिन सड़कें नहीं बढ़ीं; भवन ऊँचे होते गए, परंतु अग्निशमन सेवाओं की क्षमता उसी अनुपात में विकसित नहीं हुई। अनेक पुराने बाजारों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अग्निशमन वाहन तक प्रवेश नहीं कर पाते। कई स्थानों पर बिजली के तारों का जाल, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण आग पर नियंत्रण की प्रक्रिया को और कठिन बना देते हैं। ऐसी परिस्थितियों में कुछ ही मिनटों में छोटी आग भी बड़ी त्रासदी में बदल जाती है।

इस संकट का दूसरा महत्वपूर्ण कारण नीतिगत विरोधाभास है। एक ओर सरकार 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के माध्यम से व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अनुमतियों की प्रक्रिया सरल बना रही है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा मानकों के अनुपालन पर पर्याप्त बल नहीं दिया जा रहा। कई राज्यों में निश्चित ऊँचाई तक के भवनों को अनिवार्य अग्नि-अनापत्ति प्रमाण-पत्र (Fire NOC) से छूट प्राप्त है। परिणामस्वरूप हजारों ऐसे भवन बिना नियमित अग्नि-सुरक्षा निरीक्षण के संचालित होते रहते हैं। कई बार भवन निर्माण की अनुमति एक उद्देश्य के लिए मिलती है, किंतु समय के साथ उसका उपयोग पूरी तरह बदल जाता है। दुर्भाग्य से इस परिवर्तन की प्रभावी निगरानी करने वाली कोई मजबूत प्रणाली विकसित नहीं हो सकी है।

प्रशासनिक समन्वय का अभाव भी स्थिति को जटिल बनाता है। भवन निर्माण की अनुमति नगर निगम देता है, भूमि उपयोग परिवर्तन विकास प्राधिकरण देखता है, व्यापार लाइसेंस किसी अन्य विभाग से जारी होता है और अग्नि-सुरक्षा का दायित्व अग्निशमन विभाग पर होता है। इन विभागों के बीच सूचनाओं का समुचित आदान-प्रदान नहीं होने से नियमों का प्रभावी अनुपालन नहीं हो पाता। कई बार भवन निर्माण के समय सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली जाती हैं, लेकिन बाद में भवन में किए गए अवैध परिवर्तन वर्षों तक किसी की निगाह में नहीं आते। भ्रष्टाचार और जवाबदेही का अभाव भी इस समस्या का महत्वपूर्ण पहलू है। यदि निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रह जाएँ और प्रमाण-पत्र वास्तविक जाँच के बिना जारी होने लगें, तो नियमों का अस्तित्व मात्र औपचारिकता बनकर रह जाता है। अनेक दुर्घटनाओं के बाद यह सामने आया कि भवनों में अग्निशामक यंत्र तो लगे थे, किंतु उनकी समय-समय पर जाँच नहीं हुई थी। कई स्थानों पर स्प्रिंकलर प्रणाली कार्य नहीं कर रही थी या आपातकालीन निकास पर ताले लगे हुए थे। यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि प्रशासनिक और नैतिक विफलता भी है।

नागरिक जागरूकता की कमी भी इस संकट को बढ़ाती है। अधिकांश लोग भवन खरीदते या किराए पर लेते समय अग्नि-सुरक्षा व्यवस्था की जाँच नहीं करते। व्यापारिक प्रतिष्ठान लागत कम करने के लिए सुरक्षा उपकरणों की उपेक्षा करते हैं। नियमित मॉक ड्रिल, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण और आपातकालीन निकासी अभ्यास को अनावश्यक समझा जाता है। जबकि विकसित देशों में अग्नि-सुरक्षा संस्कृति (Fire Safety Culture) को विद्यालय स्तर से ही बढ़ावा दिया जाता है।

भारत में आपदा प्रबंधन की व्यवस्था पिछले दो दशकों में काफी मजबूत हुई है, लेकिन आग जैसी शहरी आपदाओं की रोकथाम पर अपेक्षित ध्यान अभी भी नहीं दिया गया है। आपदा आने के बाद राहत और बचाव कार्यों में हमारी संस्थाएँ उल्लेखनीय कार्य करती हैं, किंतु यदि रोकथाम और जोखिम न्यूनीकरण पर समान गंभीरता से निवेश किया जाए तो अनेक त्रासदियों को रोका जा सकता है। आपदा प्रबंधन का मूल सिद्धांत भी यही है कि रोकथाम पर खर्च किया गया प्रत्येक रुपया राहत और पुनर्वास पर होने वाले कई गुना व्यय को बचाता है।

अब आवश्यकता केवल दंडात्मक कार्रवाई की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले शहरी नियोजन को वैज्ञानिक और भविष्य-दृष्टि वाला बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक शहर में भूमि उपयोग, जनसंख्या घनत्व, सड़क चौड़ाई, जल स्रोत, अग्निशमन केंद्रों की स्थिति और आपातकालीन पहुँच मार्गों का पुनर्मूल्यांकन किया जाए। मिश्रित-उपयोग वाले क्षेत्रों के लिए अलग सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाएँ और भवनों की स्वीकृति इन्हीं मानकों के अनुरूप हो।

दूसरा, राष्ट्रीय भवन संहिता तथा अग्नि-सुरक्षा मानकों का देशभर में समान रूप से कठोर अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भवन की ऊँचाई के बजाय उसमें उपस्थित लोगों की संख्या, गतिविधि की प्रकृति और अग्नि-जोखिम के आधार पर सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाने चाहिए। सभी सार्वजनिक और मिश्रित-उपयोग भवनों में स्वचालित स्प्रिंकलर, धुआँ संवेदक, अग्नि-अलार्म, आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था और स्पष्ट निकास मार्ग अनिवार्य हों।

तीसरा, भवनों की स्वीकृति, व्यापार लाइसेंस, Fire NOC और निरीक्षण को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाए। यदि किसी भवन का उपयोग स्वीकृत उद्देश्य से भिन्न पाया जाए या उसका सुरक्षा प्रमाण-पत्र समाप्त हो जाए तो संबंधित विभागों को स्वतः सूचना प्राप्त हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भू-स्थानिक तकनीक का उपयोग कर जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है।

चौथा, अग्निशमन सेवाओं का आधुनिकीकरण अत्यंत आवश्यक है। आधुनिक उपकरण, ऊँची इमारतों तक पहुँचने वाली हाइड्रोलिक सीढ़ियाँ, पर्याप्त जल स्रोत, प्रशिक्षित मानव संसाधन और तेज प्रतिक्रिया प्रणाली विकसित की जाए। छोटे और मध्यम शहरों में भी अग्निशमन अवसंरचना को जनसंख्या और भवनों की संख्या के अनुरूप मजबूत किया जाना चाहिए। पाँचवाँ, नागरिक सहभागिता को नीति का अभिन्न अंग बनाया जाए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों, अस्पतालों और आवासीय सोसाइटियों में नियमित अग्नि-सुरक्षा प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाएँ। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी को बढ़ावा दिया, उसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर अग्नि-सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए।

अंततः, शासन व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करना सबसे महत्वपूर्ण है। यदि किसी दुर्घटना का कारण नियमों का उल्लंघन या निरीक्षण में लापरवाही हो, तो केवल भवन मालिक ही नहीं बल्कि संबंधित अधिकारियों की भी स्पष्ट जवाबदेही तय हो। पारदर्शिता, नियमित सामाजिक लेखा-परीक्षण और स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट इस दिशा में प्रभावी कदम हो सकते हैं।

भारत के शहर केवल आर्थिक गतिविधियों के केंद्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, सपनों और भविष्य के आधार हैं। यदि शहरी विकास सुरक्षा, नियोजन और उत्तरदायित्व से रहित होगा, तो विकास का यही मॉडल बार-बार मानवीय त्रासदियों को जन्म देता रहेगा। आवश्यकता ऐसी शहरी संस्कृति विकसित करने की है जिसमें भवनों की ऊँचाई से अधिक महत्व उनकी सुरक्षा को मिले, व्यावसायिक लाभ से अधिक प्राथमिकता मानव जीवन को दी जाए और नियमों का पालन बाध्यता नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व माना जाए।

वास्तविक स्मार्ट सिटी वही होगी जहाँ नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें, जहाँ भवन विकास के प्रतीक होने के साथ-साथ सुरक्षा के भी मानक बनें और जहाँ प्रत्येक निर्माण यह संदेश दे कि मानव जीवन किसी भी आर्थिक लाभ से अधिक मूल्यवान है। यदि भारत को भविष्य के सुरक्षित, टिकाऊ और आपदा-प्रतिरोधी शहर बनाने हैं, तो प्रतिक्रियात्मक कार्रवाइयों से आगे बढ़कर दूरदर्शी शहरी नियोजन, कठोर नियामकीय व्यवस्था, आधुनिक तकनीक, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिक सहभागिता पर आधारित दीर्घकालिक सुधारों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। तभी विकास की चमक के पीछे छिपे अग्नि-जाल को समाप्त कर सुरक्षित और संवेदनशील शहरी भारत का निर्माण संभव होगा।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

ललित गर्ग

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है।

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने ह्यनाह्ल कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धमार्चार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मयार्दाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित ह्यलव जिहादह्ल जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।

लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं।

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना।

पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं। सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं। भौतिकता, उपभोक्तावाद और अंधी प्रतिस्पर्धा की आंधी ने संयम, सादगी, त्याग और पारिवारिक मयार्दाओं जैसे जीवन-मूल्यों को हाशिए पर धकेल दिया है। वहीं नशे का बढ़ता प्रचलन, शराब और मादक पदार्थों की लत युवा पीढ़ी को परिवार और समाज से काटकर हिंसा, अपराध और संवेदनहीनता की ओर ले जा रही है। जब समाज में व्यक्ति अपने स्वार्थ, वासना और तात्कालिक सुख को ही सर्वोच्च मानने लगे, तब रिश्ते साधना नहीं, सौदे बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि परिवार, शिक्षा, धर्म, मीडिया और शासन-सभी मिलकर मानवीय मूल्यों, पारदर्शिता, संवाद, नैतिकता और पारस्परिक सम्मान की संस्कृति को पुनर्जीवित करें। क्योंकि यदि मानवीय रिश्तों की बुनियाद ही हिल गई, तो न केवल परिवार टूटेंगे, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सभ्यता का पूरा ढांचा भी संकट में पड़ जाएगा।

ईरान कैसे बना महाशक्ति

तनवीर जाफरी

अमेरिका, इजराइल द्वारा ईरान पर जून 2025 में 12 दिन का और उसके बाद 28 फरवरी 2026 को लगभग 40 दिन का युद्ध थोपा गया था। अचानक थोपे गये इस युद्ध में हालांकि ईरान को जान व माल का काफी नुकसान हुआ परन्तु ईरान ने भी परमाणु शक्ति संपन्न हुये बिना ही इन दोनों परमाणु शस्त्र संपन्न देशों को ऐसा करारा जवाब दिया कि आखिरकार स्वयं को विश्वविजेता कहलाने वाले अमेरिका को युद्ध से बाहर निकलने के रास्ते तलाशने पड़े। इतने कम समय के युद्ध में अमेरिका व इस्राईल को इतना नुक़्सान पहले कभी नहीं उठाना पड़ा। आज अमेरिका से लेकर इस्राईल तक की जनता यह स्वीकार कर रही है कि इस युद्ध में हर मोर्चे पर ईरान ही विजेता रहा है । क्योंकि ईरान अमेरिका द्वारा युद्धोपरांत हस्ताक्षर किये गये सहमति पत्र में स्वीकार की गयी अधिकांश बातें ईरान के हक में तथा ईरान को फायदा पहुँचाने वाली हैं। हालांकि अमेरिका द्वारा पुनः युद्धविराम के समझौते का उल्लंघन कर ईरान पर कई बड़े हमले करने व ईरान द्वारा भी कुवैत व बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कड़ी जवाबी कार्रवाई करने के समाचार हैं। ऐसे में सवाल यह है कि लगभग 50 वर्षों से वैश्विक प्रतिबंधों का भी सामना करने वाले इस देश ने अत्यंत सीमित संसाधनों के बावजूद अमेरिका व इजराइल जैसे शक्तिशाली,चालबाज व छल कपट में माहिर देशों का एक साथ मुकाबला कैसे किया ?

इसमें कोई संदेह नहीं कि ईरानी लोग मुसलमानों के उस शिया वर्ग से सम्बन्ध रखते हैं जो हजरत अली,हजरत इमाम हुसैन व करबला की उस घटना से प्रेरणा लेते हैं जो असत्य,अन्याय व अत्याचार के आगे कभी सर न झुकाने की सीख देती है। इसके साथ साथ ईरान ने धरातल पर जो दूरगामी व सधी हुई रणनीति अपनाई उसी ने ईरान को न केवल अमेरिका व इस्राईल जैसे परमाणु शक्ति संपन्न देशों पर विजय दिलाई बल्कि ईरान को विश्व की महाशक्तियों की सूची में भी शामिल कर दिया। अमेरिका व इस्राईल की नाराजगी के भय से पूरे युद्ध के दौरान आधिकारिक रूप से किसी भी देश ने ईरान की सहायता नहीं की न ही ईरान ने खाने-पीने की चीजों व दवाईयों तक के लिये कोई अपील जारी की। युद्ध शुरू होते ही रोटी, पेट्रोल और डीजल ईरानियों के लिये निःशुल्क कर दिए गए ताकि उन्हें युद्ध के बोझ का एहसास न हो। अमेरिकी व इस्राईली भीषण बमबारी के बावजूद, एक भी ईरानी नागरिक ने पलायन नहीं किया हाँ विदेशों में रहने वाले हजारों ईरानी अपने देश की रक्षा की गरज से स्वदेश वापस जरूर लौटे। युद्ध के दौरान, कई प्रमुख मंत्री अमेरिका विरोधी प्रदर्शनों में प्रदर्शनकारियों के साथ निडर होकर सारी सारी रात सड़कों पर नजर आये। हद तो यह है कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकीयान स्वयं बाजारों में जाकर वस्तुओं के मूल्य व जनसुविधाओं का जायजा लेते नजर आये ।

सवाल यह है कि ईरान के लोगों व वहाँ के नेतृत्व में इतना दृढ़ विश्वास आया कहाँ से ? तो आइये नजर डालते हैं कुछ उन छोटी छोटी सामान्य बातों पर जिसे भले ही दुनिया के अधिकांश देशों के लोग व वहाँ का नेतृत्व सम्मान या सम्पन्नता की नजरों से क्यों नदेखते हों परन्तु ईरान के लोगों ने इनसे दूर रहना ही राष्ट्रहित में समझा। मिसाल के तौर पर ईरान के सुप्रीम लीडर ने अपना निजी मकान तक नहीं खरीदा। ईरान के मंत्रियों और शीर्ष सैन्य अधिकारीयों व अन्य आला अफसरों के बच्चे विदेश में पढ़ाई करने नहीं जाते।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

शुभेंदु ने सड़कों के नाम की समीक्षा के लिए पैनल का किया एलान, कहा- 'नहीं रहेंगे मुगल, पठान नाम'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को राज्य भर में सड़कों और सार्वजनिक स्थानों का नाम बदलने की सिफारिश करने के लिए एक समिति के गठन का एलान किया। इसके साथ ही सरकार ने स्पष्ट किया कि 'मुगल और पठान शासन' से जुड़े नामों को कोलकाता के परिदृश्य से धीरे-धीरे हटाया जायेगा।

विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा की और बताया कि इस पैनल की अध्यक्षता स्वामी प्रदीप्तानंद उर्फ कार्तिक महाराज करेंगे।

मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोलकाता के पार्क सर्कस इलाके में सुहरावर्दी एवेन्यू का नाम बदलकर गोपाल मुखर्जी रोड करने के हालिया फैसले का बचाव किया और संकेत दिया कि आने वाले महीनों में ऐसे और भी बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

श्री अधिकारी ने सदन में कहा, 'सुहरावर्दी के नाम के लिए कोई जगह नहीं होगी। कोलकाता की किसी भी सड़क पर मुगल या पठान शासकों के नाम नहीं रहने चाहिये।'

यह टिप्पणी तब आई, जब विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने नाम बदलने की इस कवायद पर सवाल उठाये और ऐतिहासिक नामों को बदलने के लिए अपनाये जा रहे मानदंडों को लेकर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा।

श्री अधिकारी ने घोषणा की कि कार्तिक महाराज के नेतृत्व वाली समिति को सड़कों, संस्थानों और अन्य सार्वजनिक स्थलों के नामों का मूल्यांकन करने तथा उनके लिए उपयुक्त वैकल्पिक नाम सुझाने का काम सौंपा जायेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, इसका उद्देश्य उन विभूतियों को सम्मानित करना है, जिन्होंने बंगाल की सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी परंपराओं में अपना योगदान दिया।

श्री अधिकारी ने अपने भाषण का इस्तेमाल लोकतांत्रिक अधिकारों और राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों के मुद्दे पर अपने प्रशासन और पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के बीच अंतर दिखाने के लिए भी किया।

उन्होंने विधानसभा को आश्वासन दिया कि मौजूदा व्यवस्था में विपक्षी दलों को प्रदर्शन, रैलियां या धरना आयोजित करने से नहीं रोका जायेगा। उन्होंने कहा, 'विपक्ष के कार्यक्रमों में कोई बाधा नहीं डाली जायेगी। वे चाहें तो हर रोज रैलियां कर सकते हैं।'

मुख्यमंत्री ने उस समय को याद किया जब वे विपक्ष के नेता के रूप में काम करते थे और आरोप लगाया कि तत्कालीन तृणमूल सरकार ने अक्सर उनकी राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगाई थी।

श्री अधिकारी के अनुसार, उन्हें बैठकों, रैलियों और राज्य के विभिन्न हिस्सों के दौरों की अनुमति लेने के लिए बार-बार अदालतों का रुख करना पड़ा था। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किये गये थे और उन्हें कई मौकों पर विधानसभा से निलंबित भी किया गया था।

पिछली सरकार पर सीधा तंज कसते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे पांच बार सदन से निलंबित किया गया और करीब साढ़े ग्यारह महीने तक बाहर रखा गया। मेरे खिलाफ 100 से ज्यादा मामले दर्ज किये गये। फिर भी हमने किसी से अपने मुंह पर प्लास्टर लगाने को नहीं कहा है।'

मुख्यमंत्री ने कोलकाता के वाई-चैनल पर हाल ही में हुए अपनी पूर्ववर्ती सुश्री ममता बनर्जी के विरोध कार्यक्रम का भी जिक्र किया। इस प्रदर्शन की अनुमति देने के प्रशासनिक फैसले को याद करते हुए श्री अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने आयोजन स्थल को लेकर निर्देश मांगे थे और सरकार ने धरने की इजाजत दे दी थी।

श्री अधिकारी ने कहा कि सरकार राज्य के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रही है और उन्होंने विपक्ष से विकास और शासन से जुड़े मुद्दों पर सहयोग करने का आग्रह किया।

मुंबई में मानसून की भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

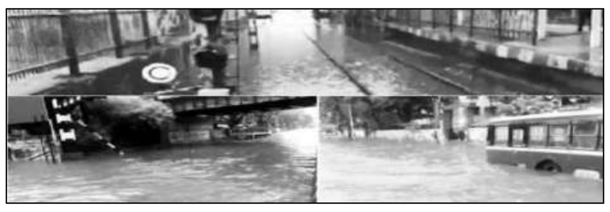

मुंबई। मुंबई और आसपास के उपनगरों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। रात भर हुई भारी वर्षा के कारण शहर के कई निचले इलाकों और अंधेरी सबवे में जलजमाव हो गया है, जिसके चलते वहां वाहनों की आवाजाही रोकनी पड़ी है। हालांकि, लोकल ट्रेन सेवाएं अभी तक सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं।

मौसम विभाग का अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आगामी 30 जून तक पूरे राज्य के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है, जबकि 26 जून के लिए विशेष ऑरेंज अलर्ट है। नागरिकों को बिजली कड़कने और भारी बारिश के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

प्रशासन की स्थिति पर नजर

बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) के अनुसार, शहर के विभिन्न हिस्सों में बारिश का आंकड़ा दर्ज किया गया है, जिसमें कांदिवली और मलाड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित रहे। सिविक अधिकारी लगातार जलभराव वाले क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं और स्थिति को सामान्य बनाने के लिए प्रयास जारी हैं।

भगवंत मान ने सिखों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के विवादित वीडियो मामले में गुरूग्राम में एफआईआर दर्ज होने पर उन पर निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि मान ने कथित धन का उपयोग करके एक झूठी रिपोर्ट तैयार करवाई और सिख समुदाय की भावनाओं को चुनौती देने का प्रयास किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि श्री अकाल तख्त साहब के पांच सिंह साहिबान द्वारा आदेश जारी किया गया कि कोई भी सिख भगवंत मान के साथ कोई नाता नहीं रखेगा। दरअसल, पहले एक वीडियो सामने आई, जिसमें भगवंत मान गुरु साहिबान के पवित्र स्वरूप पर शराब के छींटे मारते दिख रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह वीडियो सामने आने के बाद दुनियाभर के सिखों के मन में गहरा रोष और पीड़ा है। कोई भी सिख गुरु साहिबान की बेइज्जती बर्दाश्त नहीं कर सकता। घटनाक्रम सामने आने के बाद 5 जनवरी 2026 को अकाल तख्त ने भगवंत मान को बुलाकर सफाई देने का मौका दिया। तब भगवंत मान ने कहा कि यह वीडियो एआई जेनरेटेड है, लेकिन जब वीडियो की फोरेंसिक जांच करवाई गई तो स्पष्ट हो गया कि वीडियो पूरी तरह असली है।

उन्होंने कहा कि इसके बाद अकाल तख्त साहिब ने 15 जून 2026 को भगवंत मान को गुरुद्रोही और खालसा पंथ का विरोधी करार देते हुए सिख कौम से निष्कासित कर दिया और दुनियाभर के सिखों को आदेश दिया कि कोई भी सिख मान से कोई नाता नहीं रखेगा।

सिरसा ने आरोप लगाया कि भगवंत मान के करीबी सहयोगी स्वप्न शर्मा ने गुरुग्राम के एक होटल में फोरेंसिक प्रयोगशाला से संबंधित एक बैठक की थी। इस बैठक के दौरान पैसों का लेन-देन हुआ और वीडियो को इस तरह से व्यापक रूप से संपादित किया गया कि यह प्रतीत हो कि उसमें भगवंत मान मौजूद नहीं थे तथा वीडियो फर्जी है। सिरसा ने आरोप लगाया कि कुछ लोग पैसे के लिए सिख समुदाय की भावनाओं की अनदेखी कर एक झूठा नैरेटिव गढ़ने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में आज जिस तरह की मानसिकता दिखाई जा रही है, वह मुगल काल में किए गए अत्याचारों जैसी सोच की याद दिलाती है। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगियों ने कथित तौर पर धन का दुरुपयोग करके एक झूठी रिपोर्ट तैयार करवाई और सिख समुदाय की भावनाओं को चुनौती देने का प्रयास किया। यह पूरा प्रयास अकाल तख्त की सर्वोच्चता को कमजोर करने के उद्देश्य से किया गया।

श्रीनगर में 8वीं मुहर्रम का जुलूस, सड़कों पर उमड़ा शोक मनाने वालों का सैलाब

श्रीनगर। काले झंडों और शोक के बैनरों के साये में बुधवार सुबह श्रीनगर के शहर के केंद्र में हजारों श्रद्धालु जमा हुए। पारंपरिक 8वीं मुहर्रम का जुलूस शुरू हुआ जिससे गुरु बाजार-डलगेट का रास्ता कर्बला के शहीदों की याद में शोक मनाने वालों की भीड़ से भर गया।

गुरु बाजार से डलगेट तक सड़कों पर गमगीन माहौल था। रास्ते में सबील, मेडिकल कैंप और वॉलंटियर्स द्वारा चलाए जा रहे सेवा स्टॉल लगे थे जो जुलूस में शामिल लोगों को पानी, जलपान और मदद दे रहे थे। साथ ही सड़कों पर शोक-गीत (मर्सिया) गूंज रहे थे और बड़ी संख्या में लोग जुलूस में शामिल हो रहे थे।

जानकारी के अनुसार जालूस सुबह-सुबह गुरु बाजार से शुरू हुआ और पारंपरिक रास्ते से होते हुए बुदशाह कदल और एम.ए. रोड से गुजरा। इसमें शामिल लोग काले झंडे लिए हुए थे और शोक से जुड़ी रस्मों में हिस्सा ले रहे थे।

मध्य कश्मीर के बडगाम जिले से आए एक शोक मनाने वाले ताहिर अली ने कहा, यह सिर्फ.एक जुलूस नहीं है बल्कि याद और कुबार्नी का सफर है। लोग इस दिन का हिस्सा बनने के लिए पूरे साल इंतजार करते हैं।

एक और प्रतिभागी मुबाशिर हसन ने कहा कि माहौल में दुख और एकता दोनों झलक रहे थे। उन्होंने कहा, आप यहां कश्मीर के हर कोने से आए लोगों को देख सकते हैं। वॉलंटियर्स और अधिकारियों के इंतजामों से सब कुछ आसानी से हो रहा है।

जैसे-जैसे जुलूस शहर के केंद्र से आगे बढ़ा, स्थानीय लोग सड़कों के किनारे से इसे देखते रहे जबकि वॉलंटियर्स शोक मनाने वालों की मदद करने और रास्ते में लगे सेवा स्टॉलों को संभालने में व्यस्त रहे।

अधिकारियों ने बताया कि जुलूस के सुचारू संचालन के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे जिनमें सुरक्षा बलों की तैनाती, ड्रोन से निगरानी, मेडिकल सुविधाएं, ट्रैफिक कंट्रोल, सफाई व्यवस्था और जरूरी सेवाओं को बिना रुकावट जारी रखना शामिल था। इस रूट से जुड़ी मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहा जबकि अलग-अलग जिलों और इलाकों से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग की खास व्यवस्था की गई थी।

पश्चिम बंगाल के मालदा में नाव पर आकाशीय बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत, 15 यात्री घायल

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा में गंगा नदी के परलालपुर फेरी घाट पर मंगलवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसा हुआ। मुर्शिदाबाद से यात्रियों को लेकर आ रही नाव पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। इस भीषण दुर्घटना में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

हादसे का विवरण

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाव के घाट पर पहुँचते ही अचानक मौसम बिगड़ गया और जोरदार बारिश के बीच बिजली गिरने से अफरा-तफरी मच गई। मरने वाले सभी व्यक्ति मालदा के वैष्णवनगर थाना क्षेत्र के परलालपुर के निवासी थे। प्रशासन और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया।

शोक में डूबा इलाका

इस अचानक हुई त्रासदी ने धूलियन-परलालपुर क्षेत्र में शोक की लहर पैदा कर दी है। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

भोजपुर में भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर पर महापंचायत

भोजपुर। भोजपुर जिले के बिलौटी गाँव में तथाकथित एनकाउंटर में मारे गए 28 वर्षीय भरत भूषण तिवारी के न्याय के लिए आज एक विशाल महापंचायत का आयोजन किया गया है। इसमें बिहार समेत देश के कई राज्यों से हजारों लोग और विभिन्न संगठन शामिल हुए हैं, जो घटना की निष्पक्ष जाँच और सख्त कानूनी कार्रवाई की रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं।

मृतक की माँ ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि उनके बेटे ने आत्मसमर्पण कर दिया था और हथियार फेंकने के बावजूद उसे पाँच गोलियाँ मारी गईं। परिवार की शिकायत पर बिहार सरकार ने मामले में न्यायिक जाँच के आदेश दे दिए हैं और एसडीपीओ व शाहपुर एसएचओ समेत पाँच पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

अहीरवाल के शौर्य, बलिदान, राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बनेगा नसीबपुर स्मारक : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि राज्य सरकार अहीरवाल क्षेत्र के वीर शहीदों के अदम्य साहस, संघर्ष और बलिदान को समर्पित नसीबपुर में एक भव्य स्मारक स्थापित करेगी।

यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति और देश सेवा की प्रेरणा देने के साथ-साथ अहीरवाल के गौरवशाली इतिहास से रूबरू करायेगा। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को हरियाणा निवास में अधिकारियों के साथ बैठक कर इस महत्वपूर्ण परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग और मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यश पाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जबकि विधायक ओम प्रकाश यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

इस दौरान नसीबपुर में बनने वाले स्मारक के प्रस्तावित डिजाइन और निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 42 कनाल 10 मरला क्षेत्र में विकसित किये जा रहे इस परिसर में ओपन एयर थिएटर, लाइट एंड साउंड शो, गैलरी, ऑडिटोरियम और प्रशासनिक भवन जैसी आधुनिक सुविधाएं तैयार की जायेंगी।

श्री सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्मारक परिसर के सौंदर्यीकरण, हरियाली और पर्यटकों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने परिसर में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए कहा ताकि यहां आने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो। महानिदेशक केएम पांडुरंग ने आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों से मिले सुझावों के अनुरूप परियोजना के डिजाइन को और अधिक प्रभावी तथा आकर्षक बनाया जायेगा।

एक नजर

केरल में इबोला के प्रकोप को रोकने में बीआरआईसी-आरजीसीबी की अहम भूमिका

तिरुवनंतपुरम। केरल के स्वास्थ्य और देवस्वोम मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा है कि बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च एंड इनोवेशन सेंटरझराजीव गांधी सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी (बीआरआईसी-आरजीसीबी) की उन्नत अनुसंधान सुविधाओं ने राज्य में इबोला के संभावित प्रकोप को रोकने में अहम भूमिका निभाई है। श्री मुरलीधरन ने हाल ही में इबोला के भय का ज़िक्र करते हुए कहा कि कोझिकोड से भेजे गए नमूने की जांच बीआरआईसी-आरजीसीबी में 12 घंटे के भीतर की गई और शुरूआती नतीजे सिर्फ चार घंटे में मिल गये। जांच में पता चला कि नमूना नेगेटिव था जबकि पुणे की प्रयोगशाला से अंतिम पुष्टि आने में अभी समय लगना था। उन्होंने अक्कुलम में बीआरआईसी-आरजीसीबी परिसर का दौरा किया और कहा कि यह संस्थान केरल की स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा है और 'स्वस्थ केरल' बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को सहयोग कर रहा है। उन्होंने वैज्ञानिकों और अनुसंधानकताओं की तुरंत कार्रवाई के लिए तारीफ की और बताया कि राज्य में इबोला का कोई दूसरा संदिग्ध मामला सामने नहीं आया है। संस्थान की निदेशक डॉ. बीना पिल्लई ने संस्थान के विकास और प्रमुख वैज्ञानिक उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

आमता बम विस्फोट मामले में तीन ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी, दो मुख्य आरोपित गिरफ्तार

कोलकाता। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के हावड़ा ग्रामीण जिले के आमता क्षेत्र में वर्ष 2022 में हुए बम विस्फोट मामले में दो मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस विस्फोट में बम बनाने वाले एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। एनआईए ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि मंगलवार रात आमता क्षेत्र के रहने वाले असफार मिद्या और एंताजुल मिद्या को गिरफ्तार किया। इससे पहले जांच एजेंसी ने आरोपितों के संदिग्ध ठिकानों पर तीन स्थानों पर छापेमारी की थी। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों आरोपित इस मामले के मुख्य आरोपित हैं। उनके निर्देश पर आमता थाना क्षेत्र के चंद्रपुर बाजार के निकट 23 फरवरी 2022 को अवैध रूप से देसी बम तैयार किए जा रहे थे। बम बनाने के दौरान कुछ विस्फोटक सामग्री में धमाका हो गया था। घटना में जहाधर मोल्ला, मोहब्बत मोल्ला, मोइनुर रहमान और शेख महाराम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में शेख महाराम ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। एनआईए ने अप्रैल, 2024 में पुलिस से इस मामले की जांच अपने हाथ में ली थी। जांच में सामने आया कि असफार मिद्या और एंताजुल मिद्या बम निर्माण की पूरी गतिविधि को नियंत्रित कर रहे थे। जांच एजेंसी के मुताबिक, इन बमों का इस्तेमाल इलाके के लोगों को डराने और आतंकित करने के उद्देश्य से किया जाना था। इस मामले में पहले ही चार आरोपितों को गिरफ्तार कर आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण के दिल्ली स्थित मामले संख्या आरसी-08-2024 के तहत जांच अभी जारी है।

मणिपुर के अलग-अलग इलाकों से मादक पदार्थ तस्कर एवं उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में अलग-अलग हिस्सों में पुलिस ने अभियान चलाते हुए बीते 24 घंटों के दौरान मादक पदार्थ के तस्कर एवं उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। वहीं तलाशी के दौरान हथियार एवं गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। इस संबंध में एक महिला समेत कुल आठ लोगों की गिरफ्तारी हुई है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय बुधवार को बताया कि 23 जून को मणिपुर पुलिस ने थौबल जिले के लिलोंग सांबरुखोंग के तीन निवासियों को गिरफ़्तार किया। उनके पास से लगभग 80 ग्राम वजन की संदिग्ध ब्राउन शुगर वाली दो साबुनदानी बरामद हुईं। इस मामले में गिरफ्तार तीनों तस्करों की पहचान सुरैया उर्फ. नहा (37), मो. तमीजुद्दीन उर्फ.सनाटोम्बा उर्फ.नहाटोम्बा (33) और मो. सराफुद्दीन उर्फ.मामेई (31) के रूप में की गई है। इसी दिन सुरक्षा बलों ने पोरोमपट थानांतर्गत इलाके से उग्रवादी संगठन प्रीपाक (रेड आर्मी) के एक तथाकथित स्वयंभू सार्जेंट मेजर, क्षेत्रिमायुम फ्रेन्स्टन सिंह उर्फ. नानाओ उर्फ. इथाट (40) को गिरफ़्तार किया गया। वह इंफाल ईस्ट जिले के टॉप खोंगनांग मखोंग, मयांगलाम्बम लम्पक का रहने वाला है। पुलिस ने बताया है कि इंफाल ईस्ट ज़िले के शाबुंगकोक निवासी एवं आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय सदस्य नोंथोंगबम इंगो उर्फ. कृष्णा उर्फ. युहेनबा (51) की गिरफ़्तारी एवं पूछताछ के बाद (जिसे पहले गोवा पुलिस की मदद से मणिपुर पुलिस ने दक्षिण गोवा के कुनकोलिम से थौबल ज़िले के लिलोंग-थाने में दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में गिरफ़्तार किया था) 22 जून को थौबल ज़िले के चिंगडोमपोक, हेइरोक पार्ट-क्क से हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया। बरामद सामग्रियों में दो इंसास राइफलें, नौ इंसास राइफल की मैगजीन, दो 9 एमएम की पिस्तौल, अलग-अलग कैलिबर के 163 जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इस बीच सोमवार को सुरक्षा बलों ने इंफाल ईस्ट ज़िले के पोरोमपट थानांतर्गत मिनुथोंग से मो. वाहिदुर रहमान (35) को गिरफ़्तार किया। वह मूल रूप से बिष्णुपुर जिले के क्वाक्ता का रहने वाला था और हाल ही में इंफाल ईस्ट जिले के मंत्रीपुखरी में रह रहा था। उसके पास से लगभग एक किलो संदिग्ध ब्राउन शुगर बरामद किया गया। इसी दिन एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस ने सोरेपा के एक जबरन वसूली करने वाले सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया गया। उसे मोरेह बाजार वार्ड नंबर 8, ए/पी प्रवाबती कॉलेज मायंग इंफाल रिलीफ कैंप से पकड़ा गया। वह कैंप में रह रहा था। उसकी पहचान युमनाम थोइबा मैतेई (57) के रूप में हुई है।

मराठी न आने पर शिवसेना यूबीटी ने की विधानसभा अध्यक्ष को निलंबित करने की मांग

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के मराठी भाषा के वाचन में हुई त्रुटियों को लेकर उन पर हमला बोला है। राउत ने बुधवार को कहा कि यदि राज्य में मराठी भाषा को लेकर आम लोगों पर सख्ती बरती जाती है, तो विधानसभा अध्यक्ष के मामले में भी समान मापदंड लागू होने चाहिए। उन्होंने राहुल नार्वेकर को निलंबित किए जाने की मांग की। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र की पहचान उसकी मराठी भाषा और संस्कृति से है। राज्य में मराठी को बढ़ावा देने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं और कई क्षेत्रों में मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य बनाए जाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रिक्शा-टैक्सी चालकों, दुकानदारों, फेरीवालों और अन्य आम नागरिकों पर मराठी सीखने का दबाव बनाया जाता है तथा भाषा नहीं आने पर उनके रोजगार तक प्रभावित होने की स्थिति पैदा हो जाती है। राउत ने कहा कि ऐसे माहौल में महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा सदन में शोक प्रस्ताव पढ़ते समय बड़ी संख्या में त्रुटियां करना गंभीर विषय है। उनके अनुसार मंगलवार को शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय नार्वेकर साफ-सुथरी लिखी गई मराठी को सही ढंग से नहीं पढ़ सके और कुछ ही मिनटों में 40 से अधिक गलतियां कर बैठे। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आम लोगों से मराठी भाषा को लेकर कठोर अपेक्षाएं रखी जाती हैं, तब संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए अलग व्यवस्था क्यों होनी चाहिए। संजय राउत ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल नार्वेकर को उनके उपनाम के आधार पर नार्वे का निवासी'२ कहा जा सकता है, इसलिए मराठी भाषा को लेकर बनाए गए मानकों के अनुसार उन्हें तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: कांग्रेस की सुप्रीम कोर्ट जांच सहित 3 बड़ी मांगें

–बड़े अधिकारियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर राजनीतिक हलचल तेज है। कांग्रेस ने गंभीर मामले में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधकर तीन प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की बात प्रमुख है। पार्टी का कहना है कि करोड़ों रुपये के चढ़ावे में गड़बड़ी जैसे संवेदनशील मामले में निष्पक्ष जांच तभी संभव है, जब इसकी निगरानी देश की सर्वोच्च अदालत करे।

कांग्रेस नेता अखिलेश प्रताप सिंह ने सबसे पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को तत्काल भंग करने की मांग की। कांग्रेस नेता का तर्क है कि इस ट्रस्ट पर देश का भरोसा खत्म हो चुका है, खासकर तब जब इसका गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था और अब उसी से जुड़े लोगों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप में लिप्त हैं। उन्होंने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे की स्थिति स्पष्ट न होने पर सवाल उठाए, यह कहते हुए कि शीर्ष पदों पर बैठे लोगों की जिम्मेदारी तय न होने पर पूरी जांच पर सवाल उठ सकते है।

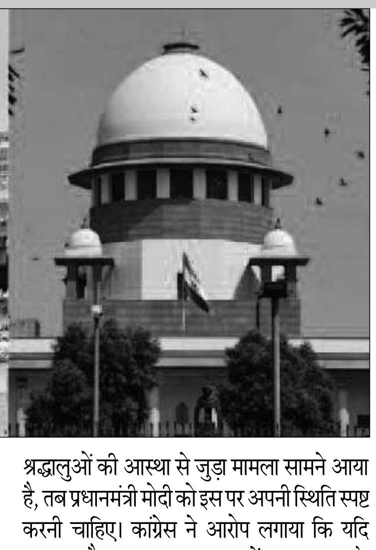

कांग्रेस पार्टी की दूसरी प्रमुख मांग पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच होना चाहिए है। कांग्रेस का मानना है कि अगर जांच सिर्फ राज्य सरकार या पुलिस के भरोसे रही, तब मामले से जुड़ी सच्चाई सामने नहीं आएगी। इसलिए एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच जरूरी है। कांग्रेस ने मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए। पार्टी का कहना है कि जब देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा मामला सामने आया है, तब प्रधानमंत्री मोदी को इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यदि भाजपा और आरएसएस वास्तव में भगवान राम के भक्त होते, तब वे खुद नैतिक आधार पर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग करते।

तीसरी मांग के तौर पर, कांग्रेस ने ट्रस्ट में अहम जिम्मेदारी निभाने वाले सभी लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। पार्टी का आरोप है कि अब तक केवल निचले स्तर के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, जबकि असली फैसले लेने वाले बड़े अधिकारियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया है।

कांग्रेस ने दावा किया कि चढ़ावा चोरी की खबरें सामने आने के बाद राम मंदिर में मिलने वाले दान में कमी आई है। पार्टी के मुताबिक, श्रद्धालुओं का भरोसा प्रभावित हुआ है और इसी कारण अब लोग पहले की तरह खुलकर दान नहीं दे रहे हैं।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिन पर चोरी, आपराधिक विश्वासघात, साजिश और भ्रष्टाचार से जुड़े प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है। हालांकि, कांग्रेस अभी भी आरोप लगा रही है कि जांच केवल निचले स्तर तक सीमित है और असली जिम्मेदार लोगों तक नहीं पहुंची है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर धीरेंद्र शास्त्री भावुक : ये भी रावण हैं, बस रूप बदला

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर के दानपात्र से करोड़ों के चढ़ावे की चोरी की घटना पर आध्यात्मिक गुरु पंडित धीरेंद्र शास्त्री इंडोनेशिया के जकार्ता में भावुक हो गए। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि ये भी रावण ही हैं, बस इनका रूप बदल गया है। शास्त्री ने तर्क दिया कि रावण ने केवल माता जानकी की चोरी की थी, जिसका परिणाम उसका पूरा कुल नाश हो गया था। लेकिन इन चोरों ने लाखों-करोड़ों लोगों की श्रद्धा और भरोसे को चुराया है। उन्होंने चेताया कि सच चाहे जिस भी बुरा लगे लगे, लेकिन सरकारी दंड के साथ-साथ इन अपराधियों को भगवान का महादंड भी अवश्य मिलेगा। इस मामले में पुलिस ने रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू सहित 8 आरोपियों को गिरफ्तार जेल भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, फैजाबाद जेल में पहली रात सभी आरोपियों को नींद नहीं आई और वे रात भर करवटें बदलते व आपस में चर्चा करते रहे। उन्हें सोमवार को दुबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा। चोरी का यह मामला 7 जून को सामने आया था, जिसके बाद उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 13 जून को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी और 25 जून को मंदिर ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू सहित 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, जिसके कुछ ही घंटों बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी शुक्रवार को मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।

मुंडका फैक्ट्री में दर्दनाक हादसा : सेप्टिक टैंक में दम घुटने से 3 मजदूरों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुंडका औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ। जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने शुरुआती जांच में जहरीली गैस को हादसे का कारण बताया है और पूरे मामले की गहनता से जांच हो रही है। जानकारी के मुताबिक, सबसे पहले एक मजदूर सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए अंदर उतरा, जहां वह जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। उस मजदूर को बचाने के प्रयास में दो अन्य मजदूर भी टैंक में घुसे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर अंदर ही फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। भारी ट्रैफिक के कारण बचाव कार्य में कुछ देरी हुई, लेकिन कड़ी मशक्कत के बाद तीनों मजदूरों को बाहर निकाला गया। दुर्भाग्यवश, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान अरुण (38), संदीप (32) और चांद (42) के रूप में हुई है, जो सुल्तानपुरी के इंद्र झील इलाके के रहने वाले थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मुंडका थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था या नहीं। फैक्ट्री मालिक की भूमिका भी जांच के दायरे में है। यह घटना एक बार फिर बिना उचित सुरक्षा उपकरणों के इसतरह के खतरनाक कार्यों को करने पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

नाजिया इलाही खान को पानीपत कोर्ट का नोटिस : धार्मिक टिप्पणियों पर संज्ञान

पानीपत (एजेंसी)। सोशल मीडिया हस्ती नाजिया इलाही खान की कानूनी मुश्किलें बढ़ी हैं। पानीपत की एक अदालत ने उनके खिलाफ दायर याचिका पर संज्ञान लेकर नोटिस जारी किया है। यह याचिका मुस्लिम समुदाय के कुछ प्रतिनिधियों और मुस्लिम लीगल एड ट्रस्ट द्वारा दायर की गई है, जिसमें आरोप है कि नाजिया ने एक पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पर इस्लाम, मुस्लिम महिलाओं, पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब और हजरत आयशा से जुड़े विषयों पर विवादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन टिप्पणियों से मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अदालत ने नाजिया इलाही खान को 27 जुलाई को कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। मुस्लिम लीगल ऐड ट्रस्ट के चेयरमैन और अधिवक्ता मोमिन मलिक ने बताया कि ट्रस्ट मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए काम करता है, और इसी उद्देश्य से यह याचिका दायर की गई है। उन्होंने संबंधित बयानों और अन्य दस्तावेजों को याचिका के साथ संलग्न किया है। मोमिन मलिक ने नाजिया को विवादित सार्वजनिक व्यक्तित्व भी बताया, जो पूर्व में भी अपने बयानों को लेकर चर्चा में रही हैं। हालांकि, इन आरोपों पर नाजिया इलाही खान का पक्ष फिलहाल सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है। मामले की आगामी सुनवाई में दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा, जिसके बाद अदालत आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेगी।

मुआवजा चाहिए, तब पीड़िता को देना होगा गवाही न बदलने का शपथ पत्र

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़ितों को एससी-एसटी अधिनियम के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता के दुरुपयोग पर चिंता जताकर महत्वपूर्ण आदेश दिया है। जस्टिस विशाल मिश्रा ने कहा है कि मुआवजा राशि का अगला चरण जारी करने से पहले पीड़िता को शपथ पत्र देना होगा। इसमें पीड़िता को यह वचन देना होगा कि वह मुकदमे के दौरान आरोपी से समझौता नहीं करेगी और न ही अपनी गवाही से मुकरेगी। यदि पीड़िता बाद में आरोपों से मुकरती है, तब पीड़िता को प्राप्त पूरी राशि सरकार को लौटानी होगी। राज्य सरकार ने सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया था कि कई मामलों में पीड़ित मुआवजा लेने के बाद ट्रायल के दौरान अपने बयान बदल देते हैं, जिससे अभियोजन कमजोर पड़ता है और सरकारी धन का उद्देश्य विफल होता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राशि जमा न करने पर उसकी वसूली की जा सकेगी और ट्रायल कोर्ट उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई पर विचार कर सकेगा।

पुलिस द्वारा आरोपी को रस्सी बांधकर सड़क पर घुमाना गैरकानूनी : हाईकोर्ट

कोलकत्ता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आरोपी की कमर में रस्सी बांधकर सार्वजनिक रूप से घुमाना कानून और मानवाधिकारों के विरुद्ध है। अदालत ने कहा कि आरोपी के साथ भी गरिमा और संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप व्यवहार किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने यह टिप्पणी तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान की पत्नी रेजिना बीबी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में गिरफ्तारी के बाद आरोपी को रस्सी से बांधकर ले जाने का आरोप लगाया गया था। राज्य सरकार ने कहा कि पुलिस रिपोर्ट मिलने के बाद पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हिमाचल प्रदेश में अगले 6 दिन बारिश की चेतावनी, अभी तक मानसून नहीं आया

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार रात हुई तेज बारिश से मौसम सुहावना हो गया और कई शहरों के रात के तापमान में खासी गिरावट दर्ज हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले छह दिनों तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहेगा। एक और दो जुलाई को प्रदेश के मध्यम ऊंचाई वाले कुछेक क्षेत्रों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इस दौरान लोगों और पर्यटकों को नदी-नालों के आसपास जाने से बचने की सलाह दी गई है। हालांकि, इन बारिशों के बावजूद हिमाचल में अभी तक मानसून की आधिकारिक एंट्री के कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं। प्रदेश में मानसून पहुंचने की सामान्य तारीख 22 जून है, लेकिन इस बार इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई है और इसके देरी से पहुंचने की संभावना है। बीते 24 घंटे की बारिश से रात का पारा सामान्य से करीब पांच डिग्री तक नीचे पहुंच गया है, जिससे जून के अंत में भी ठंडक का एहसास हो रहा है। जून माह में अब तक प्रदेश में सामान्य से 31 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है; 26 जून तक 79.8 मिलीमीटर के मुकाबले केवल 55.3 मिलीमीटर बारिश ही दर्ज की गई है।

राम मंदिर चढ़ावा मामला: शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर अवैध रुप से धन संग्रह का आरोप

–जांच कर रही एसआईटी को मिली शिकायत

लखनऊ (एजेंसी)। राम मंदिर निर्माण में चढ़ावे की चोरी और अनियमितताओं के मामले में चल रही जांच में नया मोड़ आ गया है। प्रकरण की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ शिकायत मिली है, जिसमें उन पर अवैध रूप से धन संग्रह और दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगे हैं।

शिकायतकर्ता ने राम मंदिर और स्वर्णालय निर्माण के नाम पर चंदा, सोना और चांदी इकट्ठा करने में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया है। दावा है कि हजारों गांवों से जुटाया गया सोना, चांदी और अन्य दान अधिकृत ट्रस्ट को नहीं सौंपा गया। यह शिकायत यूपी सरकार द्वारा गठित एसआईटी के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत और अन्य सदस्यों को संबोधित की गई है। स्वामी गोविंदानंद सरस्वती ने व्यक्तिगत रूप से एसआईटी से मिलकर मामले में तत्काल जांच और कानूनी कार्रवाई का आग्रह किया है।

एक ओर शंकराचार्य पर लगे आरोपों की जांच शुरू हो रही है, वहीं दूसरी ओर राम मंदिर में दान के कथित गबन के मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों को शुक्रवार, 26 जून को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद उन्हें विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, राम शंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर उर्फ टिन्नू यादव शामिल हैं। ये सभी मंदिर को मिले नकद दान और कीमती सामान की गणना प्रक्रिया से जुड़े थे, जिनमें से पांच-

छह बैंक कर्मचारी बताए जा रहे हैं।

अभियोजन अधिकारी के मुताबिक, एसआईटी ने अब तक आरोपियों के पास से 79.85 लाख रुपये बरामद करने का दावा किया है। यह एफआईआर एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर दर्ज की गई थी, जिसे लखनऊ मंडलायुक्त पंत की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय टीम ने 23 जून को प्रदेश सरकार को सौंपा था। इस एसआईटी का गठन राम मंदिर ट्रस्ट के आग्रह पर किया गया था।

एमडीडीए का बड़ा एक्शन: देहरादून में तीन अवैध निर्माण सील, अवैध निर्माणकताओं में मचा हड़कंप

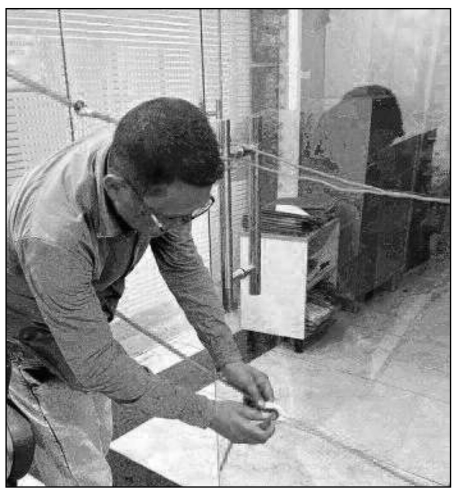

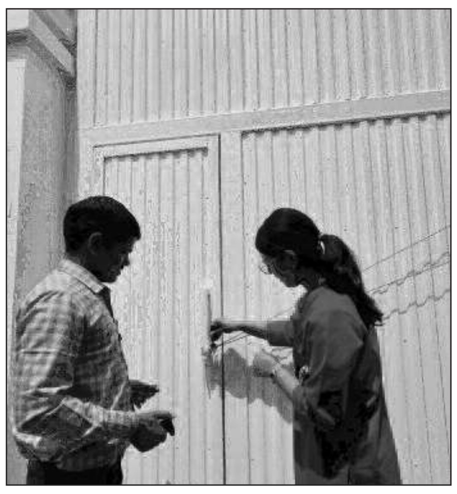

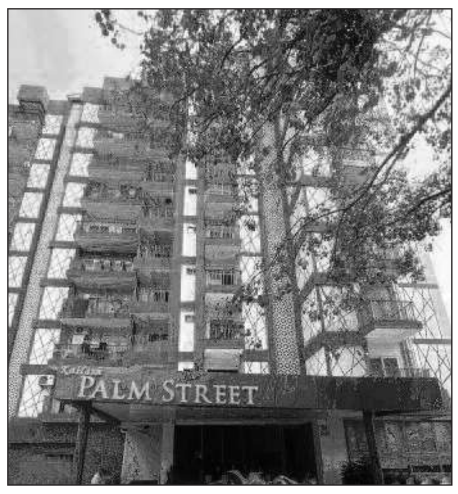

देहरादून (एजेंसी)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने शहर में अवैध निमार्णों के खिलाफ अपना रुख बेहद सख्त कर लिया है। एमडीडीए की प्रवर्तन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के तीन अलग-अलग स्थानों पर चल रहे अवैध आवासीय और व्यावसायिक निमार्णों को सील कर दिया है। प्राधिकरण की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से बिना नक्शा पास कराए निर्माण कर रहे लोगों में हड़कंप मच गया है।

प्राधिकरण की टीम ने सबसे पहले दोहरण रोड स्थित आईटी पार्क के निकट पुनीत अग्रवाल के अवैध व्यावसायिक निर्माण पर कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान यह निर्माण बिना एमडीडीए की स्वीकृति के संचालित पाया गया, जिसके बाद टीम ने तुरंत निर्माण स्थल को सील कर दिया। इसके बाद टीम जमन्नीवाला सिंगली रोड पहुंची, जहां अरुण कुमार गुप्ता द्वारा अवैध रूप से व्यावसायिक निर्माण कराया जा रहा था। इसे भी नियमों के विपरीत पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया और निर्माणकर्ता को चेतावनी दी गई। इन दोनों स्थानों पर कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता शैलेन्द्र सिंह रावत और अवर अभियंता विदिता अपनी सुपरवाइजरी टीम के साथ मौजूद रहे।

तीसरी महत्वपूर्ण कार्रवाई पंडितवाड़ी स्थित कैलाश पाम सिटी सोसायटी में की गई। यहां राकेश सुरी द्वारा बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर का अवैध निर्माण किया जा रहा था। यह निर्माण स्वीकृत मानकों के अनुरूप नहीं था, जिसके चलते सहायक अभियंता शशांक सक्सेना और अवर अभियंता अभिजीत के नेतृत्व में पहुंची टीम ने पुलिस बल की भारी मौजूदगी में इसे सील कर दिया।

नियम टूटे तो होगी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

एमडीडीए ने स्पष्ट कर दिया है कि देहरादून और आसपास के क्षेत्रों का सुनियोजित विकास उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने दो टूक कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। प्रवर्तन टीम लगातार शहर की निगरानी कर रही है और जहां भी नियमों का उल्लंघन मिलेगा, वहां सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि अवैध निमार्णों के विरुद्ध नियमित निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने शहरवासियों और भवन स्वामियों से अपील की है कि वे किसी भी तरह का निर्माण कार्य शुरू करने से पहले प्राधिकरण से आवश्यक अनुमतियां और नक्शा जरूर पास कराएं तथा निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन करें।

समर कैंप के समापन पर 125 बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण, सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने निभाया वादा

मोदीनगर (एजेंसी)। एहसास महिला समिति द्वारा आयोजित 17 दिवसीय समर कैंप के समापन पर 125 बच्चों के लिए विशेष शैक्षणिक एवं मनोरंजक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का संपूर्ण प्रायोजन लोकसभा सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने किया।

कुछ दिन पूर्व सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने निष्काम भवन में चल रहे समर कैंप का निरीक्षण किया था। बच्चों की प्रतिभा, अनुशासन और उत्साह से प्रभावित होकर उन्होंने उनके लिए विशेष भ्रमण कराने की घोषणा की थी। शनिवार को उन्होंने अपना वादा निभाते हुए बच्चों के लिए इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन कराया।

भ्रमण के दौरान बच्चों को दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे स्थित हवा-हवाई प्वाइंट ले जाया गया, जहां खेल-कूद, मनोरंजन, समूह गतिविधियों तथा विभिन्न आकर्षक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने गेम्स खेले, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और विमान को नजदीक से देखने व उसमें बैठने का रोमांचक अनुभव प्राप्त किया।

इस अवसर पर हवा-हवाई प्वाइंट पहुंचने पर सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान का निष्काम सेवक जत्था समिति के मुख्य संरक्षक सरदार चानन लाल ढींगरा तथा अध्यक्ष सरदार जसमीत सिंह ने स्मृति-चिह्न एवं सम्मान पटका भेंट कर स्वागत किया।

इससे पहले भ्रमण दल को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) भास्कर वर्मा, नगर पंचायत निवाड़ी के अध्यक्ष अनिल त्यागी, सभासद मोनू धामा तथा निष्काम सेवक जत्था समिति के अध्यक्ष सरदार जसमीत सिंह ने संयुक्त रूप से निष्काम भवन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सांसद की ओर से बच्चों के लिए आवागमन, भोजन, खेल-कूद, मनोरंजन तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कराई गईं। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरे पर उत्साह और खुशी साफ दिखाई दी।

सुरक्षा की दृष्टि से 125 बच्चों को 10-10 के समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह की जिम्मेदारी एक शिक्षिका को सौंपी गई, जिन्होंने पूरे भ्रमण के दौरान बच्चों की सुरक्षा, अनुशासन और मार्गदर्शन की जिम्मेदारी निभाई।

इस दौरान बच्चों ने अपने हाथों से बनाए गए स्केच और चित्र सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान को भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया।

एहसास महिला समिति की संस्थापिका अनुप्रीत कौर ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ नए अनुभव, आत्मविश्वास और सकारात्मक जीवन मूल्यों से जोड़ना था। कार्यक्रम में समिति की अध्यक्ष गुरमीत गुप्ता, वरिष्ठ पदाधिकारी, समर कैंप की शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। संस्था और अभिभावकों ने सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपने वादे को निभाकर बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का कार्य किया।

पेट्रोल पंपों से देशभर तक पहुंचेगा पहाड़ का स्वाद, डोईवाला में खुलेगा प्रदेश का पहला हिलान्स आउटलेट

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की ग्रामीण महिलाओं को उनके उत्पादों के लिए बड़ा बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में देहरादून जिला प्रशासन और रीप परियोजना ने नई पहल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और महिला सशक्तिकरण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार स्थानीय उत्पाद अब पेट्रोल पंपों पर स्थापित होने वाले हिलान्स आउटलेट के माध्यम से देशभर के उपभोक्ताओं तक पहुंचेंगे। इस पहल से महिलाओं की आय बढ़ाने के साथ उत्तराखंड के पारंपरिक उत्पादों को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है।

ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों के सामने लंबे समय से उत्पादों के विपणन की चुनौती रही है। इसी समस्या के समाधान के लिए जिला प्रशासन ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के साथ राज्य स्तर पर समझौता किया है। इसके तहत प्रमुख पेट्रोल पंपों पर विशेष हिलान्स आउटलेट स्थापित किए जाएंगे, जहां पेट्रोल डीजल भरवाने आने वाले पर्यटक और स्थानीय लोग सीधे पहाड़ी उत्पाद खरीद सकेंगे। जिला परियोजना प्रबंधक सोनम गुप्ता ने बताया कि पहले चरण में विकासखंड डोईवाला स्थित फन एंड फूड किंगडम वाटर पार्क के पास स्थित इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के पेट्रोल पंप पर

प्रदेश का पहला हिलान्स आउटलेट खोला जाएगा। इसके बाद योजना का विस्तार अन्य पेट्रोल पंपों तक किया जाएगा। इन आउटलेट्स पर उत्तराखंड के पारंपरिक और शुद्ध उत्पाद उपलब्ध होंगे। इनमें गहत, भट्ट और तोर जैसी पहाड़ी दालें, स्थानीय मसाले, जड़ी-बूटियां, डेयरी एवं खाद्य उत्पाद तथा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार हस्तनिर्मित हस्तशिल्प सामग्री शामिल रहेगी। इससे एक ओर स्थानीय उत्पादों को स्थायी बाजार मिलेगा तो दूसरी ओर पर्यटकों को उत्तराखंड की संस्कृति, स्वाद और पारंपरिक विरासत से जुड़ी वस्तुएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। प्रशासन का मानना है कि यह पहल केवल बिक्री केंद्र स्थापित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को नई मजबूती देने का माध्यम बनेगी। पेट्रोल पंपों के माध्यम से इन उत्पादों की पहुंच बढ़ने से स्वयं सहायता समूहों की आय में वृद्धि होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नया बल मिलेगा। यह पहल उत्तराखंड की स्थानीय पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के साथ महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को भी नई दिशा देगी।

एफसीए घटा लेकिन सोने की वैल्यू बढ़ने से विदेशी मुद्रा भंडार में हुई बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से बढ़ोतरी दिखी है। यूं तो बीते सप्ताह देश के फॉरेन करेंसी एसेट या एफसीए भंडार में तीन अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट हुई है। लेकिन इसी सप्ताह सोने की वैल्यू में चार अरब डॉलर से ज्यादा की बढ़ोतरी होने से कुल मिला कर विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ गया है। इससे सप्ताह पहले अपने विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 10

अरब डॉलर की गिरावट हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 19 जून 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 9.985 की कमी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 672.587 का हो गया है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार 728.494 के ऑल टाइम हाई पर रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 19 जून 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार घट कर का रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में बढ़ोतरी

आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के दाम काफी बढ़े हैं। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें भारी गिरावट हुई थी। अब अपने सोने के भंडार की वैल्यू बढ़ कर का हो गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का था। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7 प्रतिशत बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है ।रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार मामूली 52 मिलियन डॉलर की गिरावट हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 66 मिलियन डॉलर की गिरावट हुई थी। इस समय अपना कुल एसडीआर का है।

पेट्रोल-डीजल का रेट घटेगा

चीन चुपचाप बना ग्लोबल मार्केट का खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच डील की उम्मीद में कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी गिरावट आई है और यह 28 फरवरी के पहले के स्तर पर पहुंच गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ट्रैफिक सामान्य होने से आने वाले दिनों में तेल की कीमत पर पड़ेगा। माना जा रहा है कि ओवरसप्लाई के कारण तेल की कीमत में भारी गिरावट आ सकती है। लेकिन इस बीच चीन ग्लोबल ऑयल मार्केट में एक बड़ा खिलाड़ी बनकर उभरा है। चीन तेल उत्पादन के मामले में भले ही काफी पीछे है, लेकिन जानकारों का कहना है कि ग्लोबल मार्केट का अगला कदम उसी पर निर्भर है। इसकी वजह यह है कि चीन दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक और दूसरा बड़ा उपभोक्ता है। 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद कई विश्लेषकों का अनुमान था कि कच्चे तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। इसकी वजह यह है कि दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चा तेल होर्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 70 प्रति बैरल से नीचे ट्रेड कर रहा था और मई की शुरुआत में यह चार साल के हाई लेवल 114

प्रति बैरल पर पहुंच गया था। ईरान युद्ध के कारण 1 अरब बैरल से ज्यादा कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हुई लेकिन इसकी कीमत कभी भी उस स्तर तक नहीं पहुंची जिसकी आशंका जताई जा रही थी। चीन की पॉलिसी इसकी एक बड़ी वजह है चीन। उसने इस दौरान सप्लाई बनाए रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश की। चीन ने इंपोर्ट कम किया, अपने रिजर्व का इस्तेमाल किया और क्लीन एनर्जी का ज्यादा से ज्यादा यूज किया। इस तरह वह कच्चे तेल की ऊंची कीमत के असर को कम करने में काफी हद तक कामयाब रहा। इसका असर ग्लोबल मार्केट पर भी देखा गया और कई देशों को इसका फायदा मिला। चीन के इन कदमों से कच्चे तेल की कीमतें काफी हद तक स्थिर रही। कई एनालिस्ट्स इसके लिए चीन को मुख्य वजह मानते हैं। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक एनर्जी थिंक टैंक 'एम्बर' के प्रिंसिपल, डान वॉल्टर ने कहा कि चीन ने भारत, जापान और दक्षिण कोरिया समेत एशिया के कई देशों के लिए इस झटके को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। एक तरह से चीन ने ऐसा करके ग्लोबल इकॉनमी को भी बचाया है। चीन का ग्लोबल एनर्जी पर असर बढ़ रहा है। एनालिस्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में कच्चे तेल की कीमत को निर्धारित करने में चीन की पॉलिसी और खपत की अहम भूमिका होगी। चीन कई कारणों से कच्चे तेल की खपत को काफी कम करने में सफल रहा। ईरान युद्ध से चीन ने सस्ता तेल खरीदकर अपना भंडार काफी बढ़ा लिया था। रूस और ईरान पर प्रतिबंधों के बावजूद उसने इन दोनों देशों से जमकर तेल खरीदा। जानकारों के मुताबिक चीन के पास कच्चे तेल का कमर्शियल और रणनीतिक भंडार में 1 बिलियन बैरल से अधिक है।

चीन का अदृश्य हाथ

हाल में एक रिसर्च नोट में कहा गया था कि 1973 में अरब देशों की पाबंदी के कारण ग्लोबल क्रूड सप्लाई में 7 प्रतिशत की कमी आई थी। इससे तेल की कीमतों में 134 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। लेकिन ईरान युद्ध के दौरान 14 प्रतिशत ग्लोबल सप्लाई के बाधित होने के बावजूद तेल की कीमतें उतनी नहीं बढ़ीं। चीन को ग्लोबल ऑयल मार्केट को संतुलित करने वाला एक अदृश्य हाथ कहा जा रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन में तेल के आयात को प्रति दिन लगभग 3 मिलियन बैरल तक कम करने की क्षमता है। यह जापान की कुल डिमांड के लगभग बराबर है। भारत में कच्चे तेल की रोजाना मांग 5 मिलियन डॉलर है।

सिर्फ 1 महीने में कमा डाले 8 लाख, पति-पत्नी का बिजनेस आइडिया हिट, जाह्नवी कपूर बनीं फैन

- **इसका नाम 'कियोको' है, महज 6 महीनों में यह 16 लाख रुपये का बिजनेस बन गया**

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी बेंगलुरु के एक युवा कपल की है।

इनके नाम हैं जुओला और अर्शिन। दोनों ने मार्केट की एक नब्ज पकड़कर मामूली पूंजी से सफल बिजनेस खड़ा कर दिया है। उन्होंने देखा कि भारतीय मोबाइल एक्सेसरीज बाजार जहां तेजी से बढ़ रहा है। वहीं स्टाइलिश और मजबूत फोन केसेज के मामले में हमेशा से बड़ा गैप रहा है। इसी गैप को भरने के आइडिया के साथ 2025 में उन्होंने अपने ब्रांड की शुरुआत की। इसका नाम 'कियोको' है। रुपये का बिजनेस बन गया। मार्च 2026 में वेबसाइट लॉन्च होने के बाद इस ब्रांड ने सिर्फ एक महीने में 8.2 लाख रुपये की कमाई कर डाली। आइए, यहां जुओला और अर्शिन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे आया आइडिया

भारतीय मोबाइल एक्सेसरीज मार्केट साल 2033 तक 4.65 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लेकिन, इसके बावजूद महिलाओं के लिए ट्रेंडी और मजबूत फोन केसेज का बाजार में अभाव था। बाजार में या तो सिर्फ साधारण दिखने वाले केसेज मिलते थे या फिर सुंदर दिखने वाले कवर बहुत जल्दी टूट जाते थे। इसी कमी को पूरा करने के लिए बेंगलुरु की 29 वर्षीय जुओला और उनके पति अर्शिन (32) ने मार्च 2025 में सिर्फ 5 लाख रुपये की पूंजी के साथ अपने एक्सेसरी ब्रांड की नींव रखी। इसका मकसद फैशन और क्वालिटी दोनों को एक साथ लाना था। जुओला ने चीन से एमबीबीएस की पढ़ाई के दौरान ही यह तय कर लिया था कि वह डॉक्टर नहीं बनना चाहतीं। उन्होंने वहां ड्रॉपशिपिंग जैसे छोटे बिजनेस से आंत्रप्रेन्योरशिप सीखी। भारत लौटने के बाद वह कंटेंट क्रिएशन करने लगीं। दूसरे ओर अर्शिन अपने फैमिली बिजनेस से अलग कुछ नया करना चाहते थे। दोनों ने मिलकर जब स्टार्टअप शुरू किया तो शुरुआत में लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरर्स को फाइनल करने और उनकी भारी मिनिमम ऑर्डर क्वांटिटी जैसी बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई बार सामान खराब भी आया। लेकिन, उन्होंने क्वालिटी से कभी समझौता नहीं किया। शुरू में इंस्टाग्राम डीएम के जरिए महीने में सिर्फ 10-20 ऑर्डर आते थे। लेकिन, जब इस कपल ने खुद पर्दे के पीछे के वीडियो और मिनी व्लॉग्स बनाकर शेयर करना शुरू किया तो ब्रांड की किस्मत बदल गई। उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस खुशी कपूर को अपना एक फोन केस दिया। उसका व्लॉग शेयर किया, जिससे वीडियो वायरल हो गया।

हंगर नट्स का सोमवार को खुल रहा है आईपीओ

क्या है कंपनी की योजना

मुंबई, एजेंसी। इंटीग्रेटेड एग्री-कमोडिटी कंपनी एडॉन एग्री कमोडिटीज लिमिटेड का आईपीओ अगले सप्ताह खुलने वाला है। यह कंपनी 'हंगर नट्स' ब्रांड नाम से सूखे मेवे और पोषक बीजों का कारोबार करती है। यह एसएमई आईपीओ है जिसे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज या बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट डायरेक्टर नारायणस्वामी वेंकिटकृष्णन का कहना है कि फ्रेश इश्यू से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। ऑपरेशनल रेवेन्यू 2,233.48 लाख रुपये था यह वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 10,303.55 लाख

कराया जाएगा। एडॉन एग्री कमोडिटी कंपनी इस आईपीओ के जरिए 62.90 लाख नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। इससे कंपनी 44.03 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही है। यह आईपीओ अगले सोमवार यानी 29 जून 2026 को खुलेगा। इसमें एक जुलाई 2026 यानी अगले बुधवार तक आवेदन किया जा सकेगा। एडॉन एग्रो कमोडिटीज लिमिटेड मैनेजिंग रुपये हो गया। 31 जनवरी 2026 को समाप्त हुई 10 महीने की अवधि में कंपनी ने 28,716.20 लाख रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया है इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं, जबकि इस आईपीओ का रजिस्ट्रार बनाया गया है। यह कंपनी सूखे मेवे, नट्स, सीड्स और बेरी आदि की सोर्सिंग, आयात, प्रोसेसिंग, पैकिंग और डिस्ट्रीब्यूशन में लगी है।

क्या है प्राइस बैंड

इस इश्यू में हर शेयर का फेस वैल्यू 10 रुपये रखा गया है। इस शेयर का प्राइस बैंड 66 से 70 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस आईपीओ का लॉट साइज 2,000 शेयर तय किया गया है। मतलब कि रिटेल इन्वेस्टर्स को कम से कम ऊपरी प्राइस बैंड पर रिटेल निवेशकों को कम से कम 1.40 लाख रुपये का निवेश करना होगा। इस कंपनी के पब्लिक इश्यू का 1.07 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए आरक्षित है। कुल इश्यू का 49.3 प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए और 49.55 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है।

होर्मुज में आवाजाही बढ़ी तो क्रूड पर खत्म हुआ 'वार प्रीमियम'

नई दिल्ली, एजेंसी। फिर से कच्चे तेल और गैस के जहाजों की आवाजाही शुरू हो गई है। इसके बाद क्रूड ऑयल के दाम पर युद्ध शुरू होने के बाद का प्रीमियम खत्म हो गया दिखता है। अमेरिकी का भाव 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चला गया है। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार, 27 जून 2026, को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। अपने यहां बीते 25 मई के बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां बीते मई महीने में चार बार दाम बढ़ा चुकी हैं। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ था। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

पिछले महीने 4 बार बढ़े हैं दाम

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज

पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है।

सस्ता ही हो रहा है क्रूड ऑयल

होर्मुज स्ट्रेट में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस से लदे जहाजों की आवाजाही शुरू होने के संकेत फिर से दिखे। इसके बाद क्रूड ऑयल के दाम में भारी कमी दिखी। 26 जून को समाप्त सप्ताह पर तो डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम में 3.74 फीसदी की नरमी आई। इसका दाम प्रति बैरल 2.69 डॉलर सस्ता होते हुए 69.23 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। स्टेंडर्ड माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड तो 4.34 फीसदी या 3.25 डॉलर प्रति बैरल सस्ता हो कर 71.99 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। उसके बाद ही थोड़ी बढ़ोतरी की थी।

पेट्रोल-डीजल के घटेंगे दाम

क्रूड के दाम घटने के बाद सबसे बड़ा सवाल उठता है कि क्या घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम घटेंगे इस पर इंडस्ट्री के एक अधिकारी का कहना है कि इस समय पेट्रोल-डीजल की कीमतें इंटरनेशनल क्रूड मार्केट में रोजाना होने वाले उतार-चढ़ाव के आधार पर तय नहीं की जाती हैं। इसके बजाय आमतौर पर पिछले दो हफ्तों या महीने की औसत ऑयल कीमतों के आधार पर तय होती हैं। नतीजतन, अगर इंटरनेशनल दरें कम बनी रहती हैं तो क्रूड की कीमतों में हालिया गिरावट का फायदा पंप तक पहुंचने में समय लग सकता है। बढ़ोतरी के बावजूद लगभग ढाई महीने तक रिटेल कीमतें स्थिर रखी थीं।

10 मिनट डिलिवरी पर यकीन नहीं था, बिगबास्केट के फाउंडर हरि मेनन ने बताई इसकी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। बिगबास्केट के फाउंडर हरि मेनन ने एक लिंक्डइन पोस्ट में स्वीकार किया है कि शुरुआत में उन्हें क्विक कॉमर्स (10 मिनट में डिलीवरी) के आइडिया पर यकीन नहीं था। ऑनलाइन ग्रॉसरी प्लैटफॉर्म शुरू करने के करीब 15 साल बाद सीईओ का पद छोड़ते समय मेनन ने लिखा, 'अगर आपने उस समय 100 लोगों से पूछा होता कि क्या उन्हें 10 मिनट में राशन चाहिए... तो ज्यादातर लोगों का जवाब 'ना' होता। लेकिन जैसे ही हमने ग्राहकों को यह सुविधा दी, उन्होंने इसे हाथों-हाथ लिया।'

बिगबास्केट की स्थापना 2011 में हुई थी और आज इसके 60 से अधिक शहरों में 900 से अधिक डार्क स्टोर हैं। साल 2021 में टाटा ग्रुप ने इसका अधिग्रहण किया था। मेनन ने साथ ही कहा कि भारत की क्विक कॉमर्स इंडस्ट्री अरबों डॉलर की कंपनियां बना रही है और भारी निवेश आकर्षित कर रही है, लेकिन इस बिजनेस मॉडल से मुनाफा कमाना मुश्किल है। तेज ग्रोथ के बावजूद इंडस्ट्री का इकनॉमिक्स दबाव में है।

कैसे होगा प्रॉफिट: उन्होंने तर्क दिया कि इस मॉडल से मुनाफा कमाने के लिए एवरेज ऑर्डर वैल्यू, ग्रॉस मार्जिन और ऑर्डर डेंसिटी को एक साथ काम करना होगा। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक समिट ने मेनन ने कहा कि 350-400 की एवरेज ऑर्डर वैल्यू वाला बिजनेस कभी पैसा नहीं कमा पाएगा। मेनन का तर्क है कि बिजनेस अच्छा कमाने के लिए बनाए जाते हैं, सिर्फ ब्रेक-ईवन तक पहुंचने के लिए नहीं। पारंपरिक रिटेल से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि इसी तरह के पैमाने पर काम करने वाली

कंपनियां कहीं ज्यादा बेहतर मुनाफा कमाती हैं। उन्होंने कहा कि इसी पैमाने पर डीमार्ट लगभग 8 प्रतिशत एबिटा कमाती है। मेनन ने कहा कि आप लगातार डिस्काउंट नहीं दे सकते और यह नहीं कह सकते कि वॉल्यूम से सब ठीक हो जाएगा। इससे फिक्स्ड कॉस्ट तो निकल सकती है, लेकिन वेरिएबल कॉस्ट कभी नहीं निकलेगी। कंपनियों का मर्जर या कंसोलिडेशन तय है, क्योंकि ग्रोथ धीमी हो रही है और कैपिटल अब सोच-समझकर लगाई जा रही है।

भारत बनेगा मेडिकल टूरिज्म का सुपरपावर, सरकार का है महाप्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। मेडिकल टूरिज्म का सुपरपावर बनने के लिए भारत ने कमर कस ली है। देश को मेडिकल टूरिज्म के हब के तौर पर बढ़ावा देने के लिए सरकार एक योजना बनाने में जुटी है। इसके तहत अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को तैयार करने, उन्हें बढ़ाने और मजबूत करने के लिए फंड दिया जाएगा।

ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, इस योजना को और बेहतर बनाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्रियल पॉलिसी एंड प्रमोशन काम कर रहा है। फ्यूचर रेडी यानी भविष्य के अस्पतालों के लिए उसकी इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के स्टैंडर्ड लाने की योजना है। इनमें स्मार्ट हेल्थकेयर सर्जरी, ‹ढ्ढ-असिस्टेड डायग्नोस्टिक्स, डिजिटल पैथोलॉजी, टेलीमेडिसिन और इंटरऑपरेबल इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड्स जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

इस प्रक्रिया में अस्पतालों के लिए जरूरी क्लिनिकल क्वालिटी स्टैंडर्ड्स और इंटरनेशनल एक्रेडिटेशन की जरूरतों को भी तय किया जाएगा। इसका मकसद होगा कि

वे इस योजना के तहत फंड पाने के योग्य हो सकें।

बजट में की गई थी घोषणा: यह कदम वित्त वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा के बाद उठाया गया है। इसमें मेडिकल वैल्यू टूरिज्म के लिए रीजनल मेडिकल हब बनाने की बात कही गई थी।

सरकार ने प्राइवेट सेक्टर के साथ मिलकर पांच रीजनल मेडिकल हब बनाने में राज्यों की मदद करने का प्रस्ताव दिया है। ये हब इंटीग्रेटेड हेल्थकेयर कॉम्प्लेक्स के तौर पर काम करेंगे। इनमें मेडिकल सर्विस, एजुकेशन और रिसर्च की सुविधाएं एक ही जगह पर मिलेंगी।

एक अधिकारी ने ईटी को बताया, 'यह विचार अभी शुरुआती दौर में है। लेकिन, योजना ऐसे इंटीग्रेटेड मेडिकल डिस्ट्रिक्ट के लिए मॉडल फ्रेमवर्क बनाने की है जिनमें अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, रिसर्च सेंटर, बायोटेक पार्क और वेलनेस सुविधाएं शामिल हों।' उन्होंने आगे कहा कि योजना की रूपरेखा तैयार करने में मदद के लिए एक कंसल्टिंग फर्म को शामिल किया जाएगा।

2030 तक 16.2 अरब डॉलर का होगा मार्केट

इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक, 2025 में भारत का मेडिकल टूरिज्म मार्केट लगभग 8.7 अरब का होगा। 2030 तक इसके 16.2 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस योजना के तहत टीचिंग अस्पतालों के लिए स्टैंडर्ड प्लानिंग नियम और टेक्निकल बेंचमार्क भी प्रस्तावित हैं। इसके अलावा, जमीन के इस्तेमाल, बेड डेंसिटी, इंटेंसिव केयर कैपेसिटी, ट्रॉमा और इमरजेंसी केयर, डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, रिहैबिलिटेशन सुविधाएं, आउटपेशेंट इंफ्रास्ट्रक्चर और संबंधित हेल्थकेयर सेवाओं के लिए हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैंडर्ड्स को भी इस योजना में शामिल किए जाने की संभावना है। यह बहुत जरूरी है। कारण है कि प्रस्तावित हब में आयुष सेंटर, मेडिकल वैल्यू टूरिज्म फैसिलिटेशन सेंटर और डायग्नोस्टिक्स, इलाज के बाद की देखभाल और रिहैबिलिटेशन के लिए एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर होगा। संबंधित हेल्थ प्रोफेशनल्स सहित हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए रोजगार के कई मौके पैदा होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त

फीफा विश्वकप: डेम्बेल की हैट्रिक, फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 से हराया

बोस्टन, एजेंसी। ओस्मान डेम्बेले की शानदार हैट्रिक की बदौलत फ्रांस ने फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप आई मुकाबले में शीर्ष पर रहते हुए नॉर्वे को 4-1 से शिकस्त दी। मैच की शुरुआत के पहले हॉफ में फ्रांस ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए नॉर्वे पर दबाव बनाया। सातवें मिनट में डेम्बेले ने मैच का पहला गोल दाग कर अपनी टी मो बढ़त दिलाई। डेम्बेले यही नहीं रूके उन्होंने 20वें मिनट में दूसरा किया। डेम्बेले के पहले और दूसरे गोल के बीच नॉर्वे के लिए 21वें मिनट में थियो आसगार्ड ने एक गोल कर स्कोर 2-1 किया। 32वें मिनट में तीसरा गोलकर हैट्रिक बनाई। और स्कोर 3-1 कर दिया। यह टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरी सबसे तेज हैट्रिक है। दूसरे हाफ में नॉर्वे को शुरुआती पेनल्टी भी मिली। हालांकि, स्ट्रैंड लार्सन ने मौका गंवा दिया और मैगनन ने आसानी से उसे रोक लिया।

सेनेगल ने फीफा विश्वकप में इराक को 5-0 से रौंदा

टोरंटो (कनाडा), एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप आई मुकाबले में सेनेगल ने एकतरफा मुकाबले में इराक को 5-0 से करारी शिकस्त दी। टोरंटो स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में हबीब डियारा ने चौथे मिनट में गोल कर अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। पहले हॉफ के दौरान सेनेगल के खिलाड़ी आक्रामक रहे। इराक की मुश्किलें 13वें मिनट में उस समय और बढ़ गईं, जब रेबिन सुलाका को रेड कार्ड दिखाया गया। और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। सुलाका ने माने को एक अच्छे मौके पर गिरा दिया था। पहले तो इसे येलो कार्ड दिया गया था, लेकिन वीएआर रिव्यू के बाद इसे रेड कार्ड में बदल दिया गया। 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही इराक की टीम पूरे मैच में संघर्ष करती नजर आई। पहले हाफ में ज़्यादा मौके नहीं बने, लेकिन खेल दोबारा शुरू होने के बाद सेनेगल ने तेजी से अपना खेल बेहतर किया और दूसरे हाफ में कई गोल किए।

आमिर जंगू और रोस्टन चेज़ ने वेस्टइंडीज़ को दिलाई दमदार वापसी

एंटीगा, एजेंसी। एंटीगा में खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज़ के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ आमिर जंगू ने अपने करियर के दूसरे ही टेस्ट में शानदार संयम का परिचय देते हुए नाबाद 78 रन की पारी खेली।

कप्तान रोस्टन चेज़ (नाबाद 42) के साथ उनकी 103 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत वेस्टइंडीज़ ने दिन का खेल समाप्त होने तक 5 विकेट पर 271 रन बना लिए। शुक्रवार को दूसरे दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज़ के सलामी बल्लेबाज़ों जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने शानदार अंदाज़ में की। दोनों ने पहले घंटे तक श्रीलंकाई गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया और पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। इसके बाद मिलान रत्नायके ने ब्रैंडन किंग को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी।

स्पेन ने नॉकआउट में जगह पक्की की, बाएना के गोल से उरुग्वे बाहर

ग्वाडलहारा (मेक्सिको), एजेंसी। एलेक्स बाएना के गोल की बदौलत स्पेन ने उरुग्वे पर 1-0 की रोमांचक जीत के साथ ग्रुप एच में पहला स्थान हासिल करते हुए नॉकआउट चरण में प्रवेश किया।

एस्टाडियो एक्रोन में शनिवार को एलेक्स बाएना का पहले हाफ का गोल निर्णायक साबित हुआ; स्पेन ने सात अंकों के साथ ग्रुप का समापन किया। उरुग्वे, जिसे क्वालीफाई करने के लिए सिर्फ एक ड्रॉ की जरूरत थी, केवल दो अंकों के साथ बाहर हो गया। स्पेन ने 42वें मिनट में बढ़त बनाई जब बाएना ने अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुस्लेरा की एक बड़ी गलती का फायदा उठाया; मुस्लेरा के लिए वर्ल्ड कप अभियान का अंत निराशाजनक रहा और हाफ-टाइम में उन्हें बदल दिया गया।

फीफा वर्ल्ड कप: न्यूजीलैंड को 5-1 से रौंदकर बेल्जियम ने हासिल किया नॉकआउट स्टेज का टिकट

- **बेल्जियम के हाथों मिली हार के साथ ही न्यूजीलैंड का अगले राउंड में पहुंचने का सपना टूट गया**

वैंकूवर, एजेंसी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप जी मुकाबले में बेल्जियम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को एकतरफा अंदाज में 5-1 से हराया। बीसी प्लेस स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ ही बेल्जियम ने राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना ली है।

बेल्जियम के हाथों मिली हार के साथ ही न्यूजीलैंड का अगले राउंड में पहुंचने का सपना टूट गया है। बेल्जियम की इस जीत के नायक लिएंड्रो ट्रॉसार्ड रहे, जिन्होंने मैच में दो गोल दागे। ग्रुप जी में बेल्जियम और मिस्र दोनों पांच-पांच प्वाइंट्स के साथ बराबर पर रहे, लेकिन गोल के अंतर के आधार पर बेल्जियम ने ग्रुप में पहले स्थान हासिल किया।

बेल्जियम और मिस्र दोनों पांच-पांच पॉइंट्स पर बराबर रहे, लेकिन गोल अंतर के आधार पर बेल्जियम ग्रुप में टॉप पर रहा। ईरान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के साथ ही मिस्र ने भी अगले राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है। ईरान 3 प्वाइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जबकि न्यूजीलैंड 3 मुकाबलों में एक प्वाइंट ही अर्जित कर सका।

मैच की शुरुआत से ही बेल्जियम ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और लगातार न्यूजीलैंड के गोल पर हमले किए। 11वें मिनट में लिएंड्रो ट्रॉसार्ड गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। कुछ देर बाद बेल्जियम को पेनल्टी भी मिली, लेकिन वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) जांच के बाद फैसला बदल दिया गया, क्योंकि रेफरी ने माना कि न्यूजीलैंड के खिलाड़ी का हाथ स्वाभाविक स्थिति में था।

बेल्जियम ने 28वें मिनट में 1-0 की बढ़त हासिल की। केविन डी ब्रूने के शानदार क्रॉस पर ट्रॉसार्ड ने बेहतरीन फिनिश करते हुए पहला गोल दागा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही ट्रॉसार्ड ने अपना दूसरा गोल किया। मुकाबले के 49वें मिनट में उन्होंने डी ब्रूने के एक और शानदार पास को नियंत्रित किया और नजदीक से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाकर स्कोर 2-0 कर दिया।

न्यूजीलैंड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन बेल्जियम के गोलकीपर थिबो कोर्टोइस ने शानदार बचाव कर टीम की बढ़त कायम रखी। इसके बाद डी ब्रूने ने मैच के 66वें मिनट में बेल्जियम की बढ़त को 3-0 कर दिया। इस गोल के साथ 34 वर्षीय डी ब्रूने फीफा वर्ल्ड कप में बेल्जियम के लिए गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने।

84वें मिनट में न्यूजीलैंड की ओर से एकमात्र गोल एलिजा जस्ट ने किया। हालांकि, इसके ठीक एक मिनट बाद रोमेलु लुकाकू ने बेहतरीन हेडर से बेल्जियम की ओर से चौथा गोल करते हुए टीम की जीत पक्की कर दी। स्टॉपेज टाइम में एलेक्सिस सालेमेकर्स ने बेल्जियम के लिए पांचवां गोल किया और टीम की धमाकेदार जीत पर मुहर लगा दी।

आयरलैंड की गेंदबाजी हमसे कही अधिक बेहतर थी: अभिषेक शर्मा

बेलफास्ट, एजेंसी।

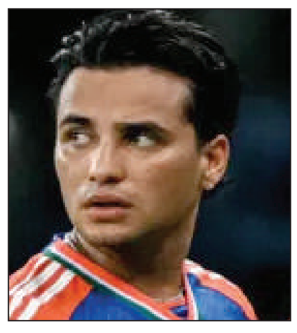

भारतीय टी-20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का मानना है कि आयरलैंड के गेंदबाजों ने हमसे कही अधिक बेहतर गेंदबाजी की। आयरलैंड से मिली 34 रनों की हार के बाद संवाददाता सम्मेलन में अभिषेक शर्मा ने कहा, " मुझे लगता है कि पिच में कुछ तो बात थी। जैसे जब आयरलैंड बल्लेबाजी कर रहा था, तो उन्होंने कुछ शॉट्स बहुत अच्छे से खेले, जबकि हमारे लिए कई शॉट्स खेलना मुश्किल था। इसलिए मुझे लगता है कि उन्होंने हमारे लक्ष्य का पीछा करने के दौरान अच्छी गेंदबाजी की और अपने प्लान पर सही से अमल किया। जहां तक भारत के बाकी बल्लेबाजो की बात है, मुझे लगता है कि बहुत कम शॉट्स ही सही से लग पाए। लेकिन उन्होंने बहुत अच्छी प्लानिंग की थी।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि एक टीम के तौर पर, आयरलैंड ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में जैसा प्रदर्शन किया, वे सच में इस जीत के हकदार थे। कुछ चीज़ें ऐसी थीं जिन्हें हम एक टीम के तौर पर सही से नहीं कर पाए। लेकिन हर मैच से आप छोटी-छोटी चीजें सीखते हैं और मुझे लगता है कि यह भी उन्हीं मैचों में से एक था। हमने बहुत कुछ सीखा। लेकिन एक ग्रुप के तौर पर उन्होंने बहुत अच्छा खेला। वे सच में जीत के हकदार थे।" उन्होंने कहा, "बात बस इतनी है कि हम हालात के हिसाब से कितनी जल्दी ढलते हैं। एक टीम के तौर पर यह बहुत मायने रखता है।

क्योंकि जब आप लगातार मैच खेल रहे होते हैं, तो एक ग्रुप के तौर पर आपको आगे बढ़कर हालात के हिसाब से ढलना होता हैङ्ग मुझे लगता है कि एक मजबूत टीम के तौर पर आपको बहुत तेजी से हालात के हिसाब से ढलना होता है। और आज हम यही करने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन अफसोस, ऐसा नहीं हुआ।

आरसीए एड-हॉक पैनल को 10वीं बार मिला कार्य विस्तार

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) का कार्यकाल राज्य सरकार ने तीन महीने और बढ़ा दिया है। एसोसिएशन अगले तीन महीने एक एड-हॉक कमेटी के तहत काम करता रहेगा। पहली बार 2024 में हुई नियुक्ति के बाद बोर्ड के इस पैनल का कार्यकाल 10वीं बार बढ़ाया गया है। आरसीए के कार्य विस्तार को कोऑपरेटिव सोसाइटीज के रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि यह फैसला राज्य की क्रिकेट बॉडी के कामकाज में कानूनी रुकावट से बचने के लिए लिया गया था। कमेटी को अगले तीन महीनों में चुनाव प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है। मार्च 2024 में पिछली आरसीए कमेटी को हटाए जाने के बाद मौजूदा पैनल का गठन एड-हॉक आधार पर सिर्फ तीन महीने के लिए किया गया था।

इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले पमाना के दो खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प

न्यू जर्सी, एजेंसी।

इंग्लैंड के साथ शनिवार को होने वाले विश्व कप के अपने आखिरी मुकाबले से पहले पनामा के दो खिलाड़ियों के बीच प्रशिक्षण के दौरान झड़प होने का मामला सामने आया है।

मध्य अमेरिकी टीम पनामा अपने पहले दो मैच हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। वे मेटलाइफ स्टेडियम में थॉमस टुचेल की टीम के खिलाफ ग्रुप एल में अपना अभियान समाप्त करेंगे, लेकिन मैच से पहले के प्रशिक्षण सत्र में उनके दो खिलाड़ियों सेसिलियो वाटरमैन और जोस लुइस रोड्रिगेज के बीच झड़प हो गई।

वीडियो में वाटरमैन को रोड्रिगेज को धक्का देते हुए दिखाया गया है और जब वह बहस जारी रखने की कोशिश कर रहा था तो उसके साथियों ने उसे रोक लिया। जिसके बाद टकराव जल्द ही समाप्त हो गया और प्रशिक्षण सत्र जारी रहा।

जांगू-चेज ने कराई वेस्टइंडीज की वापसी

दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक मजबूत स्थिति में कैरेबियाई टीम

- **जोशुआ दा सिल्वा भी 20 रन ही बना सके और असिथा फर्नांडो का शिकार बने।**

एंटीगुआ, एजेंसी।

वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच विव रिचड्र्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 271 रन लगा लिए हैं।

वेस्टइंडीज के लिए दिन की शुरुआत अच्छी रही और जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। हालांकि, किंग अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 31 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, कैंपबेल 39 रन बनाकर पवेलियन लौटे। केवम हॉज बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 16 रन बनाकर आउट हुए। जोशुआ दा सिल्वा भी 20 रन ही बना सके और असिथा फर्नांडो का शिकार बने।

जस्टिन ग्रीव्स को भी फर्नांडो ने महज 3 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। हालांकि, आमिर जांगू एक छोर संभालकर खड़े रहे और उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 174 गेंदों में 78 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके लगाए। 168 के स्कोर पर 5 विकेट गंवाकर वेस्टइंडीज एक समय पर मुश्किल में नजर आ रही थी। हालांकि, इसके बाद जांगू को कप्तान रोस्टन चेज का अच्छा साथ मिला। दोनों छठे विकेट के लिए मिलकर अब तक 103 रनों की अटूट साझेदारी कर चुके हैं।

चेज 105 गेंदों का सामना करते हुए 42 रनों के स्कोर पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज अभी भी श्रीलंका के स्कोर से 37 रन पीछे है। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में असिथा फर्नांडो और मिलन रथनायके दो-दो विकेट चटका चुके हैं। इससे पहले, पहली पारी में श्रीलंका की पूरी टीम 308 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

टीम की तरफ से धनंजय डी सिल्वा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 168 गेंदों का सामना करते हुए 120 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, दिनेश चांदीमल ने 67 गेंदों में 54 रनों का योगदान दिया। सोनल दिनुशा ने 43 रनों की अहम पारी खेली, जबकि मदुशंका ने 23 रनों का योगदान दिया।

जो हो गया उसे पीछे छोड़ना होगा, इससे हमने काफी कुछ सीखा है: कप्तान अय्यर

- **हमने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन मिडिल ओवर्स में हम अपनी योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर सके : कप्तान अय्यर**

बेलफास्ट, एजेंसी।

भारतीय टी20 टीम के कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर को अपने पहले ही मैच में आयरलैंड के खिलाफ 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ आयरलैंड ने इस फॉर्मेट के इतिहास में पहली बार टीम इंडिया के खिलाफ जीत दर्ज की है। अय्यर का मानना है कि इस हार ने भी टीम को बड़ी सीख दी है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की टीम ने 9 विकेट खोकर 182 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवरों में सिर्फ 148 रन पर सिमट गई।

भारत की गेंदबाजी और मैच हाथ से निकलने पर नव नियुक्त कप्तान अय्यर ने कहा, "मुझे लगता है कि शुरुआत में हमारे गेंदबाजों ने काफी अच्छी गेंदबाजी की। उन्हें स्विंग और सीम मूवमेंट मिला और उन्होंने कुछ विकेट भी निकाले। हमने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन मिडिल ओवर्स में हम अपनी योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर सके। हमने बल्लेबाजों को सीधे मैदान के बीच से शॉट खेलने दिए, जबकि हमें पता था कि वहां बाउंड्री काफी छोटी है। हालांकि, जब हमें आखिर में रन रोकने की जरूरत थी, तब गेंदबाजों ने शानदार वापसी की। जिस तरह की शुरुआत हमें मिली थी, उसके हिसाब से 140 रन का लक्ष्य शानदार होता। फिर भी यहां खेलना एक बेहतरीन अनुभव रहा। हमें इन परिस्थितियों में खेलने का मौका मिला, पिच को अच्छी तरह समझने का मौका मिला। बतौर कप्तान यह एक अच्छी शुरुआत रही। जो हो गया उसे पीछे छोड़ना होगा। इस मुकाबले से हमने काफी कुछ सीखा है और कोशिश करेंगे कि अगले मैच में पूरी ताकत और नए जोश के साथ उतरें। हर्षित राणा ने 4 ओवरों में 24 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि शिवम दुबे ने 3 ओवरों में 18 रन देकर 1 विकेट निकाला। इन दोनों खिलाड़ियों की तारीफ में कप्तान ने कहा, "निश्चित रूप से

इंटर-स्टेट एथलेटिक्स: तीसरे दिन ट्रिपल जंपर्स का शानदार प्रदर्शन

भुवनेश्वर, एजेंसी। कलिंगा स्टेडियम में शुक्रवार को 65वीं नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन 13 उभरते हुए एथलीट्स ने अपने-अपने इवेंट्स में जापान एशियन गेम्स के क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड्स को पार किया। इनमें छह पुरुष ट्रिपल जंपर्स भी शामिल थे। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) की सिलेक्शन कमिटी भुवनेश्वर प्रतियोगिता खत्म होने के बाद एशियन गेम्स में जाने वाली टीम का फैसला करेगी। ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में से प्रत्येक में दो एथलीट हिस्सा लेंगे। शाम के सेशन की शुरुआत हैमर थ्रो इवेंट्स से हुई। पंजाब के दमनीत सिंह ने 69.72 मीटर की दूरी तक हैमर फेंककर गोल्ड मेडल जीता और 69.12 मीटर के एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क से बेहतर प्रदर्शन किया।

फीफा वर्ल्ड कप: कोच स्कालोनी ने की पुष्टि

जॉर्डन के खिलाफ शुरुआती इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे मेसी

डलास, एजेंसी।

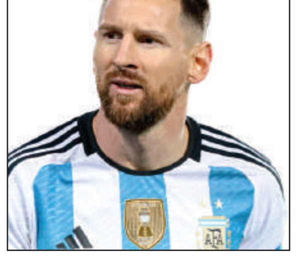

अर्जेंटीना के हेड कोच लियोनेल स्कालोनी ने बताया है कि स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी जॉर्डन के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में बेंच से शुरुआत करेंगे।

यह मुकाबला शनिवार को डलास स्टेडियम में खेला जाएगा। अर्जेंटीना पहले ही अपने ग्रुप जे में टॉप पर जगह पक्की कर चुका है, इसलिए कोच स्कालोनी ने संकेत दिए हैं कि इस मैच में वह टीम के दूसरे खिलाड़ियों को मौका देंगे। 'सिन्हुआ' के मुताबिक, स्कालोनी ने कहा, "मेसी बेंच से खेलेंगे और मैं इस सवाल से बचने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। आपको पता होना चाहिए और मैं इसका जवाब दे रहा हूं क्योंकि आप एक सही जवाब के हकदार हैं। अब, जहां तक फॉर्मेशन की बात है, तो इसके बारे में मैं आपको और ज्यादा जानकारी नहीं दे पाऊंगा। मेसी मैदान पर थोड़ी देर बाद आएंगे। पूरा लाइनअप कन्फर्म हो चुका है, लेकिन हम इसकी घोषणा मैच से पहले करेंगे।

कोच ने यह भी साफ किया कि यह मैच टीम के लिए प्रयोग करने और बाकी खिलाड़ियों को मौका देने का अच्छा अवसर है। मेसी ने इस टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और अर्जेंटीना के पांच गोल में उनका अहम योगदान रहा है। हाल ही में उन्होंने अपना 39वां जन्मदिन भी मनाया।

हालांकि, कोचिंग स्टाफ ने उनके फिटनेस को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस मैच में आराम देने का फैसला किया है। मेसी को हाल ही में किसी बड़ी चोट की समस्या नहीं रही है, लेकिन टीम उन्हें नॉकआउट चरण के लिए पूरी तरह फिट रखना चाहती है। स्कालोनी ने कहा कि टीम में हर खिलाड़ी महत्वपूर्ण है और जो भी मैदान पर उतरेगा, वह टीम की जीत के लिए पूरी मेहनत करेगा। उन्होंने कहा, "हम चाहते हैं कि टीम का प्रदर्शन एक जैसा रहे, चाहे खिलाड़ी कोई भी हों।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 | **उरुग्वे के फीफा वर्ल्ड कप से बाहर होने पर बोले कोच बिएल्सा**

मैं टीम से बेस्ट प्रदर्शन कराने में नाकाम रहा : मार्सेलो बिएल्सा

गुआडालाहारा, एजेंसी।

स्पेन के खिलाफ मिली 0-1 की हार के साथ ही उरुग्वे फुटबॉल टीम का फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सफर समाप्त हो गया। टूर्नामेंट में टीम के खराब प्रदर्शन के लिए हेड कोच मार्सेलो बिएल्सा ने खुद को जिम्मेदार ठहराया है।

बिएल्सा का कहना है कि वह उरुग्वे की टीम से बेस्ट प्रदर्शन करवाने में नाकाम रहे। दो बार की चैंपियन उरुग्वे ग्रुप स्टेज में खेले 3 मुकाबलों में सिर्फ 2 प्वाइंट ही अर्जित कर सकी और तीसरे नंबर पर रही। 'सिन्हुआ' के मुताबिक बिएल्सा ने कहा, "मैं उरुग्वे के खिलाड़ियों की क्षमता के अनुसार उनसे बेस्ट प्रदर्शन करवाने में नाकाम रहा। मैं टीम को एकजुट करके हर खिलाड़ी से उनकी काबिलियत के मुताबिक प्रदर्शन नहीं करवा सका।

बिएल्सा ने मैच के दौरान कप्तान फेडेरिको वाल्वरडे की जगह दूसरे खिलाड़ी को मैदान पर भेजने और हाफ टाइम के बाद गोलकीपर फर्नांडो मुस्लेरा को स्थानापन्न करने के अपने फैसले का बचाव किया। बिएल्सा ने बताया कि 56वें मिनट में वाल्वरडे की जगह दूसरे खिलाड़ी को उतारने का मकसद टीम के आक्रमण को और मजबूत बनाना था। उनका मानना था कि इससे उरुग्वे ज्यादा गोल करने के मौके बना सकेगा। हालांकि मैच के बाद टीवी कैमरों में वाल्वरडे सब्स्टीट्यूट बेंच पर भावुक नजर आए और उनकी आंखों में आंसू दिखाई दिए।

पहले हाफ में स्पेन के एलेक्स बेना के गोल के दौरान मुस्लेरा गेंद को रोक नहीं पाए थे। इसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में उनकी जगह गोलकीपर सर्जियो रोशे को उतारा गया। बिएल्सा ने साफ किया कि यह फैसला उनका नहीं, बल्कि खुद मुस्लेरा का था। उन्होंने कहा, "मुस्लेरा ने खुद मैदान से बाहर आने की इच्छा जताई थी। यह उनका अपना फैसला था।" कोच ने मुस्लेरा का बचाव करते हुए कहा कि वह एक अनुभवी और बेहतरीन खिलाड़ी हैं और एक गलती के आधार पर उनकी आलोचना करना सही नहीं है।

इस मुकाबले में स्पेन ने 42वें मिनट में बढ़त बनाई। एलेक्स बेना ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाया, जो मुस्लेरा के हाथों के बीच से निकलकर गोल में चला गया। उस समय मैदान पर दोनों टीमों के दो खिलाड़ियों का इलाज चल रहा था, लेकिन खेल जारी था और बेना ने मौके का पूरा फायदा उठाया। यही गोल मैच में निर्णायक साबित हुआ।

सऊदी अरब को रोक कर केप वर्डे विश्वकप नॉकआउट चरण में

ह्यूस्टन, एजेंसी।

केप वर्डे ने शनिवार को अपने आखिरी ग्रुप एच मैच में सऊदी अरब को गोल-रहित ड्रॉ पर रोककर फीफा विश्वकप के नॉकआउट चरण में जगह बना ली।

एनआरजी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में अफ्रीकी देश केप वर्डे के लिए ग्रुप एच में स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर रहने के लिए एक अंक काफी था। स्पेन ने ग्रुप के दूसरे मैच में उरुग्वे को 1-0 से हराया था। सऊदी अरब, जिसे टूर्नामेंट में बने रहने के लिए जीत की जरूरत थी, तीसरे स्थान पर रहने के बाद बाहर हो गया। केप वर्डे अब राउंड ऑफ 32 में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना का सामना करेगा, जो वर्ल्ड कप में पहली बार खेल रही इस टीम के लिए एक यादगार मुकाबला होगा।

मैच के दौरान सऊदी अरब ने लंबे समय तक गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन वे केप वर्डे के अनुशासित रक्षापंक्ति को नहीं भेद पाए। केप वर्डे इस टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा चौंकाने वाला प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक बनकर उभरा है।

ब्रेक के बाद केप वर्डे अधिक आक्रामक लग रही थी। सऊदी गोलकीपर मोहम्मद अल ओवैस ने सब्स्टीट्यूट लारोस डुआर्टे के शॉट को शानदार ढंग से रोका, जबकि डिफेंडर अली अल अमरी ने वैगनर पिना के करीब से किए गए शॉट को अहम तरीके से ब्लॉक किया।

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

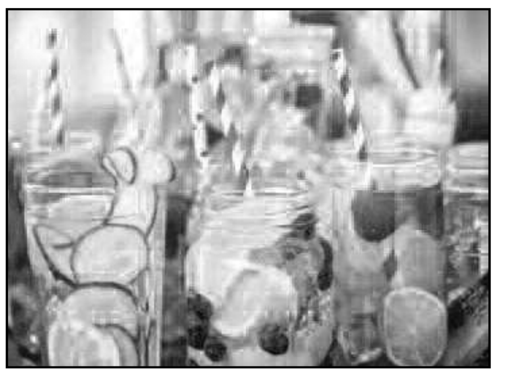

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा – आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल – नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी – कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक – कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकांई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा – साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध – कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा – एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू – एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

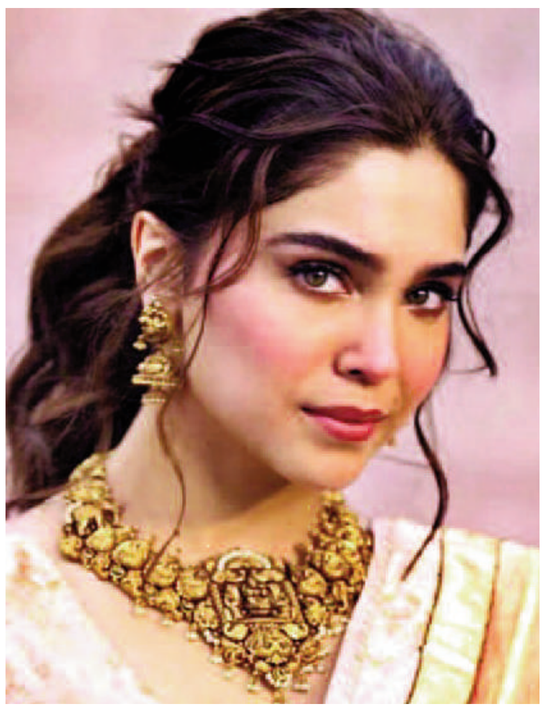

अपनी फिल्म को मिले प्यार पर आभार जताया शरवरी वाघ ने

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने हाल ही में अपनी नवीनतम फिल्म मैं वापस आऊंगा को दर्शकों से मिल रहे असाधारण प्यार और समर्थन के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने एक भावुक नोट में इस बात पर जोर दिया कि हर कलाकार का यह सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो केवल सिनेमाघरों तक सीमित न रहे बल्कि दर्शकों के दिल और दिमाग में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़े। शरवरी का मानना है कि इस फिल्म ने उनके लिए इस सपने को साकार किया है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के प्रति दर्शकों की विभिन्न प्रतिक्रियाएं, भावुक समीक्षाएं, सिनेमाघरों के दृश्य और साथ ही फिल्म के लोकप्रिय गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड-द-सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे। ये पोस्ट इस बात का प्रमाण थे कि फिल्म ने दर्शकों के साथ एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव बना लिया है।

अपने पोस्ट के कैप्शन में शरवरी ने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यारज मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं। उनकी इन पंक्तियों से फिल्म के साथ उनके व्यक्तिगत जुड़ाव और दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से मिल रही संतुष्टि का पता चलता है। उन्होंने आगे कहा, हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहे। जिस तरह आप सभी ने 'मैं वापस आऊंगा' से जुड़ाव महसूस किया है, वह मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला अनुभव रहा है। हमारे साथ हर भावना को महसूस करने और इस फिल्म को अपने प्यार से आगे बढ़ाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।

फिल्म में शरवरी के सह-कलाकार वेदांग रैना ने भी उनके पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, तुम इस सबकी हकदार हो, जिया। यह फिल्म इम्तियाज के निर्देशन में बनी है और एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें नसीरूद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ जैसे दिग्गज कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। मैं वापस आऊंगा की कहानी भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बिछड़ने, प्रेम, यादों, पलायन और स्मृतियों जैसे मानवीय विषयों को संवेदनशील रूप से सामने लाती है। यह फिल्म एक ऐसे प्रेम संबंध की मार्मिक कहानी दिखाती है, जो ऐतिहासिक उथल-पुथल के कारण गहरे रूप से प्रभावित होता है। कहानी को नसीरूद्दीन शाह के किरदार के दृष्टिकोण से सुनाया गया है, जो इसे और भी भावुक बना देता है। यह फिल्म इम्तियाज अली और एआर रहमान की सफल जोड़ी को एक बार फिर साथ लाती है, जिसमें गीतकार इरशाद कामिल ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सामंथा ने की अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा

अभिनेत्री सामंथा प्रभु, जो इन दिनों अपनी फिल्म मां इंटी बंगारम की सफलता का आनंद ले रही हैं, ने अपने प्रशंसकों के साथ एक बड़ी खुशखबरी साझा की है। 39 वर्ष की उम्र में मां बनने जा रही सामंथा ने अपने पति राज निदिमोरू के साथ एक थैंक्स मीट में इस बात का खुलासा किया। पिछले कुछ समय से सामंथा की ऐसी वीडियोज़ वायरल हो रही थीं, जिनमें उनका बेबी बंप नजर आ रहा था, जिसके बाद उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। अब उन्होंने खुद इस बात की पुष्टि कर दी है। खुशी का इजहार करते हुए सामंथा ने मंच पर हंसते हुए कहा, अब मैं मैटरनिटी के लिए छोटा-सा ब्रेक ले रही हूं। इस घोषणा के बाद वहां मौजूद सभी लोगों ने उन्हें बधाइयां दीं और सोशल मीडिया पर भी फैंस का बधाई संदेशों से भर गया। वीडियो में उनका प्रेग्नेंसी ग्लो साफ दिखाई दे रहा है। सामंथा ने 1 दिसंबर 2025 को निर्माता राज निदिमोरू के साथ कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में सादे समारोह में शादी की थी। नागा चैतन्य से अलग होने के बाद यह उनकी दूसरी शादी थी। उनके इस ऐलान से उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं और इस नए सफर के लिए उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

एग्स फ्रीज कराने पर आकांक्षा रंजन का खुलासा

माता-पिता को मनाने की जरूरत नहीं पड़ी

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन इन दिनों अपने एक अत्यंत निजी और महत्वपूर्ण फैसले, एग्स फ्रीज कराने को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने एक साक्षात्कार में इस संवेदनशील विषय पर खुलकर बात की और बताया कि जब उन्होंने यह फैसला लिया, तब उनके माता-पिता की इस पर क्या प्रतिक्रिया थी। आकांक्षा ने स्पष्ट किया कि उन्हें अपने माता-पिता को इस फैसले के लिए मनाने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि वे उनकी समझदारी और निर्णयों पर पूरा भरोसा रखते हैं। आकांक्षा रंजन ने बताया, अब मैं ऐसी उम्र में हूं, जहां मेरे माता-पिता को मुझ पर पूरा भरोसा है। वह जानते हैं कि मैं कोई भी फैसला जल्दबाजी में नहीं लेती। पहले मैं हर बात को अच्छी तरह समझती हूं और फिर फैसला करती हूं। यही वजह है कि मेरे परिवार ने मेरे फैसले पर कभी सवाल नहीं किए, बल्कि हमेशा मेरा साथ दिया। यह विश्वास आकांक्षा के लिए एक बड़ी राहत और समर्थन का स्रोत रहा है।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि उनके पिता को शुरुआत में इस पूरी प्रक्रिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। वह ऐसे समय और माहौल में बड़े हुए हैं, जहां इस तरह के विषयों पर आमतौर पर ज्यादा चर्चा नहीं होती थी। इसलिए आकांक्षा को पहले उन्हें विस्तार से समझाना पड़ा कि एग्स फ्रीज कराना क्या होता है, इसकी आवश्यकता क्यों पड़ती है और यह प्रक्रिया कैसे काम करती है। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उनकी बातों को बहुत ध्यान से सुना और समझने की पूरी कोशिश की। आकांक्षा ने बताया, मेरे पिता ने कभी मेरे फैसले का विरोध नहीं किया। उन्हें बस इस बारे में जानकारी चाहिए थी। जब मैंने उन्हें विस्तार से समझाया कि मैं ऐसा क्यों करना चाहती हूं और इसके पीछे क्या वजह है, तो उन्होंने मेरा समर्थन किया। हालांकि, उनकी मां की चिंता कुछ अलग थी। आकांक्षा ने कहा, मां को मेरी सेहत की चिंता थी, क्योंकि इस प्रक्रिया में मेडिकल इलाज और कुछ जरूरी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। ऐसे में मां होने के नाते उन्हें अपनी बेटी की सेहत को लेकर स्वाभाविक रूप से फिक्र थी। लेकिन जब आकांक्षा ने उन्हें यह समझाया कि वह भविष्य को ध्यान में रखकर यह फैसला ले रही हैं, तो उनकी मां भी उनकी बात को समझ गईं और उन्हें अपना पूरा समर्थन दिया। मां का यह भावनात्मक और व्यावहारिक समर्थन आकांक्षा के लिए बेहद खास और मूल्यवान रहा है।

आकांक्षा ने इस बात पर जोर दिया कि जब परिवार आपके साथ खड़ा हो, तो बड़े से बड़ा और व्यक्तिगत फैसला लेना भी बहुत आसान हो जाता है। उन्होंने अपने माता-पिता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कभी उन पर अपनी सोच नहीं थोपी, बल्कि हमेशा उनकी बात सुनी और उन पर भरोसा किया। इसी वजह से आकांक्षा को इस फैसले को लेकर किसी भी तरह का दबाव महसूस नहीं हुआ, जिससे उन्हें आत्मविश्वास और शांति के साथ आगे बढ़ने में मदद मिली।

असली पहचान आत्मविश्वास और मूल्यों से आती है : शिल्पा शिंदे

- धूम्रपान या पहनावे से नहीं

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने हाल ही में फेमिनिज्म और आधुनिकता की बदलती अवधारणाओं पर अपनी राय साझा की, जो इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर फिल्मों तक बहस का एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है। हाल ही में एक साक्षात्कार में शिल्पा ने कहा कि उनके लिए सच्ची पहचान बाहरी दिखावे, कपड़ों या जीवनशैली से कहीं अधिक गहरी है। उन्होंने कहा कि यह आत्मविश्वास, मजबूत मूल्यों और खुद को गहराई से समझने की क्षमता से उपजी है। उनका मानना है कि कोई महिला क्या पहनती है या कैसे दिखती है, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि वह अपने जीवन और अपने विचारों को कितनी

स्पष्टता और ईमानदारी से जीती है। इसी बातचीत में शिल्पा शिंदे ने स्वीकार किया कि उनकी सोच कुछ हद तक पारंपरिक है। उन्होंने बेबाकी से कहा, यह मेरी निजी सोच है कि मुझे महिलाओं का धूम्रपान करना पसंद नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धूम्रपान या किसी विशेष जीवनशैली को आधुनिकता का पैमाना मानना गलत है। उनके अनुसार, कोई आदत किसी व्यक्ति के आधुनिक होने का प्रमाण नहीं हो सकती। शिल्पा ने बताया कि उनके लिए आधुनिकता का अर्थ कहीं अधिक व्यापक और व्यक्तिगत है। वह मानती हैं कि सिर्फ धूम्रपान करना, शराब पीना या तथाकथित आधुनिक कपड़े पहनना किसी को बोल्ड नहीं बनाता। असली बोल्डनेस व्यक्ति के विचारों में मजबूती, अपने फैसलों को समझने की क्षमता और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने में निहित है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बाहरी दिखावा और व्यक्ति का असली व्यक्तित्व दो अलग-अलग पहलू हैं, जिन्हें अक्सर लोग गलत तरीके से जोड़ देते हैं। अभिनेत्री ने कपड़ों और सोच के बीच के संबंध को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की मानसिकता उसके पहनावे से तय नहीं होती। एक महिला साड़ी पहनकर भी बेहद आधुनिक और प्रगतिशील सोच रख सकती है, जबकि कोई आधुनिक कपड़े पहनकर भी पुराने विचारों वाला हो सकता है। इसलिए, शिल्पा के अनुसार, किसी को उसके कपड़ों के आधार पर आंकना बिल्कुल अनुचित है। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत पसंद बताते हुए कहा कि उन्हें साड़ी पहनने वाली महिलाएं ज्यादा आकर्षित करती हैं, लेकिन यह उनकी अपनी फैशन पसंद है, न कि किसी की सोच का पैमाना। अंत में, शिल्पा शिंदे ने इस बात पर जोर दिया कि एक महिला के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वह स्वयं को पहचाने, अपने मूल्यों को समझे और अपने जीवन को आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ जीए। उनके लिए, यही सच्ची मजबूती और सशक्तिकरण का प्रतीक है।

रश्मिका मंदाना ने पेट डॉग ऑरा और कच्चे आम के साथ साझा किए खुशी के पल

लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपने प्रशंसकों और अनुयायियों के साथ अपने प्यारे पालतू कुत्ते ऑरा के साथ बिताए कुछ आनंदमय और निजी पलों को साझा किया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर ऑरा के साथ कई दिल छू लेने वाले वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन्होंने तुरंत सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित किया। पोस्ट के पहले वीडियो में, रश्मिका को अपने चार पैरों वाले प्यारे दोस्त ऑरा पर जी भर कर प्यार बरसाते हुए देखा जा सकता है। यह वीडियो उनके गहरे बंधन और स्नेह को दर्शाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऑरा उनकी जिंदगी का कितना महत्वपूर्ण हिस्सा है। पुष्पा और एनिमल जैसी सफल फिल्मों की इस अभिनेत्री ने इसके बाद अपनी कुछ खूबसूरत सेल्फी भी साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कच्चे आम के टुकड़ों की कुछ स्वादिष्ट तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनका उन्होंने उस दिन आनंद लिया था। इन निजी पलों को साझा करते हुए, रश्मिका ने दिखाया कि वह अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद छोटे-छोटे सुखों और अपने पालतू जानवर के साथ समय बिताने का कितना महत्व देती हैं।

एक और तस्वीर में, ऑरा को रश्मिका के बगल में शांति से बैठे हुए और प्यार भरी नज़रों से उन्हें देखते हुए देखा गया। यह दृश्य उनके बीच के सौहार्दपूर्ण रिश्ते को दर्शाता है। पोस्ट के आखिरी वीडियो क्लिप में, द गर्लफ्रेंड की अभिनेत्री रश्मिका को ऑरा एक गहरी और जिज्ञासु नज़र से देख रहा था, जिसे देखकर उन्होंने मजाकिया अंदाज़ में लिखा, ये सभी लड़कियां एक जैसी दिखती हैं- लंबे बाल, बड़ी आंखें, लंबी नाक। यह मजेदार टिप्पणी प्रशंसकों के बीच खूब पसंद की गई। इन सभी तस्वीरों और वीडियो के साथ, रश्मिका ने कैप्शन में लिखा, बस मैं, मेरी प्यारी ऑरा, कच्चे आम और खुशी के छोटे-छोटे पल। यह कैप्शन उनके जीवन की सादगी और खुशियों को दर्शाता है, जो उन्हें अपने पालतू जानवर और प्रकृति के करीब रहने से मिलती हैं। जो लोग नहीं जानते, रश्मिका एक प्यारी कॉकर स्पैनियल, ऑरा की मालकिन हैं, और वह अक्सर सोशल मीडिया पर उसके साथ अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

काम के मोर्चे पर, रश्मिका मंदाना अगली बार रवींद्र पुल्ले की आगामी फिल्म मैसा में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म निर्माता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया कि फिल्म के एक गाने की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। उन्होंने गाने के सेट की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मैसा गाने की शूटिंग पूरी हो गई है। रश्मिका पर फिल्माए गए इस गाने को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर ब्रिंदा ने कोरियोग्राफ किया है। इससे पहले, मई में रश्मिका ने खुद खुलासा किया था कि उन्होंने केरल में फिल्म मैसा का एक लंबा शेड्यूल पूरा कर लिया है।

तमन्ना ने बताई साउथ और बॉलीवुड की भिन्नता

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने अनुभवों के आधार पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री (बॉलीवुड) और साउथ सिनेमा के कामकाज के तरीकों के बीच के बड़े अंतर को स्पष्ट किया है। उन्होंने दोनों सिनेमाई दुनिया के विविध पहलुओं को उजागर किया, खासकर कलाकारों के लिए उपलब्ध अवसरों के संदर्भ में। तमन्ना के अनुसार, हिंदी सिनेमा में मुख्य रूप से दो तरह के कलाकारों के लिए जगह होती है, जो बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। पहला वर्ग कलात्मक अभिनय को चुनने वाले अभिनेताओं का है। ये वो कलाकार होते हैं जो गंभीर, संजीदा और आर्टिस्टिक किरदारों को तरजीह देते हैं। दूसरा वर्ग वर्सटाइल कलाकार का है, और तमन्ना के मुताबिक, बॉलीवुड की सबसे अच्छी बात यह है कि यह कला और ग्लैमर दोनों को एक साथ अपनाने का मौका देता है। जो अभिनेता इन दोनों ही मोर्चों पर खुद को बखूबी साबित कर लेता है, वही सही मायनों में इंडस्ट्री का सुपरस्टार बनता है। इस प्रकार, बॉलीवुड अभिनेताओं को एक व्यापक कैनवास प्रदान करता है। जहां बॉलीवुड अपनी विविधता और संतुलन के लिए जाना जाता है, वहीं तमन्ना ने पहले साउथ इंडस्ट्री में महिलाओं के चित्रण में सकारात्मकता की कमी और पुरुषों के अधिक प्रभाव का भी जिक्र किया था, जो इन दोनों सिनेमाई उद्योगों की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण भिन्नता को दर्शाता है।

राकेश बेदी और धुरंधर के पिंडा ने जिम में बहाया पसीना, साझा किए मजेदार पल

बॉलीवुड के दिग्गज और बहुमुखी अभिनेता राकेश बेदी ने हाल ही में अपने सह-कलाकार उदयबीर संधू से मुलाकात की, जिन्हें फिल्म धुरंधर में पिंडा के किरदार से जाना जाता है। दोनों कलाकारों ने हैदराबाद के एक जिम में साथ मिलकर पसीना बहाया और इस दौरान कुछ मजेदार पल अपने प्रशंसकों के साथ साझा किए। राकेश बेदी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह और उदयबीर संधू फिटनेस सेशन के दौरान बातचीत करते और हंसी-मजाक करते हुए नजर आ रहे हैं। युवा अभिनेता उदयबीर से दोबारा मिलने की खुशी जाहिर करते हुए राकेश बेदी वीडियो में कहते सुनाई दिए, हाय दोस्तों, और हाय, चाय विद राकेश बेदी में आपका स्वागत है। मैं फिल्म की शूटिंग के लिए हैदराबाद में हूं और हमेशा की तरह जिम में हूं। आप जानते ही हैं कि मैं स्वास्थ्य के प्रति कितना जागरूक हूं। यह बताते हुए राकेश बेदी ने अपने फिटनेस के प्रति समर्पण को दर्शाया। कैमरा उदयबीर की ओर घुमाते हुए उन्होंने आगे कहा, और मेरे साथ एक और धुरंधर है। हम दोनों यहां कसरत कर रहे हैं। यह एक तरह से

उनकी आने वाली फिल्म धुरंधर और उनके ऑन-स्क्रीन रिश्ते को भी संदर्भित करता है।

उदयबीर संधू ने बीच में बात को संभालते हुए कहा, सर बहुत फिट दिख रहे हैं और आज उन्होंने जितना वजन उठाया है, हम सब तो उनके सामने फीके पड़ गए हैं। उदयबीर की इस टिप्पणी पर राकेश बेदी ने अपने जाने-पहचाने चुटीले और हास्यपूर्ण अंदाज में जवाब दिया, मैं वजन नहीं उठा रहा, मैं तो बस अपना दबदबा दिखा रहा हूं। उनका यह जवाब दोनों के बीच की मजेदार केमिस्ट्री और राकेश बेदी की हाजिरजवाबी को दर्शाता है। इस मजेदार वीडियो का अंत उदयबीर के दिग्गज अभिनेता को लव यू सर, लव यू कहने के साथ हुआ, जिससे उनके आपसी सम्मान और स्नेह का पता चलता है। इस पोस्ट के कैप्शन में राकेश बेदी ने लिखा, हैदराबाद में जिम का आनंद ले रहा हूं। यह दर्शाता है कि काम के साथ-साथ वे अपनी फिटनेस और सह-कलाकारों के साथ मेलजोल का भी पूरा आनंद ले रहे हैं। राकेश बेदी का सोशल मीडिया फीड ऐसे ही मजेदार पलों और अपने प्रशंसकों के साथ बातचीत से भरा पड़ा है।

यह पहला मौका नहीं है जब राकेश बेदी ने अपने सोशल मीडिया पर ऐसा कोई रोचक वीडियो साझा किया हो। मई में, राकेश बेदी ने पंजाबी गायक सुखबीर के साथ अपने मशहूर गाने बच्चा है तू मेरा की एक झलक साझा की थी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा था, सभी का स्वागत है हैलो चाय विद राकेश बेदी में। मैं एक फेस्टिवल के लिए गोवा में हूं। कल मेरा यहां एक स्पीकर सेशन है, लेकिन मुझे एक ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिला जिसे मैं बहुत पसंद करता हूं। वह दिल से बहुत अच्छा गाते हैं, और वह कोई और नहीं बल्कि सुखबीर हैं। इसके बाद, उन्होंने सुखबीर को फ्रेम में लाया, जो गा रहा था, 'दिल देना, दिल लेना, ऐ सौदा खरा खराज्है सौदा खरा खराज।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009